Page 9

हर व्यक्ति की समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता ...

हरियाणा मेल

सही खबर- भेदी नजर

haryanamail.in   @haryanamail

गुरुवार, 30 जुलाई, 2026

गुरुग्राम , वर्ष -14, अंक - 55, पृष्ठ-12, मूल्य : 3.00 रूपए
RNI NO. : HARHIN/2012/47672

बिल के नाम पर छात्रों को एक ... 12 Page

भोपाल में किसान आंदोलन उग्र, चार सुरक्षा घेरे तोड़ सीएम आवास की ओर बढ़े किसान

अन्नदाता की पुकार, सत्ता के गलियारों तक पहुंची

- **राजधानी में किसान शक्ति का प्रदर्शन, सड़कों पर उतरा अन्नदाता का आक्रोश**
- **हक की लड़ाई में किसान आर-पार के मूड में, सरकार पर बढ़ा दबाव**
- **3 अगस्त तक मांगें नहीं मानीं तो प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी**

हरियाणा मेल, एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में किसानों का आंदोलन बुधवार को तीसरे दिन उग्र हो गया। मुख्यमंत्री निवास की ओर कूच कर रहे किसानों ने पुलिस की चार स्तरीय बैरिकेडिंग तोड़ते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया, जिससे कई स्थानों पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई।

आंदोलन के दौरान कुछ किसानों ने अर्धनग्न होकर विरोध दर्ज कराया, जबकि बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ते रहे। सुरक्षा कारणों से पूरे इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। मूंग की शत-प्रतिशत समर्थन मूल्य पर खरीदी, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी और ई-टोकन व्यवस्था समाप्त करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर किसान पिछले तीन दिनों से राजधानी में डटे हुए हैं। किसानों का आरोप है कि सरकार लगातार आश्वासन दे रही है, लेकिन उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा।

> **6 किसानों की प्रमुख मांगें**
>
> मूंग की शत-प्रतिशत समर्थन मूल्य पर खरीदी। एमएसपी को कानूनी गारंटी। ई-टोकन व्यवस्था समाप्त करना।खाद और कृषि संबंधी संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता। लंबित भुगतान और किसानों से जुड़े वादों को समयबद्ध तरीके से पूरा करना।

किसानों ने बोर्ड ऑफिस चौराहे, कांग्रेस कार्यालय, रेडक्रॉस अस्पताल और शिवाजी चौराहे के पास पुलिस की बैरिकेडिंग तोड़ते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया। कई स्थानों पर सड़क रोकने के लिए खड़ी बसों पर भी प्रदर्शनकारी चढ़ गए और उन्हें हटाने की कोशिश की। पुलिस ने अतिरिक्त बल तैनात कर स्थिति नियंत्रित करने का प्रयास किया।

प्रदर्शन के दौरान कई किसानों ने अपनी कमीज और बनियान उतारकर अर्धनग्न प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि जब सरकार किसानों की आवाज नहीं सुन रही, तब विरोध का यही रास्ता बचा है। किसानों ने आरोप लगाया कि उन्हें फसल का उचित मूल्य नहीं मिल रहा और लगातार आर्थिक संकट गहरा रहा है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के आवास के बाहर आंदोलनकारी किसान पहुंचकर सड़क पर बैठ गए। किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने वाहनों को सड़क पर खड़ा कर रास्ता पूरी तरह ब्लॉक कर दिया है। मौके पर पुलिस का बम निरोधक (बॉम्ब डिस्पोजल) वाहन भी तैनात किया गया है। आवास के बाहर भारी पुलिस बल मौजूद है और सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया गया है।

प्रदर्शनकारी दशरथ पटेल ने कहा कि किसान किसी से भीख नहीं मांग रहे, बल्कि अपना अधिकार मांग रहे हैं। उन्होंने सरकार पर चुनावी वादों से पीछे हटने का आरोप लगाया। आंदोलन में शामिल कुछ महिलाओं ने कहा कि उन्हें लाड़ली बहना योजना की राशि नहीं चाहिए, बल्कि उनकी मूंग की फसल का उचित मूल्य मिलना चाहिए। किसान आंदोलन के समर्थन में रायसेन से भोपाल पहुंचीं प्रियंका रघुवंशी ने सरकार से किसानों की मांगें जल्द पूरी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि सरकार किसानों की मांगें पूरी नहीं करती है तो मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को इस्तीफा दे देना चाहिए।

प्रदर्शन स्थल पर किसानों ने सरकार की सद्बुद्धि हवन किया। वहीं कई किसान सड़क किनारे ही भोजन बनाते और आराम करते नजर आए। प्रदर्शन स्थल पर दाल-बाटी बनाकर सामूहिक भोजन की व्यवस्था भी की गई।

> **आमजन पर असर, स्कूल बंद**
>
> **किसान** आंदोलन के कारण नर्मदापुरम रोड सहित कई प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने कई रास्तों पर बैरिकेडिंग कर ट्रैफिक डायवर्ट किया, जिससे शहर के विभिन्न हिस्सों में लंबा जाम लगा। स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने नर्मदापुरम रोड स्थित सरकारी और निजी स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया। हजारों लोगों को कार्यालय, स्कूल और अस्पताल पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

कांग्रेस का समर्थन

बुधवार शाम को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पहुंचने पर किसान कांग्रेस और कांग्रेस कार्यकताओं ने आंदोलनकारियों पर फूल बरसाकर स्वागत किया। कांग्रेस नेताओं ने किसानों की मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो आंदोलन को प्रदेशव्यापी बनाया जाएगा। किसान कांग्रेस ने चेतावनी दी कि 3 अगस्त तक मांगें पूरी नहीं होने पर हाईवे जाम और मुख्यमंत्री तथा केंद्रीय कृषि मंत्री के आवास का घेराव किया जाएगा।

जापान के कुमामोटो में भूकंप

13 लोगों की मौत

- **शॉपिंग सेंटर में हुए धमाके में दो महिलाओं की गई जान**

हरियाणा मेल, एजेंसी

टोक्यो (जापान)। देश की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने बुधवार सुबह कहा कि भूकंप प्रभावित दक्षिण-पश्चिमी मुख्य द्वीप क्यूशू के कुमामोटो इलाके में कम से कम 13 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। यह इलाका एक दिन पहले आए शक्तिशाली भूकंप से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, मरने वालों की संख्या का आंकड़ा बढ़ सकता है। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 7.1 रिकार्ड की गई। कई लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। बचावकर्मी लोगों की तलाश कर रहे हैं।

द जापान टाइम्स और जापान टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री ताकाइची ने कहा, "जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई है, उनके प्रति मैं गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं।" उन्होंने कहा कि सरकार ज्यादा से ज्यादा लोगों को बचाने और सुरक्षित निकालने के लिए हर संभव संसाधन जुटाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि मंगलवार शाम 4:27 बजे आए शक्तिशाली भूकंप के बाद एक शॉपिंग सेंटर (आयन मॉल) में हुए धमाके में दो महिलाओं की मौत हो गई। एक महिला बेसुध अवस्था में मिली है। अधिकारियों के अनुसार, धमाके का कारण गैस रिसाव माना जा रहा है।

बताया गया है कि यात्सुशिरो शहर में निप्पॉन पेपर इंडस्ट्रीज की मिल में भूकंप के कारण एक चिमनी गिर गई। इस दौरान 11 लोग लापता हो गए। हादसे में दो लोगों के मारे जाने की आशंका है, जबकि बाकी नौ लोगों की हालत के बारे में तुरंत कोई जानकारी नहीं मिल पाई। भूकंप के बाद बुधवार को भी कई तेज झटके (आफ्टरशॉक्स) महसूस किए गए। अधिकारियों ने लोगों से बड़े भूकंपों के प्रति सतर्क रहने की अपील की है।

समाचार सार

भारत बाघ संरक्षण में दुनिया का नंबर-1, देश में 3,682 बाघ

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि भारत ने बाघ संरक्षण के क्षेत्र में अपनी वैश्विक नेतृत्व की स्थिति को और मजबूत किया है। देश में अब दुनिया के लगभग 75 प्रतिशत बाघ मौजूद हैं। ताजा आंकड़ों के अनुसार, भारत में बाघों की संख्या 3,682 तक पहुंच गई है, जो देश के 58 टाइगर रिजर्व में फैले हुए हैं। यादव ने अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के मौके पर बुधवार को एक्स पोस्ट में कहा कि बाघों की बढ़ती संख्या भारत के जंगलों की बेहतर स्थिति और वन्यजीव संरक्षण के प्रति लगातार किए जा रहे प्रयासों का प्रमाण है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि देश में संरक्षण संबंधी नीतियां और पहल प्रभावी रही हैं।

छात्रों को परेशान करना बंद करें, नहीं तो फिर आंदोलन होगा : दीपके

मुंबई। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने बुधवार को छत्रपति संभाजीनगर में कहा कि छात्रों को परेशान करना सरकार को बंद कर देना चाहिए, नहीं तो फिर से आंदोलन किया जाएगा। अभिजीत दीपके दिल्ली में छात्र मुद्दों को लेकर हुए लंबे विरोध प्रदर्शन के बाद आज अपने पैतृक शहर छत्रपति संभाजीनगर लौटे। इस दौरान मीडिया से बातचीत में दीपके ने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए छात्र हितों से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता से ध्यान देने की मांग की।

पेपर लीक रोकथाम के लिए कानून को सख्त बनाने वाला विधेयक लोकसभा से पारित

- **पेपर लीक कानून हुआ सख्त, सजा और जुर्माने में बढ़ोतरी**
- **लोक परीक्षा संशोधन विधेयक पास, पारदर्शिता बढ़ाने का दावा**
- **विपक्ष पर राजनीति का आरोप, सरकार ने गिनाईं उपलब्धियां**

हरियाणा मेल, एजेंसी

नई दिल्ली। पेपर लीक से जुड़े मामलों में मौजूदा कानून को और सख्त बनाने वाला लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक-2026 बुधवार को लोकसभा में शोर-शराबे के बीच ध्वनिमत से पारित हो गया। विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार को उम्मीद थी कि इस विषय पर सकारात्मक सुझाव मिलेंगे, लेकिन विपक्ष ने इसे राजनीतिक मुद्दा बनाने का प्रयास किया। डॉ. सिंह ने कहा कि जनवरी 2024 में लागू किए गए कानून को हाल की घटनाओं और विशेषज्ञों की सलाह के आधार पर और प्रभावी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि नए संशोधन में कदाचार करने वालों की सजा तीन से पांच वर्ष से बढ़ाकर पांच से दस वर्ष कर दी गई है। साथ ही जुमार्ना बढ़ाकर 50 लाख रुपये तक किया गया है। परीक्षा संचालक संस्थाओं पर अधिकतम जुर्माना एक करोड़ से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये कर दिया गया है और उन्हें आठ साल तक परीक्षा संचालन से रोका जा सकेगा। संगठित अपराध के मामलों में न्यूनतम सजा सात वर्ष और जुमार्ना 10 करोड़ रुपये तक करने का प्रावधान है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह कहना गलत है कि 2024 के कानून के बाद कोई कार्रवाई नहीं हुई। पिछले दो वर्षों में इस कानून के तहत 52 एफआईआर दर्ज की गई हैं। हाल के पेपर लीक मामले में सीबीआई जांच शुरू होने के बाद 13 लोगों को हिरासत में लिया गया और 92 स्थानों पर छापेमारी की गई। उन्होंने सरकार की शिक्षा क्षेत्र की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों की संख्या 760 से बढ़कर 1,293 और उच्च शिक्षा संस्थानों की संख्या 51,534 से बढ़कर 64,896 हो गई है। उन्होंने छात्र आंदोलन पर कहा कि सुरक्षा बलों ने संयम बरता और गोली चलाने का आदेश किसी मंत्री के पास नहीं होता।

डॉ. सिंह ने विपक्ष पर बिना प्रमाण पेपर लीक के आंकड़े पेश करने का आरोप लगाया और कहा कि नए कानून से परीक्षाओं में पारदर्शिता बढ़ेगी तथा छात्रों का विश्वास मजबूत होगा।

बांकीपुर, दतिया और मांजलपुर उपचुनाव : सभी तैयारियां पूरी

मतदान आज, नतीजे 3 अगस्त को

- **भाजपा-कांग्रेस समेत प्रमुख दलों की प्रतिष्ठा दांव पर**

हरियाणा मेल, एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार की बांकीपुर, मध्य प्रदेश की दतिया और गुजरात की मांजलपुर विधानसभा सीट पर 30 जुलाई को होने वाले उपचुनाव के लिए चुनाव आयोग और संबंधित प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान के लिए संवेदनशील केंद्रों पर केंद्रीय सुरक्षा बल, अतिरिक्त पुलिस बल, वेबकास्टिंग, सीसीटीवी निगरानी, ड्रोन और क्विक रिस्पांस टीमों की तैनाती की गई है। मतदान सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा, जबकि मतगणना 3 अगस्त को होगी।

बिहार की बांकीपुर सीट भाजपा नेता नितिन नवीन के राज्यसभा जाने के बाद खाली हुई है। यहां 3.79 लाख से अधिक मतदाता 422 केंद्रों पर मतदान करेंगे। मुकाबला भाजपा के नीरज कुमार, जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर और राजद की रेखा गुप्ता के बीच माना जा रहा है।

मध्य प्रदेश की दतिया सीट कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती की सदस्यता समाप्त होने के बाद रिक्त हुई। यहां 2.20 लाख मतदाता 291 केंद्रों पर मतदान करेंगे। 233 केंद्र संवेदनशील और 28 अति संवेदनशील घोषित किए गए हैं। भाजपा और कांग्रेस के बीच मुख्य मुकाबला है।

गुजरात की मांजलपुर सीट भाजपा विधायक योगेश पटेल के निधन के बाद खाली हुई है। यहां 2.19 लाख मतदाता 260 केंद्रों पर वोट डालेंगे। भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला है। तीनों सीटों के परिणाम 3 अगस्त को घोषित होंगे, जिन पर राजनीतिक दलों की नजर टिकी हुई है। उपचुनाव को लेकर प्रशासन ने मतदाताओं की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा है। मतदान केंद्रों पर रैंप, पेयजल, बिजली और शौचालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग मतदाताओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।

बीजापुर: दो स्थानों पर आईईडी विस्फोट, दो युवक घायल

हरियाणा मेल, एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी की चपेट में आने से बुधवार को दो अलग-अलग घटनाओं में एक पर्यटक युवक और एक ग्रामीण युवक घायल हो गए। दोनों घायलों का उपचार जारी है। पुलिस के अनुसार युवकों का एक दल बुधवार सुबह नीलम सरई वॉटरफॉल घूमने के लिए निकला था। वॉटरफॉल से लगभग एक किलोमीटर पहले नक्सलियों द्वारा लगाए गए प्रेशर आईईडी में विस्फोट हो गया, जिसकी चपेट में देवा सोढ़ी नामक युवक आ गया। घायल युवक को पहले उसूर अस्पताल ले जाया गया, जहां प्रथमिक उपचार के बाद बेहतर उपचार के लिए बीजापुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। दूसरी घटना ग्राम नांबी के जंगल में हुई। यहां मवेशी चराने गए विनोद कट्टम (15) पिता चन्द्रु कट्टम पहले से लगाए गए प्रेशर आईईडी की चपेट में आ गया। उसका भी उपचार कराया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार, करेंगुटा अभियान के दौरान नक्सलियों ने इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में आईईडी बिछाए थे। सुरक्षा बलों ने अधिकांश विस्फोटकों को निष्क्रिय कर दिया है।

नेता प्रतिपक्ष के रूप में विफल रहे राहुल गांधी: किरेन रिजिजू

हरियाणा मेल, एजेंसी

नई दिल्ली। संसद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लेकर राहुल गांधी के बयान पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के रवैये से वह दो कारणों से बेहद नाराज हैं।

रिजिजू ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) विधेयक पर एक भी ठोस बिंदु नहीं रख सके। मकर द्वार पर मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बजाय राहुल गांधी ने असंसदीय भाषा का इस्तेमाल किया और गृह मंत्री पर गलत आरोप लगाए। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि गृह मंत्री या कोई अन्य मंत्री किसी पर गोली चलाने का आदेश नहीं देते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्रवाई के आदेश संबंधित स्थान पर मौजूद मजिस्ट्रेट या एसडीएम के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी को इस बुनियादी प्रक्रिया की जानकारी होनी चाहिए थी। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने अपने ही बयान से खुद को मुश्किल स्थिति में डाल लिया है।

11 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता लड़की ने बच्चे को जन्म दिया, आरोपी गिरफ्तार

यमुनानगर। यमुनानगर के छछरौली क्षेत्र से सामने आया एक मामला पूरे समाज को झकझोर देने वाला है। महज 11 वर्ष की एक बच्ची, जो अभी पांचवीं कक्षा में पढ़ती है, ने जिला नागरिक अस्पताल में एक बच्ची को जन्म दिया। चिकित्सकों के अनुसार मां और नवजात दोनों स्वस्थ हैं, जबकि पीड़िता की कम उम्र को देखते हुए उसकी स्वास्थ्य स्थिति पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। नाबालिक की मां के द्वारा दी गई शिकायत में नाबालिग लड़की के साथ क्षेत्र के ही रहने वाले राकेश ने दुष्कर्म किया था,जो एक फैक्ट्री में ड्राइवर है। मामले की जानकारी मिलते ही चाइल्ड वेलफेयर कमेटी की टीम अस्पताल पहुंची और पीड़िता की स्थिति का जायजा लिया। परिजनों ने नवजात बच्ची को आगे की देखभाल एवं पुनर्वास के लिए सी-डब्ल्यू-सी के संरक्षण में सौंपने पर सहमति जताई है। पुलिस के अनुसार यह मामला तब सामने आया जब कुछ माह पहले स्कूल में बच्ची की तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकीय जांच में उसके गर्भवती होने का पता चला।

पीओजेके में हिंसक प्रदर्शन, 20 लोगों की मौत का दावा

हरियाणा मेल, एजेंसी

श्रीनगर। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में चुनाव बहिष्कार और सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान सुरक्षा बलों की कार्रवाई में कम से कम 20 लोगों की मौत और 33 से अधिक के घायल होने की खबर है। रावलाकोट, मुजफ्फराबाद सहित कई क्षेत्रों में तनाव बढ़ गया है और सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों पर घातक बल का इस्तेमाल किया गया। संगठन ने अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं से मामले की स्वतंत्र जांच और जवाबदेही की मांग की है।

बैठक

विकसित भारत विजन-2047 को लेकर सीएम ने लिया फीडबैक

सीईटी पास युवाओं को नवंबर से मिलेगा मानदेय: नायब सैनी

- **प्रधानमंत्री विकसित भारत योजना में हरियाणा को टॉप टेन में मिला स्थान: मुख्यमंत्री**
- **फतेहाबाद में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का बनेगा रिजनल सेंटर**

हरियाणा मेल ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री विकसित भारत योजना के तहत हरियाणा को टॉप टेन में स्थान हासिल हुआ है। इसके तहत 51 हजार युवाओं को रोजगार के अवसर सुलभ करवाए गए है।

मुख्यमंत्री विकसित भारत विजन 2047 के तहत रोजगार, स्किल डिवलेपमेंट एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग एवं हरियाणा स्किल डिवलेपमेंट मिशन की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व स्तरीय स्किल प्रतियोगिता में राज्य के 5 युवाओं का चयन किया गया है। सितम्बर माह के दौरान चीन में आयोजित इस प्रतियोगिता में मेडल लाने वाले युवाओं को 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता एवं जॉब सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि कुरूक्षेत्र के उमरी गांव में स्किल फैकल्टी ट्रेनिंग के लिए राज्य स्तरीय आर्ट कल्चर सेंटर बनाया जाएगा। इसके अलावा फतेहाबाद, सुल्तानपुर तथा अन्तेड़ी में इन्टरपैन्योरशिप डिवलेपमेंट सेंटर बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि एआई पोर्टल विकसित किया जाए जिस पर आईटीआई एवं स्किल डिवलेपमेंट का पूरा डाटा अपलोड किया जाए ताकि आवश्यकता अनुसार तत्काल उपयोग में लाया जा सके। उन्होंने कहा कि हर तीसरे माह बैठक आयोजित कर आईटीआई एवं स्किल डिवलेपमेंट कार्यों की समीक्षा की जाएगी ताकि इन योजनाओं को जल्द मुर्तरूप देकर युवाओं को रोजगार के योग्य बनाया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को वैश्विक शिक्षा केन्द्र के रूप में विकसित किया जाएगा। पंचकूला व गुरूग्राम में एआई हब बनाया जा रहा है। युवाओं को एआई के बारे में पूर्ण रूप से जागरूक किया जाएगा तथा 2 लाख युवाओं को हार्ड स्किल प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की मौजूदा सभी आईटीआईज का नवीनीकरण किया जाएगा तथा फतेहाबाद में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का रिजनल सेंटर बनाया जाएगा जो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में कार्य करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं का सर्वे करवाया जाए जिसमें विशेषकर तकनीकी रूप से युक्त युवाओं की अलग से पहचान की जाए। उन्होंने कहा कि युवाओं को तकनीकी रूप से निपुण करने के लिए आईटीआई में नए कोर्स शुरू किए जाएं जिसमें अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार के योग्य बनाया जा सके और उद्योगों के अनुरूप निपुण युवा उपलब्ध हो सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीईटी पास युवाओं को 100 घण्टे का काम दिया जाएगा। दो साल तक रोजगार न मिलने पर सक्षम युवा योजना के तहत मानदेय दिया जाएगा। सर्वे के दौरान 5 लाख 40 हजार 428 सीईटी पास युवा पाए गए हैं। इन युवाओं को एक नवम्बर से योजना का लाभ देना सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के लिए नए प्रशिक्षण आरम्भ करने के लिए हर जिले में मॉडल आईटीआई खोलने की योजना है। इसके अलावा हर ब्लॉक स्तर पर भी आईटीआई खोली जाएगी। प्रदेश के 143 ब्लॉक में से 117 ब्लॉकों में आईटीआई कार्यरत हैं। इसके अलावा चरखी दादरी के झोझू कलां, कारीरूपा व रणकौली तथा पिल्लु खेड़ा में नई आइटीआई खोली जाएगी। इसके अलावा नारनौल में महिला आईटीआई का नवीनीकरण किया जा रहा है। पंचकूला के बरवाला, कुरूक्षेत्र के बसंतपुर, तथा नलवी खुर्द में भी आईटीआई का निर्माण किया जा रहा हे। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को एआई रोबोटिक, ड्रोन आदि का प्रशिक्षण देने के लिए करनाल, पंचकूला, पानीपत में केन्द्र बनाए जा रहे है। इन केन्द्रों में प्रशिक्षणार्थियों के लिए आधुनिक स्तर की मशीने उपलब्ध करवाई जाएगी। इनके लिए 20 करोड़ रुपए की राशि खर्च की जा रही है।

धर्म-जाति राजनीति पर सरकार घिरी

प्रचार नहीं, शिक्षा और रोजगार बनें मुख्य मुद्दा: मीत हेयर

- **दोषियों को पहले ही सजा नहीं मिल रही, केवल सजा बढ़ाने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा**

हरियाणा मेल, एजेंसी

चंडीगढ़। संगरूर से आम आदमी पार्टी के सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर ने लोकसभा में जन सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक पर चर्चा करते हुए युवाओं के संघर्ष की सराहना की। उन्होंने कहा कि युवाओं की ताकत ने 12 वर्षों से धर्म और जाति की राजनीति करने वाली सरकार को आईना दिखाया है। अब प्रचार की बजाय शिक्षा और बेरोजगारी जैसे वास्तविक मुद्दे मुख्यधारा में आ गए हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का आधी रात को सेल्फी वीडियो जारी करना सरकार की घबराहट दर्शाता है। जंतर-मंतर आंदोलन ने सरकार की नीतियों और नफरत की राजनीति को उजागर किया है। मीत हेयर ने कहा कि नए विधेयक में केवल सजा बढ़ाने की बात है, जबकि 2024 से अब तक किसी दोषी को सजा नहीं मिली, इसलिए इससे वास्तविक बदलाव नहीं आएगा।

लोकसभा में राहुल गांधी के भाषण पर दो बार हंगामा, अमित शाह पर आरोप से सत्ता पक्ष भड़का

हरियाणा मेल, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में एंटी पेपर लीक बिल पर चर्चा के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी के भाषण पर दो बार हंगामा हुआ। पहली बार तब जब उन्होंने इडियट और अंधभक्त शब्द का इस्तेमाल किया और दूसरी बार तब जब उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर छात्रों पर पैलेट गन इस्तेमाल करने की अनुमति देने का आरोप लगाया। दोनों ही मौकों पर सत्ता पक्ष ने कड़ा विरोध जताया और सदन में शोर-शराबा हुआ।

राहुल गांधी ने अपने भाषण की शुरूआत कुछ छात्राओं के साथ हुई बातचीत का जिक्र करते हुए की। एक युवा लड़की ने उनसे कहा कि विद्यार्थी वह होता है जिसका मन और दिल खुला हो। उसने कहा कि दुनिया में ऐसे लोग भी होते हैं जिन्हें लगता है कि वे सब कुछ जानते हैं, वे खुद को भगवान मानते हैं और दूसरों की सच्चाई का सम्मान नहीं करते। जब उन्होंने पूछा कि ऐसे लोगों को वह क्या कहती है तो लड़की ने जवाब दिया मैं उन्हें इडियट कहती हूं।

संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने इसे असंसदीय बताते हुए कार्यवाही से हटाने की मांग की। स्पीकर ओम बिरला ने यह शब्द सदन की कार्यवाही से हटाने का आदेश दिया। राहुल गांधी ने छात्रों के प्रदर्शन का समर्थन करते हुए कहा कि यह गुस्सा या नफरत नहीं था बल्कि देश के युवाओं और आने वाली पीढ़ी की गहरी भावना का इजहार था। छात्रों का सम्मान होना चाहिए और भाजपा नेताओं को यह समझना चाहिए कि यही युवा देश के भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा नेता अपने बच्चों से पूछें तो वे भी छात्रों के समर्थन में खड़े होंगे।

इसके बाद राहुल गांधी ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह के आदेश पर छात्रों पर पैलेट गन का इस्तेमाल पर हुआ। इस आरोप पर सत्ता पक्ष ने फिर हंगामा किया। किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी से माफी मांगने की मांग की और कहा कि बिना तथ्यों के इस तरह का आरोप नहीं लगाया जा सकता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि राहुल गांधी को अपनी बात रखने दी जाए लेकिन असंसदीय शब्द रिकॉर्ड से हटाए जाएं।

राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों को भारत में अपनी बात कहने और सवाल पूछने की आजादी नहीं दी जा रही है। उन्हें मनगढ़ंत हिस्ट्री मानने के लिए मजबूर किया जा रहा है। शिक्षा व्यवस्था निजीकरण और वसूली से भरी हुई है।

सदन में हंगामे के बीच राहुल गांधी ने कहा कि जब भी वह बोलते हैं सत्ता पक्ष शोर मचाने लगता है। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेताओं को छात्रों की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए क्योंकि यही युवा देश का भविष्य हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जो हुआ है उसमें कुछ भी गलत नहीं है और हर भारतीय को इस पर गर्व होना चाहिए। स्पीकर ने भी राहुल गांधी को नसीहत दी कि बिना तथ्यों के किसी पर आरोप न लगाएं।\ इस दौरान समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राहुल गांधी का समर्थन किया, लेकिन सत्ता पक्ष ने कहा कि विपक्ष केवल आरोप लगा रहा है।

संसद का मानसून सत्र लगातार हंगामे के कारण बाधित हो रहा है। बुधवार को भी प्रश्नकाल नहीं चल पाया और विपक्ष की नारेबाजी के कारण सदन को स्थगित करना पड़ा।

जंतर-मंतर प्रदर्शन पर पुलिस कार्रवाई को लेकर राज्यसभा में हंगामा

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को लेकर संसद के मानसून सत्र के दौरान बुधवार को राज्यसभा में जोरदार हंगामा हुआ। विपक्ष ने इस मुद्दे पर चर्चा और जवाबदेही की मांग की, जिसके चलते सदन की कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे तक फिर प्रश्नकाल शुरू होते ही हंगामे के कारण कार्यवाही दोपहर दो बजे तक स्थगित करनी पड़ी।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने हंगामे के बीच कहा कि देश में लोग सुरक्षित नहीं हैं और लोकतंत्र भी सुरक्षित नहीं है। उन्होंने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान हुई कथित पुलिस बर्बरता पर सरकार से जवाबदेही तय करने की मांग की।

खरगे के बयान का जवाब देते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि प्रदर्शन में शामिल किसी भी छात्र कार्यकर्ता के खिलाफ पुलिस ने परिस्थितियों के अनुसार कार्रवाई की है। उन्होंने कहा, मैं भी छात्र जीवन में गिरफ्तार हुआ था। आपातकाल के दौरान जेल गया था। आंदोलन करने वाला हर छात्र कार्यकर्ता जानता है कि ऐसे आंदोलनों में क्या परिस्थितियां हो सकती हैं।

इस दौरान राज्यसभा के सभापति ने हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही आगे बढ़ाने का प्रयास किया लेकिन विपक्षी सदस्य जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान कथित पुलिस कार्रवाई पर चर्चा की मांग को लेकर लगातार नारेबाजी करते रहे।

राज्यसभा में कुछ सदस्यों के बोलने के बाद लगातार जारी हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे तक फिर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

अमेरिकी और सऊदी सेना के हमले में कम से कम 20 इराकी लड़ाके मारे गए

हरियाणा मेल, एजेंसी

बगदाद। अमेरिका और सऊदी अरब की सेना ने इराक में पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज (पीएमएफ) पर हमला किया है। इस हमले में पीएमएफ के 20 लड़ाके मारे गए हैं। इस फोर्सेज को ईरान का समर्थन प्राप्त है। यह एकीकृत सैन्य कार्रवाई पिछले 30 दिनों में सऊदी अरब की तेल सुविधाओं पर हुए ड्रोन हमलों के जवाब में की गई है। अमेरिका ने यह भी दावा किया है कि एकीकृत सैन्य कार्रवाई से पहले ईरान ने जॉर्डन में उसके एक बेस पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, पीएमएफ ने बयान में स्वीकार किया है कि यह हमले सात प्रांतों में किए गए। अमेरिकी-सऊदी सेना के संयुक्त हमलों में उसके कम से कम 20 लड़ाके मारे गए और 32 अन्य घायल हो गए। पीएमएफ ने कहा कि हताहतों की यह संख्या शुरूआती है। इसमें बढ़ोतरी हो सकती है। शुरूआती खबरों में दावा किया गया था कि हमले के बाद इराक के उत्तरी निनवेह प्रांत और दक्षिणी बसरा प्रांत में कई स्थानों में आग लग गई। पीएमएफ ने सुबह स्वीकार किया था कि निनवेह में कम से कम आठ लोग मारे गए हैं।

पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज इराक का आधिकारिक सरकारी सुरक्षा बल है। इसकी स्थापना 15 जून 2014 को ईरान समर्थित शिया मिलिशिया समूहों को मिलाकर की गई थी। कहने को तो यह पीएमएफ इराकी प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्रालय के साथ समन्वय में काम करता है, लेकिन व्यावहारिक रूप से इस पर ईरान का गहरा प्रभाव माना जाता है। संगठन के बयान में कहा गया कि इन हमलों में बगदाद, वासित, निनवे, बसरा, किरकुक, कर्बला और दियाला प्रांतों में पीएमएफ के ठिकानों को निशाना बनाया गया। इन हमलों से इमारतों, गाड़ियों और सैन्य उपकरणों को नुकसान पहुंचा है।

यमन के ईरान समर्थित आतंकी समूह हूती ने पीएमएफ पर हमले की निंदा की है। हूती ने अल-मसीराह टीवी पर जारी बयान में कहा कि यह इराक की संप्रभुता पर खुला हमला है। इस बीच खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) ने पूर्व में ईरान समर्थित समूहों के सऊदी अरब पर किए गए हमलों की निंदा की है। जीसीसी महासचिव जसीम मोहम्मद अल-बुदैवी ने कहा कि इराक का ईरान समर्थक मिलिशिया पिछले कुछ समय से सऊदी अरब पर आतंकवादियों की तरह हमले कर रहा है। यह सऊदी अरब की संप्रभुता पर सीधा हमला है। सनद रहे खाड़ी सहयोग परिषद सऊदी अरब, यूएई, कतर, कुवैत, ओमान और बहरीन का राजनीतिक और आर्थिक संगठन है। अल -बुदैवी ने कहा कि जीसीसी देश सऊदी अरब के साथ खड़े हैं।

खबरें फटाफट

पंजाब की अदालत से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ वारंट

चंडीगढ़। पंजाब में संगरूर की जिला अदालत ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ वारंट जारी किया है। उन्हें अदालत में पेश होने का आदेश दिया गया है। मामले की सुनवाई 19 सितंबर को होगी।

खरगे के वकील एडवोकेट ललित गर्ग ने बताया कि यह मामला 2023 का है, जब संगरूर निवासी हितेश भारद्वाज (बजरंग दल सदस्य) ने खरगे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। खरगे पर आरोप है कि उन्होंने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के घोषणापत्र में बजरंग दल पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने बजरंग दल की तुलना पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन पीएफआई से की थी और कहा था कि सत्ता में आने पर वे इस संगठन पर प्रतिबंध लगा देंगे। पहले यह मामला सिविल प्रकृति का था, जिसमें मल्लिकार्जुन खरगे के वकील पेश हुए थे। अब कोर्ट ने इसे आपराधिक मामला बना दिया है। यदि खरगे इस मामले में पेश नहीं होते हैं, तो अदालत उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट भी जारी कर सकती है। मामले की अगली सुनवाई 19 सितंबर को निर्धारित की गई है।

नोएडा सीवेज प्लांट हादसे पर एनएचआरसी ने लिया संज्ञान, दो सप्ताह में रिपोर्ट तलब

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) की एक आवासीय सोसाइटी में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के अंदर जहरीली गैस से दो लोगों की मौत के मामले पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस आयुक्त, गौतमबुद्ध नगर को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने कहा कि यह गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन का मामला है।

आयोग ने कहा कि रिपोर्ट में जांच की स्थिति और मृतकों के परिजनों को दी गई क्षतिपूर्ति, यदि कोई हो, का विवरण शामिल होना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट से जानकारी मिली कि 26 जुलाई को सफाईकर्मी टैंक की सफाई के लिए अंदर गया और बेहोश हो गया। उसे बचाने के लिए सुरक्षा गार्ड भी अंदर गया लेकिन वह भी बेहोश हो गया। दोनों को पुलिस और दमकलकर्मियों ने बाहर निकाला और अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

टेलीग्राम के संस्थापक पावेल डुरोव पर रूस ने लगाया आतंकवाद में मदद का आरोप

मॉस्को। रूस की फेडरल सिक्योरिटी सर्विस (एफएसबी) ने मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम के संस्थापक पावेल डुरोव पर आतंकवादी गतिविधियों में मदद करने के आरोप लगाते हुए कहा है कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय वांटेड सूची में शामिल करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। एफएसबी द्वारा जारी बयान में कहा गया कि पावेल डुरोव के खिलाफ रूसी आपराधिक संहिता की धारा 205.1 (भाग 1.1) के तहत आतंकवादी गतिविधियों में मदद करने के आरोप में आपराधिक जांच चल रही है। रूसी एजेंसी का आरोप है कि टेलीग्राम ने रूसी कानूनों का उल्लंघन करते हुए ऐसे कई चैनलों, चैट और बॉट्स को नहीं हटाया, जिनका कथित तौर पर यूक्रेनी विशेष सेवाओं, आतंकवादी और चरमपंथी संगठनों द्वारा रूस में तोड़फोड़, आतंकवादी हमलों, सामूहिक हत्याओं और साइबर धोखाधड़ी जैसी गतिविधियों की योजना बनाने और समन्वय के लिए इस्तेमाल किया गया। एफएसबी ने दावा किया कि इन कथित गतिविधियों के कारण महिलाओं और बच्चों सहित कई लोगों की जान गई तथा बड़े पैमाने पर आर्थिक नुकसान हुआ है। एजेंसी के अनुसार, पावेल डुरोव को अंतरराष्ट्रीय वांटेड सूची में शामिल करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और मामले की जांच जारी है।

दानपेटी लेकर संसद पहुंचे सपा सांसद, केंद्र सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली। राम मंदिर में कथित चढ़ावे और दान चोरी के आरोपों को लेकर बुधवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसदों ने संसद भवन परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। सपा सांसद हाथों में दानपेटी और पोस्टर लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते नजर आए। सपा नेताओं ने आरोप लगाया कि मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए दान की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सरकार विफल रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि जो सरकार मंदिर की दानपेटी की सुरक्षा नहीं कर सकती, वह देश और युवाओं का भविष्य कैसे सुरक्षित रखेगी। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जवाबदेही तय करने की मांग की।

खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में सुरक्षा बलों का 32 आतंकवादियों को मारने का दावा

रावलपिंडी। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान के अलग-अलग इलाकों में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान 32 आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया है। यह जानकारी इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) की तरफ से दी गई है। पाकिस्तान टेलीविजन चैनल दुनिया न्यूज ने आईएसपीआर के हवाले से बताया कि, 28 व 29 जुलाई की रात खैबर पख्तूनख्वा के खैबर जिले में खुफिया जानकारी के आधार पर कई लक्षित अभियान चलाए गए। इन अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के विभिन्न ठिकानों पर कार्रवाई करते हुए फि त्ना अल-ख्वारिज से जुड़े 24 आतंकवादियों को मार गिराया। वहीं, बलूचिस्तान के नुश्की जिले में भी खुफिया-आधारित ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में आठ आतंकवादी मारे गए। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के कब्जे से हथियार, गोला-बारूद और इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस बरामद किए, जिन्हें बाद में नष्ट कर दिया गया। पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग ने अपने बयान में कहा कि आतंकवाद के खतरे को समाप्त करने के लिए सुरक्षा बल और कानून प्रवर्तन एजेंसियां अज्म-ए-इस्तेहकाम अभियान के तहत आतंकवाद विरोधी कार्रवाई पूरी गति से जारी रखेंगी।

यौन उत्पीड़न मामले में ट्रेनी आईपीएस अधिकारी गिरफ्तार

हरियाणा मेल, एजेंसी

हैदराबाद। हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पुलिस अकादमी की एक साथी ट्रेनी भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी द्वारा दर्ज कराए गए यौन उत्पीड़न के मामले में अट्टापुर पुलिस ने बुधवार को आरोपित ट्रेनी आईपीएस अधिकारी उदय कृष्णा रेड्डी को गिरफ्तार कर लिया। शिकायत दर्ज होने के लगभग दस दिन बाद हुई इस गिरफ्तारी को मामले में महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उदय कृष्णा रेड्डी का मेडिकल परीक्षण कराने के लिए उसे उस्मानिया जनरल अस्पताल भेजा। इसके बाद उसे न्यायिक रिमांड के लिए राजेंद्रनगर स्थित अदालत में पेश किए जाने की प्रक्रिया शुरू की गई। यह गिरफ्तारी ऐसे समय हुई है, जब हाल ही में मीडिया में यह खबर सामने आई थी कि उदय कृष्णा रेड्डी ने कथित रूप से आत्महत्या का प्रयास किया था। उन्हें एसआर नगर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यह मामला कर्नाटक कैडर की 30 वर्षीय विवाहित ट्रेनी आईपीएस अधिकारी द्वारा 18 जुलाई को दर्ज शिकायत से जुड़ा है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उदय कृष्णा रेड्डी ने उनके साथ लगातार यौन उत्पीड़न किया और कई बार शारीरिक हिंसा भी की। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपित ने उन्हें अशोभनीय संदेश भेजे, जबरन एक कमरे में ले गया, बाल खींचकर मारपीट की, गला घोंटने का प्रयास किया और चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। आरोपित ने उनकी जानकारी के बिना एक निजी वीडियो रिकॉर्ड किया और बाद में उसे उनके पति को भेजकर ब्लैकमेल करने की कोशिश की। इन आरोपों के आधार पर अट्टापुर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। अकादमी की जांच समिति ने कथित तौर पर सीसीटीवी फुटेज, डिजिटल साक्ष्यों और अन्य उपलब्ध तथ्यों की समीक्षा की। जांच के बाद प्रथम दृष्टया आरोपों में आधार मिलने पर अकादमी ने उदय कृष्णा रेड्डी को निलंबित कर दिया। बताया जाता है कि आत्महत्या के प्रयास से पहले उदय कृष्णा रेड्डी ने व्हाट्सएप स्टेटस पर एक संदेश साझा कर अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया था।

उदय कृष्णा रेड्डी ने 2019 तक आंध्र प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल के रूप में सेवा दी। इसके बाद नौकरी से इस्तीफा देकर यूपीएससी की परीक्षा की तैयारी की और वर्ष 2024 में परीक्षा उत्तीर्ण कर भारतीय पुलिस सेवा में चयनित हुए। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी उन्हें सार्वजनिक रूप से बधाई दी थी। फिलहाल पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

पंजाब सरकार ने बेअदबी रोकथाम कानून का संशोधित मसौदा श्री अकाल तख्त साहिब के प्रभारी को सौंपा

अमृतसर। पंजाब सरकार ने बेअदबी रोकथाम कानून के विवादित प्रावधानों में संशोधन करके नया मसौदा श्री अकाल तख्त साहिब को सौंप दिया है। विधायक डॉ. इंद्रबीर सिंह निज्जर और डिप्टी कमिश्नर दलविंदरजीत सिंह ने सरकार का पक्ष और संशोधित ड्राफ्ट श्री अकाल तख्त साहिब सचिवालय के प्रभारी बगीचा सिंह को सौंपा।

मीडिया से बातचीत के दौरान डॉ. इंद्रबीर सिंह निज्जर ने कहा कि श्री अकाल तख्त साहिब की ओर से कानून के प्रारूप पर उठाई गई सभी प्रमुख आपत्तियों को संशोधित मसौदे में दूर कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि अब यह मसौदा अध्ययन के लिए श्री अकाल तख्त साहिब सचिवालय के पास है और वहां से मिलने वाले सुझावों या निर्णय के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। डॉ. निज्जर ने बताया कि दस्तावेज सौंपे जाने के समय जत्थेदार साहिब मौजूद नहीं थे।

इससे पहले श्री अकाल तख्त साहिब ने कानून के प्रारूप पर छह प्रमुख आपत्तियां जताई थीं। इनमें बीड़ की जगह सरूप शब्द के प्रयोग, कस्टोडियन संबंधी प्रावधान, श्री गुरु ग्रंथ साहिब के सरूपों को यूनिक नंबर देने की व्यवस्था, कस्टोडियन की जिम्मेदारियां तय करने, सजा संबंधी प्रावधानों की स्पष्टता तथा दुर्घटना की स्थिति में श्री गुरु ग्रंथ साहिब के सरूप को केस प्रॉपर्टी न बनाए जाने संबंधी प्रावधान शामिल थे।

लोकसभा में पेश हुआ जन्म-मृत्यु पंजीकरण संशोधन विधेयक

रिकॉर्ड होंगे डिजिटल, देरी पर सख्त नियम

हरियाणा मेल, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में बुधवार को जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया गया। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने विपक्ष के हंगामे के बीच यह बिल सदन में रखा। इस विधेयक का उद्देश्य देशभर में जन्म और मृत्यु के रिकॉर्ड को डिजिटल करना और फर्जी दस्तावेजों पर रोक लगाना है। नए प्रावधानों के तहत जन्म और मृत्यु के पंजीकरण में देरी पर सख्त नियम लागू होंगे। यदि रजिस्ट्रेशन कराने में एक से दो साल की देरी होती है तो जिला मजिस्ट्रेट, उप-मंडल मजिस्ट्रेट या कार्यकारी मजिस्ट्रेट की लिखित मंजूरी अनिवार्य होगी। वहीं, दो साल से अधिक की देरी होने पर मामला सीधे अदालत जाएगा और प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश के बाद ही प्रमाण पत्र जारी किया जा सकेगा। इस कानून के तहत अब पूरे देश के जन्म और मृत्यु के रिकॉर्ड को एक केंद्रीय डिजिटल डेटाबेस से जोड़ा जाएगा। इससे देश के किसी भी हिस्से में होने वाले जन्म या मृत्यु की जानकारी एक ही जगह ऑनलाइन उपलब्ध होगी। इस डेटाबेस को मतदाता सूची, राशन कार्ड, पासपोर्ट और अन्य राष्ट्रीय पहचान पत्रों से भी जोड़ा जाएगा। कोई नागरिक 18 वर्ष का होगा, उसका नाम स्वतः मतदाता सूची में जुड़ जाएगा। वहीं, किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर सरकारी रिकॉर्ड से उसका नाम आसानी से हटाया जा सकेगा। इससे सरकारी योजनाओं में होने वाली गड़बड़ियों और फर्जी लाभ उठाने की घटनाओं पर रोक लगेगी। नए कानून के लागू होने के बाद जन्म प्रमाण पत्र सबसे मुख्य दस्तावेज बन जाएगा। अब तक स्कूल में प्रवेश, ड्राइविंग लाइसेंस या सरकारी नौकरियों में आवेदन के लिए अलग-अलग दस्तावेजों का इस्तेमाल किया जाता था। लेकिन इस बिल के पास होने के बाद जन्म प्रमाण पत्र ही उम्र और पहचान का एकमात्र आधिकारिक दस्तावेज माना जाएगा।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे वाली पोस्ट शेयर करने पर बलरामपुर के पटवारी पर गिरी गाज, निलंबित

हरियाणा मेल, एजेंसी

बलरामपुर। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के तहसील डौरा-कोचली में पदस्थ हल्का पटवारी सम्प्रीत एक्का को सोशल मीडिया पर राजनीतिक प्रकृति की पोस्ट साझा करना महंगा पड़ गया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से संबंधित एक पोस्ट व्हाट्सएप के माध्यम से प्रचारित करने के मामले में बुधवार को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बलरामपुर ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

जानकारी के अनुसार, हल्का पटवारी सम्प्रीत एक्का ने 25 जुलाई को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के कथित इस्तीफे से संबंधित एक पोस्ट साझा की थी। यह पोस्ट नीट पेपर लीक मामले को लेकर चल रही राजनीतिक बहस से जुड़ी बताई जा रही है। पोस्ट सामने आने के बाद जिले में राजनीतिक हलचल तेज हो गई और इसकी शिकायत प्रशासन तक पहुंची।

एसडीएम द्वारा जारी निलंबन आदेश में उल्लेख किया गया है कि पटवारी द्वारा राजनीतिक गतिविधियों से संबंधित पोस्ट का व्हाट्सएप के माध्यम से प्रचार-प्रसार किए जाने की शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत मिलने के बाद 26 जुलाई 2026 को कारण बताओ नोटिस जारी कर सम्प्रीत एक्का से स्पष्टीकरण मांगा गया था।

प्रशासन के अनुसार, पटवारी द्वारा प्रस्तुत जवाब का परीक्षण किया गया, लेकिन उसे संतोषजनक नहीं पाया गया। इसके बाद यह माना गया कि उनका कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 5, 6 एवं 9 का उल्लंघन है। इसी आधार पर एसडीएम ने निलंबन की कार्रवाई की।

जारी आदेश के अनुसार, निलंबन अवधि के दौरान सम्प्रीत एक्का का मुख्यालय तहसील कार्यालय बलरामपुर निर्धारित किया गया है। साथ ही उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता रहेगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

इस कार्रवाई के बाद जिले में सरकारी कर्मचारियों द्वारा सोशल मीडिया के उपयोग और राजनीतिक विषयों पर सार्वजनिक गतिविधियों को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है। प्रशासनिक हलकों में इस कार्रवाई को शासकीय सेवकों के आचरण नियमों के पालन से जोड़कर देखा जा रहा है।

आज का इतिहास

इतिहास के पन्नों में 30 जुलाई

देश की पहली महिला विधायक और समाज सुधारक डॉ. मुथुलक्ष्मी रेड्डी का जन्म

भारत के इतिहास में 30 जुलाई का दिन महिला सशक्तीकरण और सामाजिक सुधार के क्षेत्र में विशेष महत्व रखता है। इसी दिन 1886 में तमिलनाडु के चेन्नई में देश की पहली महिला विधायक, प्रख्यात चिकित्सक और समाज सुधारक डॉ मुथुलक्ष्मी रेड्डी का जन्म हुआ था।

डॉ मुथुलक्ष्मी रेड्डी ने उस दौर में कई सामाजिक रूढ़ियों को चुनौती दी, जब महिलाओं की शिक्षा और सार्वजनिक जीवन में भागीदारी बेहद सीमित थी। वह लड़कों के कॉलेज में प्रवेश पाने वाली पहली महिला बनीं और आगे चलकर भारत की पहली महिला विधायक के रूप में इतिहास रचा। इसके अलावा, उन्हें किसी विधायी परिषद की पहली महिला उपसभापति बनने का भी गौरव प्राप्त हुआ।

उन्होंने महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और अधिकारों के लिए जीवनभर कार्य किया। देवदासी प्रथा के उन्मूलन, बाल विवाह के विरोध और महिला कल्याण से जुड़े कई सुधारों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने कैंसर रोगियों के उपचार के लिए भी उल्लेखनीय योगदान दिया और चेन्नई में अड्यार कैंसर संस्थान की स्थापना में अग्रणी भूमिका निभाई। उनके सामाजिक और मानवीय योगदान को देखते हुए भारत सरकार ने 1956 में उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया।

जन्म

1882 - सत्येंद्रनाथ बोस (क्रांतिकारी) - प्रसिद्ध क्रांतिकारी एवं स्वतंत्रता सेनानी थे।

1886 - मुत्तू लक्ष्मी रेड्डी - भारत की प्रसिद्ध महिला चिकित्सक, सामाजिक कार्यकर्ता और पद्म भूषण प्राप्तकर्ता थीं।

1887 - अर्टाबल्लाभा मोहंती - उड़िया साहित्यकार थे। भारत सरकार ने उन्हें साल 1960 में पद्म श्री से सम्मानित किया था।

1923 - गोविन्द चन्द्र पाण्डे - 20वीं सदी के जानेमाने चिंतक, इतिहासवेत्ता, संस्कृतज्ञ तथा सौंदर्यशास्त्री थे।

1927 - माधवसिंह सोलंकी - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ हैं, जो गुजरात के मुख्यमंत्री रहे हैं।

निधन

1771 - थॉमस ग्रे - 18वीं शताब्दी के प्रसिद्ध अंग्रेजी कवियों में से एक।

1969 - अर्टाबल्लाभा मोहंती - उड़िया साहित्यकार थे। भारत सरकार ने उन्हें साल 1960 में पद्म श्री से सम्मानित किया था।

1979 - बिष्णुपद मुखर्जी - भारतीय औषध विज्ञानी और आर्थोपेडिक सर्जन थे।

2019 - सुबीर गोकर्ण - भारत के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री थे।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र

1836 - अमेरिका के हवाई में अंग्रेजी भाषा का पहला अखबार प्रकाशित हुआ।

1886 - देश की पहली महिला विधायक और समाज सुधारक एस. मुथुलक्ष्मी रेड्डी का जन्म।

1909 - राइट बंधुओं ने सेना के लिए पहला विमान बनाया।

1942 - जर्मन की सेना ने बेलारूस के मिंस्क में 25000 यहूदियों की हत्या की।

1957 - एक्सपोर्ट रिस्क इंस्योरेंस कॉर्पोरेशन आफ इंडिया (प्राइवेट) लिमिटेड की स्थापना।

1966 - इंग्लैंड ने फुटबॉल का विश्वकप पहली बार जीता।

1980 - वानूआतो देश को स्वतंत्रता मिली।

2000 - संयुक्त राष्ट्र ने इस्त्रायल द्वारा खाली किये क्षेत्रों में शांति सेना की तैनाती प्रारम्भ की।

2001 - श्रीलंका सरकार ने मुक्ति चीतों पर से प्रतिबंध हटाने से इन्कार किया।

2002 - कनाडा ने अलकायदा सहित सात संगठनों को आतंकवादी संगठन घोषित किया।

2006 - हालीवुड अभिनेत्री पामेला एडंरसन ने गायक किड रॉक से विवाह किया।

करोड़ों रुपये के घोटाले में संलिप्त आरोपी को आंध्र प्रदेश से किया गिरफ्तार

हरियाणा मेल ब्यूरो

सोहना। शहर थाना पुलिस आंधप्रदेश से करोड़ों रुपये के घोटाले में संलिप्त आरोपी को गिरफ्तार करके लाई है। जिसे अदालत ने पुलिस को चार दिन रिमांड पर मामले से संबंधित पूछताछ के लिए भेजा है। रिमांड पर आया घोटाले में संलिप्त आरोपी से हरियाणा पुलिस की इक्नोमिक्स शैल ने पूछताछ करना शुरू कर दिया है। शहर थाना से पुलिस की गठित टीम दस दिन पहले करोड़ों रुपये के घोटाले में संलिप्त आरोपी लोवा राजू कांदी रैली निवासी राजा मुंदरी आंध्र प्रदेश को गिरफ्तार करके मंगलवार की रात को वापस सोहना पहुंची है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस ने आरोपी को आंध्र प्रदेश की राजमुंद्री से गिरफ्तार किया था। जिसे अदालत में पेश किया। अदालत ने पुलिस की मांग पर चार दिन रिमांड पर भेजा है। इससे पहले शहर थाना पुलिस ने इस करोड़ों रुपये के घोटाले में 13 आरोपियों को बीते करीब 7 साल में गिरफ्तार कर जेल भेजवाने का काम किया है। गिरफ्तार आरोपी को अदालत द्वारा भगौड़ा घोषित किया हुआ था। जानकारी के अनुसार श्री राम फाइनेंश एजेंसी में काम करने वाले कर्मचारियों ने करीब 400 लोगों को चिटफंड करते हुए करीब 8 करोड़ रुपये लगवाया था। 400 के करीब लोगों को एजेंसी में काम करने वाले साढ़े पांच वर्ष में दोगुणा और साढ़े छह साल में तीन गुणा नकदी वापस लौटाने का लालच देकर फजीर्वाड़ा किया था। पुलिस ने 2019 में करीब 150 पीडितों की हस्ताक्षर युक्त शिकायत पर एजेंसी में काम करने वाली कर्मचारियों के खिलाफ धोखाधड़ी करके लोगों से नकदी ठगने का मामला दर्ज किया था। पुलिस ने बताया कि इस मामले में पुलिस अब तक 14 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

सेक्टर-78 और 79 में 2.4 किमी लंबे सर्विस रोड बनाएगा जीएमडीए

- 4.62 करोड़ होंगे खर्च
- दोनों ओर 1.2-1.2 किमी सर्विस रोड के साथ बनेगा नया स्टॉर्म वाटर ड्रेन
- यातायात होगा सुगम और जलभराव से मिलेगी राहत

हरियाणा मेल ब्यूरो

गुरुग्राम। न्यू गुरुग्राम में सड़क संपर्क और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) सेक्टर-78 और 79 में 4.62 करोड़ की लागत से 2.4 किलोमीटर लंबे सर्विस रोड नेटवर्क का निर्माण करेगा। परियोजना के तहत दोनों ओर 1.2-1.2 किलोमीटर लंबे सर्विस रोड बनाए जाएंगे। साथ ही वर्षा जल की त्वरित निकासी सुनिश्चित करने के लिए नया स्टॉर्म वाटर ड्रेन भी तैयार किया जाएगा, जिसे मास्टर ड्रेनेज नेटवर्क से जोड़ा जाएगा।

जीएमडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री पी. सी. मीणा ने बताया कि नए सर्विस रोड सेक्टर की आंतरिक सड़कों को मुख्य कैरिजवे से जोड़ेंगे। इससे स्थानीय निवासियों और दैनिक आवागमन करने वाले लोगों को बेहतर संपर्क सुविधा मिलेगी तथा मुख्य सड़क पर अनावश्यक यातायात का दबाव भी कम होगा।

उन्होंने कहा कि आसपास के सेक्टरों के वाहनों के लिए अलग सर्विस रोड उपलब्ध होने से मुख्य कैरिजवे पर यातायात अधिक व्यवस्थित रहेगा और पूरे कॉरिडोर में वाहनों की आवाजाही सुरक्षित एवं सुचारु होगी।

नया स्टार्म वाटर ड्रेन भी बनेगा

परियोजना के तहत सर्विस रोड के साथ नया स्टॉर्म वाटर ड्रेन भी बनाया जाएगा। इसे मौजूदा मास्टर ड्रेनेज नेटवर्क से जोड़ने के बाद मानसून के दौरान वर्षा जल की तेज निकासी संभव होगी। इससे सर्विस रोड पर जलभराव नहीं होगा और भारी बारिश के दौरान भी यातायात प्रभावित नहीं होगा। मीणा ने बताया कि 4.62 करोड़ की इस परियोजना को 12 माह में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे सेक्टर-78 और 79 के नियोजित विकास को गति मिलेगी तथा न्यू गुरुग्राम की सड़क एवं ड्रेनेज अवसंरचना और अधिक मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि जीएमडीए आधुनिक, सुरक्षित और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप शहरी आधारभूत ढांचे के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहा है, ताकि नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधा मिल सके और शहर के दीर्घकालिक विकास को गति मिलती रहे।

मानसून प्रबंधन में लापरवाही पर नगर निगम का जेई निलंबित

- पंपिंग मशीनरी उपलब्ध नहीं कराने पर एजेंसी को कारण बताओ नोटिस

हरियाणा मेल, एजेंसी

गुरुग्राम। मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से निपटने में लापरवाही पर नगर निगम गुरुग्राम ने सख्त रुख अपनाया है। सेक्टर-14 एवं सेक्टर-17सी में समय पर पंपसेट तैनात नहीं करने पर बुधवार को कनिष्ठ अभियंता सुमित चहल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। दूसरी ओर पंपिंग मशीनरी उपलब्ध नहीं कराने पर संबंधित एजेंसी द हजारी लाल को-ऑपरेटिव लेबर एंड कंस्ट्रक्शन सोसायटी लिमिटेड को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

नगर निगम द्वारा जारी आदेश के अनुसार 28 जुलाई को हुई भारी वर्षा के दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हुई थी। वर्षा से पूर्व सभी संवेदनशील एवं जलभराव संभावित क्षेत्रों में पंपसेट तैनात रखने तथा त्वरित जलनिकासी सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद सेक्टर-14 एवं सेक्टर-17सी में समय पर पंपसेट तैनात नहीं किए गए, जिससे जलभराव लंबे समय तक बना रहा और आम नागरिकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। मामले को गंभीर लापरवाही मानते हुए हरियाणा सिविल सेवा (दंड एवं अपील) नियम, 2016 के तहत कनिष्ठ अभियंता तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

इसी क्रम में वार्ड-25 में मानसून सीजन के लिए अनुबंधित पंपिंग मशीनरी समय पर उपलब्ध नहीं कराने पर संबंधित एजेंसी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में कहा गया है कि बार-बार मौखिक एवं टेलीफोनिक निर्देश दिए जाने के बावजूद जलभराव वाले चिन्हित स्थानों पर आवश्यक पंपिंग मशीनरी तैनात नहीं की गई। 28 जुलाई की वर्षा के दौरान भी मशीनरी समय पर उपलब्ध न होने के कारण क्षेत्र में जलभराव की स्थिति बनी रही और स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। नगर निगम ने एजेंसी को दो दिन के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने की स्थिति में एजेंसी के विरुद्ध कार्य आदेश समाप्त करने, सुरक्षा राशि जब्त करने, ब्लैकलिस्ट करने तथा अनुबंध की शर्तों के अनुसार अन्य आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

खबरें फटाफट

77वां जिला स्तरीय वन महोत्सव जीडी गोयनका यूनिवर्सिटी, सोहना में 30 जुलाई को

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार के पर्यावरण संरक्षण एवं हरित हरियाणा के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए 77वां जिला स्तरीय वन महोत्सव 30 जुलाई को जीडी गोयनका यूनिवर्सिटी, सोहना में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर व्यापक स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। जिला वन अधिकारी सुरेंद्र दांगी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर सोहना के विधायक तेजपाल तंवर, पटौदी की विधायक बिमला चौधरी, गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा, हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी, हरियाणा डेयरी विकास निगम के चेयरमैन राम अवतार गर्ग, गुरुग्राम की महापौर राजरानी मल्होत्रा, भाजपा के गुरुग्राम जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी एवं गुरुग्राम महानगर जिला अध्यक्ष अजीत यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन एवं वन विभाग की ओर से कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह कार्यक्रम गुरुवार को 12 बजे अपराह्न से शुरू होगा। वन महोत्सव के दौरान विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन तथा हरित आवरण बढ़ाने का संदेश दिया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, सामाजिक संगठनों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों से कार्यक्रम में सहभागिता कर अधिक से अधिक पौधारोपण करने तथा पर्यावरण संरक्षण के इस जन अभियान को सफल बनाने का आान किया है।

गांव मुशेदपुर में 30 जुलाई को जिला प्रशासन का रात्रि ठहराव

गुरुग्राम। जिला प्रशासन गुरुग्राम की ओर से गुरुवार, 30 जुलाई को जिला के फर्रुखनगर ब्लॉक के गांव मुशेदपुर में रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। सीटीएम ज्योति नागपाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि डीसी उत्तम सिंह रात्रि ठहराव के दौरान ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित करेंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के दिशा निर्देशों की अनुपालना जिला प्रशासन की ओर से प्रभावी ढंग से की जा रही है। इसी कड़ी में समाधान शिविर के साथ ही रात्रि ठहराव कार्यक्रम भी निरन्तर किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के दौरान सार्वजनिक व व्यक्तिगत समस्याओं को सुन कर उनका समाधान किया जाएगा। हरियाणा सरकार की जनहितकारी नीतियों की जानकारी देने के लिए विभागीय प्रदर्शनी लगाई जाएगी। रात्रि ठहराव कार्यक्रम में सभी विभागों के प्रमुख अधिकारी मौजूद रहेंगे।

जीयू में गूंजी कारगिल की वीरगाथाएं, युवाओं में जगी देशभक्ति

गुरुग्राम। गुरुग्राम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम के विद्यार्थी कल्याण विभाग एवं जम्मू कश्मीर अध्ययन केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में आज मुख्य सभागार में कारगिल विजय दिवस का भव्य एवं गरिमामय आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर जवानों के अदम्य साहस, बलिदान और राष्ट्रभक्ति को स्मरण करना तथा युवा पीढ़ी में देशप्रेम की भावना को और प्रबल करना था। इस मौके पर विद्यार्थियों ने अपनी मधुर आवाज में देशभक्ति गीतों से सबका मन मोह लिया क कार्यक्रम की प्रस्तावना छात्र कल्याण विभाग के अधिष्ठाता प्रो. राकेश कुमार योगी ने रखी ककार्यक्रम के मुख्य संरक्षक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय कौशिक रहे। मुख्य अतिथि के रूप में मेजर जनरल संजय सी. मेस्टन, एवीएसएम, एसएम, वीएसएम (रिटायर्ड) उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता के रूप में जम्मू कश्मीर अध्ययन केन्द्र के राष्ट्रीय सचिव रंजन चौहान ने अपने विचार रखे। संरक्षक के रूप में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजय अरोड़ा उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कारगिल युद्ध की वीरगाथाओं, शहीदों के बलिदान और भारतीय सशस्त्र बलों की अदम्य वीरता पर प्रकाश डाला। वहीं दूसरी ओर इस अवसर पर गुरुग्राम यूनिवर्सिटी के कुलगुरु प्रोफेसर संजय कौशिक ने कहा कि कारगिल विजय दिवस हमें याद दिलाता है कि राष्ट्र की रक्षा के लिए वीर जवानों ने जो अमूल्य बलिदान दिए, वे हमारी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत हैं। गुरुग्राम विश्वविद्यालय में आज का यह आयोजन छात्रों के हृदय में देशप्रेम की भावना को और गहराई से स्थापित करेगा। मुख्य वक्ता रंजन चौहान ने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार के साथ मिलकर कारगिल विजय दिवस मनाना मेरे लिए गौरव का विषय है। मैं कामना करता हूँ कि हमारे युवा इन वीरों के आदर्शों को अपनाकर राष्ट्र सेवा में सदैव आगे रहें। आगे उन्होंने युद्ध से जुडी महत्वपूर्ण बातों से छात्रों को अवगत करवाया।

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् गायन के बाद होगा राष्ट्रीय गान जन-गण-मन

- वंदे मातरम् व जन-गण-मन के दौरान खड़े होना अनिवार्य, गृह मंत्रालय ने जारी किए निर्देश: डीसी
- डीसी उत्तम सिंह ने जिला में गृह मंत्रालय के आदेशों की अनुपालन सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

हरियाणा मेल ब्यूरो

गुरुग्राम। भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् तथा राष्ट्रीय गान जन-गण-मन के गायन एवं वादन से संबंधित पूर्व में जारी किए गए सभी आदेशों एवं निर्देशों का एकीकरण करते हुए विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों का उद्देश्य राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक सुदृढ़ करना तथा पूरे देश में एक समान व्यवस्था सुनिश्चित करना है। आदेशों के तहत सबसे पहले राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् प्रस्तुत किया जाएगा और उसके तुरंत बाद राष्ट्रगान जन-गण-मन का गायन या वादन किया जाएगा। इस दौरान सभी को अनिवार्य रूप से खड़ा होना होगा।

डीसी उत्तम सिंह ने जानकारी देते हुए जिला में आदेशों की अनुपालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि गृह मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय गीत एवं राष्ट्रगान के गायन और वादन से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों को एक ही दस्तावेज में समाहित किया गया है, ताकि विभिन्न अवसरों पर इनके प्रस्तुतीकरण को लेकर किसी प्रकार की भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो। गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय गीत एवं राष्ट्रगान के अवसर, प्रक्रिया और क्रम का विस्तृत उल्लेख परिशिष्ट-1 तथा परिशिष्ट-2 में किया गया है।

डीसी उत्तम सिंह ने बताया कि गृह मंत्रालय की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी सरकारी, शैक्षणिक, सांस्कृतिक अथवा सार्वजनिक कार्यक्रम में राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान दोनों का गायन या वादन किया जाना हो, तो सबसे पहले राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् प्रस्तुत किया जाएगा और उसके तुरंत बाद राष्ट्रगान जन-गण-मन का गायन या वादन किया जाएगा।

राष्ट्रीय सम्मान बनाए रखने पर विशेष जोर

डीसी ने बताया कि गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता, अखंडता और सम्मान के प्रतीक हैं। इसलिए इनके गायन एवं वादन के दौरान गरिमा, अनुशासन और निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन प्रत्येक नागरिक तथा संस्था का दायित्व है। सभी आयोजकों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि कार्यक्रमों में इनका प्रस्तुतीकरण सम्मानजनक वातावरण में हो तथा उपस्थित सभी व्यक्ति निर्धारित शिष्टाचार का पालन करें।

इस क्रम का पालन सभी आयोजनों में अनिवार्य रूप से किया जाएगा। डीसी ने बताया कि गृह मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन राज्यों में राज्य गीत गाने या बजाने की परंपरा है, वहां भी राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान के निर्धारित क्रम में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

बरसात में सड़कें बनीं जाल, हर कदम पर हादसे का सवाल

हरियाणा मेल ब्यूरो

सोहना। मंगलवार को हुई भारी बारिश ने शहर की सड़कों की हालत और अधिक खराब कर दी। जलभराव तथा लगातार वाहनों के आवागमन से कई सड़कों पर गहरे गड्ढे बन गए हैं। बारिश का पानी भर जाने के कारण वाहन चालकों को इनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे किसी भी समय गंभीर हादसा होने की आशंका बनी हुई है।

पिछले करीब एक महीने से रुक-रुक कर हो रही बारिश के कारण शहर की आधा दर्जन से अधिक सड़कों पर गड्ढे बन चुके थे। मंगलवार की तेज बारिश ने इन्हें और गहरा कर दिया। सड़कों की जर्जर हालत के चलते वाहन चालकों को धीमी गति से और बेहद सावधानी के साथ निकलना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आबादी वाले क्षेत्रों की कई सड़कों के नीचे सीवर लाइन बिछी हुई है। ऐसे में जलभराव के दौरान खुले या क्षतिग्रस्त सीवर चैंबर दिखाई नहीं देते। इससे विशेष रूप से स्कूटी और बाइक सवारों के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा अधिक रहता है।

नगर परिषद सोहना के कार्यकारी अभियंता महेंद्र सिंह ने बताया कि गड्ढों वाली सड़कों का सर्वे कराया जाएगा। जहां अधिक गहरे गड्ढे हैं, उन्हें तत्काल भरवाया जाएगा। बरसात का मौसम समाप्त होने के बाद सड़कों को नए सिरे से बनाने का कार्य शुरू किया जाएगा।

बालूदा मार्ग की हालत सबसे खराब

शहर के बालूदा मार्ग की स्थिति सबसे अधिक खराब बताई जा रही है। करीब दो किलोमीटर लंबे हिस्से में जगह-जगह गहरे गड्ढे बने हुए हैं। आमने-सामने से आने वाले वाहनों को बचाने में चालकों को काफी परेशानी होती है। इसके अलावा चुंगी नंबर एक से फव्वारा चौक जाने वाली सड़क पर पावर हाउस के सामने गहरे गड्ढे बन गए हैं। सांप की नंगली मोड़ पर सड़क के बीचोंबीच गड्ढे हैं। बस स्टैंड मार्ग, फ्रेंड्स कॉलोनी की सड़कें और नागरिक अस्पताल मार्ग भी बदहाल हैं। इन मार्गों से प्रतिदिन गुजरने वाले लोगों को दुर्घटना का भय बना रहता है।

भारी बारिश से ज्वार व बाजरे की फसल को हुआ नुकसान

हरियाणा मेल ब्यूरो

सोहना। मंगलवार को हुई भारी बारिश से किसानों द्वारा बिजाई की हुई ज्वार व बाजरे की फसल नुकसान हुआ है। बारिश के साथ तेज हवा ने ज्वार व बाजरे की फसल को गिरा दिया। जिससे पशुओं का चारा खराब होने और किसान को मिलने वाली फसल पैदावार कम होने की आसार बन गए है।

मंगलवार को इस बार की अब तक की सबसे तेज बारिश हुई। इस बरसात से जनजीवन प्रभावित हुआ। भारी बरसात का असार ज्वार व बाजरे की फसल पर भी पड़ा। किसानों द्वारा समय से पहले बिजाई की गई ज्वार की फसल छह से साढे. छह फुट की उंचाई तक लंबी है। लेकिन बारिश के साथ चली तेज हवाओं ने एक एकड़ जमीन में 30 से 40 फीसदी फसल गिर गई। जमीन पर गिरी फसल से न तो पशु के चारे के मतबल की है और न ही किसान को उससे अनाज प्राप्त होगा। बरसात से किसानों को हुआ नुकसान से काफी झटका दिया है। जिन किसानों ने ज्वार व बाजरे की फसल बिजाई देर से की। उस फसल को किसी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ है। इस बार बरसाती मौसम की शुरूआत में फसलों को हुआ बरसात से नुकसान का असर पशु रखने वाले पर होगा।

> बाजरे की फसल को कम तथा ज्वार की फसल की अधिक उंचाई होने से नुकसान हुआ है। किसान अपने खेत में बरसाती पानी जमा न होने दे। जहा पर पानी जमा होता है। वहा फसल की जड़े कमजोर होती है। इसलिए फसल को सुरक्षित रखने के लिए जलभराव वाले हालातों को समाप्त करे।
>
> -अनिल कुमार, क्षेत्रीय अधिकारी कृषि विभाग सोहना

हरियाणा टेबल टेनिस एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी निर्वाचित, दुष्यंत बने अध्यक्ष

हरियाणा मेल ब्यूरो

गुरुग्राम। हरियाणा टेबल टेनिस एसोसिएशन की वार्षिक आम सभा एवं वर्ष 2026-2030 के लिए नई कार्यकारिणी के चुनाव बुधवार को बेस्ट वेस्टर्न स्काई सिटी होटल, सेक्टर-15, गुरुग्राम में शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुए।

चुनाव प्रक्रिया रिटर्निंग ऑफिसर मती नेहा गख्खड़ के निर्देशन में सम्पन्न हुई। इस दौरान टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया के पर्यवेक्षक चेतन गुरुंग तथा हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के पर्यवेक्षक रविंद्र पन्नू की मौजूदगी में संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराई गई। चुनाव परिणामों के अनुसार दुष्यंत चौटाला अध्यक्ष, एम. पी. सिंह महासचिव तथा विकास सैनी कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। नई कार्यकारिणी में सुनील छाबड़ा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कल्याण सिंह, पवन सप्रा एवं मती कविता झांगू उपाध्यक्ष चुने गए। वहीं विरेंद्र राणा, गणेश आहूजा, अजमेर सिंह तथा मती अनुराधा वास्तव संयुक्त सचिव निर्वाचित हुए। स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ आउटस्टैंडिंग मेरिट श्रेणी से दीपक मलिक एवं मती सुमन कार्यकारिणी सदस्य निर्वाचित हुए। नवनिर्वाचित अध्यक्ष दुष्यंत चौटाला ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नई कार्यकारिणी हरियाणा में टेबल टेनिस के विकास, खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने, नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा की पहचान को और मजबूत बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी। महासचिव एम. पी. सिंह ने कहा कि आने वाले कार्यकाल में खिलाड़ियों के हित सर्वोच्च प्राथमिकता होंगे तथा राज्यभर में प्रतियोगिताओं के स्तर को और बेहतर बनाने, प्रशिक्षकों एवं तकनीकी अधिकारियों के विकास तथा खेल के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में विशेष प्रयास किए जाएंगे।

द्वारका एक्सप्रेसवे पर स्टंट करना पड़ा महंगा, कार समेत युवक काबू

हरियाणा मेल, एजेंसी

गुरुग्राम। द्वारका एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार में कार चलाकर खतरनाक स्टंट करने वाले युवक को गुरुग्राम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से स्टंट में इस्तेमाल की गई कार भी बरामद की है। आरोपी की पहचान 24 वर्षीय प्रणव मनचंदा के रूप में हुई है। वह गुरुग्राम के सेक्टर-54 स्थित द पाम स्प्रिंग का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार आरोपी द्वारका एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार और लापरवाही से कार चलाते हुए स्टंट कर रहा था। इस दौरान बनाए गए वीडियो को सोशल मीडिया पर अपलोड किया गया, जो तेजी से वायरल हो गया। वीडियो पुलिस के संज्ञान में आने के बाद उसकी जांच की गई। प्रारंभिक जांच में वाहन चालक द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने और सार्वजनिक मार्ग पर अन्य वाहन चालकों की सुरक्षा को खतरे में डालने की बात सामने आई।

लोकल से ग्लोबल की सोच को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं: राजरानी मल्होत्रा

- अंतरराष्ट्रीय एसडीजी कॉन्क्लेव कॉन्फेरेंसिया-2026 का मेयर राजरानी मल्होत्रा ने किया शुभारंभ
- 44 से अधिक विद्यालयों के 600 विद्यार्थियों ने लिया भाग

हरियाणा मेल, एजेंसी

गुरुग्राम। डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-49 में बुधवार को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सतत विकास लक्ष्य कॉन्क्लेव कॉन्फेरेंसिया-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों की थीम पर आयोजित इस प्रतिष्ठित कॉन्क्लेव में 44 से अधिक विद्यालयों के लगभग 600 विद्यार्थियों एवं प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैश्विक चुनौतियों के प्रति जागरुकता, नेतृत्व क्षमता, नीति निर्माण की समझ तथा जिम्मेदार नागरिकता की भावना विकसित करना रहा।

कार्यक्रम में गुरुग्राम की मेयर राजरानी मल्होत्रा, डीएवी कॉलेज मैनेजिंग कमेटी के उपाध्यक्ष अनिल कुमार राव तथा नगर निगम गुरुग्राम की संयुक्त आयुक्त सपना यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं, नगर निगम गुरुग्राम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर कुलदीप हिन्दुस्तानी तथा बुलंद आवाज वेलफेयर सोसाइटी की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा प्रिंका यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर अनेक शिक्षाविद्, संस्थागत प्रमुख एवं गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में मेयर राजरानी मल्होत्रा ने विद्यार्थियों को समाज एवं राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के युवा केवल भविष्य के नागरिक नहीं, बल्कि वर्तमान के परिवर्तनकर्ता हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से लोकल से ग्लोबल की सोच अपनाने, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, जल संरक्षण और नागरिक उत्तरदायित्व को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का आान किया। उन्होंने कहा कि नगर निगम गुरुग्राम द्वारा चलाए जा रहे जनहित एवं स्वच्छता अभियानों में युवाओं की भागीदारी शहर के सतत विकास को नई दिशा दे सकती है।

संयुक्त आयुक्त सपना यादव ने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में युवाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यालय द्वारा आयोजित इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में नेतृत्व, संवाद, नीति निर्माण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से नगर निगम के स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरूकता अभियानों में बढ़-चढकर भाग लेने का आान किया। इस दौरान प्रतिभागियों ने नेतृत्व क्षमता, तार्किक सोच, संवाद कौशल और टीमवर्क का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या चारु मैनी ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि कॉन्फेरेंसिया-2026 जैसे आयोजन विद्यार्थियों को वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करने, नेतृत्व कौशल को निखारने तथा जिम्मेदार एवं संवेदनशील नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं।

नमो भारत आरआरटीएस बहरोड तक जाएगी: राव इंद्रजीत

- बावल से आगे बहरोड तक की मंजूरी के बाद राजस्थान को भी मिलेगा इसका फायदा

हरियाणा मेल ब्यूरो

गुरुग्राम। हरियाणा के साथ राजस्थान के लोगों के लिए एक बार फिर खुशी की लहर है की नमो भारत आरआरटीएस कॉरिडोर को बहरोड तक मंजूर करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। गुरुग्राम सांसद व केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि केंद्रीय शहरी विकास एवं हाउसिंग मंत्रालय की ओर से सराय कालेखां से गुरुग्राम -बावल नमो भारत आरआरटीएस कॉरिडोर को बावल से आगे बहरोड तक बढ़ाने के लिए केंद्रीय वित्त विभाग को पत्र लिखकर इसकी मंजूरी देने को कहा है। राव ने कहा कि नमो भारत आरआरटीएस कॉरिडोर को वर्षों पूर्व प्रथम पेज के निर्माण में नीमराणा बहरोड तक मंजूर किया गया था लेकिन इसे बाद में कभी धारूहेड़ा तक और कभी बावल तक सीमित करके छोड़ दिया गया। धारूहेड़ा व बावल तक सीमित करने के कारण अनेक सामाजिक संगठनो व राजस्थान के लोगों की जन आवाज इस योजना को पूर्व की तरह बहरोड तक करने की उठ रही थी। राव इंद्रजीत ने कहा कि बहरोड तक एक्सटेंशन की फाइल फाइनेंस मंजूरी के लिए इस माह जुलाई में भेजी गई है।

तहसील पहुंचा वकीलों की हड़ताल का असर

कामकाज छोड़ हड़ताल का हिस्सा बन तहसील में बैठे वकील

सुरेन्द्र इंदौरा, हरियाणा मेल

रेवाड़ी। एसडीएम के तबादले की मांग को लेकर पिछले कई दिनों से आंदोलनरत वकीलों ने तहसील परिसर में बैठने वाले वकीलों से समर्थन मांगा। वकीलों ने भी उनकी मांगों को जायज ठहराते हुए बिना एक पल की देरी किए अपने समर्थन की घोषणा करते हुए कामकाज ठप्प कर दिया। यह घोषणा होते ही वकीलों ने अपना सामान समेट लिया और हड़ताल का हिस्सा बन गए। वकील तहसील परिसर में डीड राइटिंग का काम करते हैं। इस हड़ताल से जहां राजस्व पर असर पड़ा, वहीं अपने काम को लेकर तहसील में आने वाले लोगों को भी परेशानी उठानी पड़ी। उनके काम नहीं हुए, इसलिए उन्हें बैरंग लौटना पड़ा। तहसील सूत्रों की मानें तो हड़ताल का ज्यादा असर नहीं दिखा, वकीलों के साथ ही यहां अरजी नवीस का काम करने वालों के कारण करीब 25 रजिस्ट्री हुई।

गौरतलब है कि कोर्ट में बैठे वकील एसडीएम के तबादले की मांग को लेकर पिछले कई दिनों से आंदोलनरत है। वकीलों ने काम छोड़ हड़ताल की हुई है। हालांकि पिछले दिनों प्रशासन अथवा सरकार के आदेश पर एसडीएम को छुट्टी पर भेज दिया गया है, लेकिन वकील उनके तबादले की मांग पर अड़े हुए हैं।

जानकारी के अनुसार अपने आंदोलन को और मजबूती देने के उद्देश्य से वकील आज तहसील कार्यालय पहुंचे और यहां डीड राइटिंग का काम करने वाले वकीलों का समर्थन मांगा। वकीलों ने भी उनका साथ देते हुए कामकाज छोड़कर हड़ताल कर दी। आज की हड़ताल के कारण रोजाना की तरह ज्यादा रजिस्ट्री नहीं हो पाई, जिससे सरकार को राजस्व की कुछ हानि का भी समाचार है। हड़ताल के कारण अपने काम के लिए तहसील में आने वाले लोगों को भी काम नहीं होने से परेशानी झेलनी पड़ी। सुंदर लाल नामक एक युवक ने बताया कि उसे एक हल्फनामा टाईप कराना था, लेकिन वह भी नहीं हो पाया। इधर एक तहसील अधिकारी ने बताया कि आज करीब 25 रजिस्ट्री हुई है। उन्होंने बताया कि वकीलों को आइडेंटीफिकेशन करनी होती है, जो उन्होंने नहीं की। तहसील में वकीलों के अलावा अन्य अरजी नवीस बैठे हैं, जिन्होंने काम किया है।

बावल से बहरोड़ तक बढ़ेगा नमो भारत कॉरिडोर

हरियाणा मेल, एजेंसी

रेवाड़ी। दिल्ली के सराय कालेखां से गुरुग्राम-बावल तक प्रस्तावित नमो भारत (आरआरटीएस) कॉरिडोर को अब पहले चरण में ही राजस्थान के बहरोड़ तक विस्तारित किया जाएगा। केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने बुधवार को बताया कि उन्होंने इस संबंध में केंद्रीय वित्त विभाग को पत्र लिखकर परियोजना को मंजूरी देने का अनुरोध किया था, जिसके बाद कॉरिडोर को बावल से आगे बहरोड़ तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

राव इंद्रजीत सिंह ने बताया कि बावल से बहरोड़ तक करीब 36 किलोमीटर लंबे इस नए हिस्से में चार स्टेशन बनाए जाएंगे। इस मार्ग पर यात्रा करने वाले यात्रियों को महज 24 मिनट में यह दूरी तय करने की सुविधा मिलेगी। प्रस्तावित विस्तार में 11 किलोमीटर हिस्सा हरियाणा और 25 किलोमीटर हिस्सा राजस्थान में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आरआरटीएस परियोजना के प्रारंभिक प्रस्ताव में कॉरिडोर को नीमराणा-बहरोड़ तक ले जाने की योजना थी, लेकिन बाद में इसे कभी धारूहेड़ा तो कभी बावल तक सीमित कर दिया गया।

इसके बाद सामाजिक संगठनों और राजस्थान के लोगों की ओर से लगातार मांग उठाई जा रही थी कि परियोजना को अपने मूल स्वरूप के अनुसार बहरोड़ तक बढ़ाया जाए। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि हाल ही में आयोजित एनसीआर प्लानिंग बोर्ड की बैठक में दिल्ली के सराय कालेखां से बावल तक बन रहे नमो भारत कॉरिडोर को बहरोड़ तक विस्तारित करने के प्रस्ताव पर विस्तार से विचार किया गया।

सीएम विंडो के नए आदेश के विरोध में संगठनों ने सौंपा ज्ञापन

हरियाणा मेल, एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत में मुख्यमंत्री विंडो से संबंधित नए प्रशासनिक आदेश के विरोध में बुधवार को रक्षक सेना भारत और विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी लघु सचिवालय पहुंचे। प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर उस आदेश को तत्काल वापस लेने की मांग की, जिसके तहत वर्षों से लंबित शिकायतों को केवल एमिनेंट सदस्य के हस्ताक्षर के आधार पर बंद करने की व्यवस्था की गई है।

संगठनों का कहना है कि शिकायतों का वास्तविक समाधान किए बिना उन्हें बंद करना जनहित के खिलाफ है। इससे आम लोगों का प्रशासन और न्याय व्यवस्था पर भरोसा कमजोर होगा। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि आदेश वापस नहीं लिया गया तो यह मामला राज्य सरकार और संबंधित मंत्रियों के समक्ष भी प्रमुखता से उठाया जाएगा। रक्षक सेना भारत के प्रमुख मनजीत तिहाड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री विंडो आम नागरिकों को न्याय दिलाने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

उन्होंने कहा कि एमिनेंट सदस्य की जिम्मेदारी केवल हस्ताक्षर करना नहीं, बल्कि शिकायतों के निष्पक्ष और प्रभावी समाधान को सुनिश्चित करना है। यदि बिना जमीनी स्तर पर समस्या का समाधान किए शिकायतें बंद की जाती हैं तो इससे जनता का विश्वास प्रभावित होगा और इस व्यवस्था के उद्देश्य पर भी सवाल उठेंगे। ज्ञापन में कहा गया कि नए आदेश से लापरवाह अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही कम हो जाएगी। संगठन का आरोप है कि वर्षों से लंबित मामलों में जिम्मेदार अधिकारियों को संरक्षण मिलने की आशंका है, जिससे मुख्यमंत्री विंडो की विश्वसनीयता प्रभावित होगी। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि विवादित आदेश तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए। साथ ही मुख्यमंत्री विंडो पर लंबित सभी शिकायतों की जांच के लिए स्वतंत्र समीक्षा समिति गठित की जाए। संगठन ने यह भी मांग रखी कि जिन अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही के कारण शिकायतें लंबे समय तक लंबित रहीं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा पैदा न हो।

खबरें फटाफट

युवक ने वीडियो में दो महिलाओं समेत चार को जिम्मेदार बता की आत्महत्या

कैथल। जिले में आत्महत्या से जुड़ा एक ऐसा मामला सामने आया जिसने कई सवाल खड़े कर दिए। ढांड क्षेत्र के 43 वर्षीय एक व्यक्ति ने जहरीला पदार्थ निगल कर आत्महत्या कर ली। इससे पहले उसने चलती कार में अपना वीडियो बनाया और उसमें दो महिलाओं सहित चार लोगों को अपनी मौत का जिम्मेदार बताया। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद परिजनों में हड़कंप मच गया। जब तक उसकी तलाश की गई, तब तक वह घर में मृत मिला। इस घटना के करीब पांच घंटे बाद वीडियो में नामजद एक महिला ने भी कथित रूप से जहरीला पदार्थ खा लिया, जिसकी अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने मृतक की पत्नी की शिकायत पर दो महिलाओं और दो पुरुषों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जबकि महिला की मौत के मामले में फिलहाल इत्तेफाकिया मौत की कार्रवाई की गई है। उसके परिजनों की ओर से अभी कोई शिकायत नहीं दी गई है। मृतक की पहचान ढांड निवासी दिलबाग (43) के रूप में हुई है। सुसाइड से पहले उसने कार में बैठकर एक वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें उसने कहा कि उसकी मौत के लिए कालू कालो, रानी नैन, सीमा और कृष्ण जिम्मेदार हैं। वीडियो में उसने यह भी कहा कि कालू से उसके पैसे लेने हैं और संबंधित लोगों को बख्शा न जाए।वीडियो सामने आने के बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। कुछ देर बाद उसका शव घर में मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतक की पत्नी सुमन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका पति ड्राइवरी का काम करता था। गांव के ही काला और कृष्ण के साथ उसका पैसों का लेन-देन था। उसके अनुसार दिलबाग ने काला को चार लाख रुपये और कृष्ण को तीन लाख रुपये दिए थे, लेकिन तय समय बीतने के बाद भी दोनों ने रकम वापस नहीं की। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि जब दिलबाग अपने पैसे मांगने लगा तो आरोपियों ने उसे रेप जैसे गंभीर मामले में फंसाने की धमकी दी। सुमन का कहना है कि बाद में कियोडक निवासी सीमा और रानी को भी इस विवाद में शामिल कर उसके पति पर दबाव बनाया गया।

फर्जी नंबर प्लेट लगी थार समेत युवक काबू, अवैध हथियार व 13 मोबाइल फोन बरामद

नूंह। जिले की फिरोजपुर झिरका सदर थाना पुलिस ने फर्जी नंबर प्लेट लगी थार गाड़ी से अवैध देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस और 13 संदिग्ध मोबाइल फोन बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है। नूंह पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि एक टीम 28 जुलाई को बीवा रोड क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि ताज मोहम्मद निवासी गांव जैताका थाना नगीना जिला नूंह, समीम निवासी जैताका तथा उसके अन्य साथी एक थार गाड़ी में फर्जी नंबर प्लेट लगाकर घूम रहे हैं और अवैध देशी कट्टे के बल पर राहगीरों से मोबाइल फोन एवं नकदी लूटने की वारदातों को अंजाम देते हैं। उक्त लोग राजस्थान के राजगढ़ क्षेत्र की ओर से दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर लूटपाट करने के बाद गांव बघोला स्थित रेस्ट एरिया में मौजूद हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तत्काल बताए गए स्थान पर छापेमारी की। वहां एक थार गाड़ी के पास चार-पांच युवक खड़े दिखाई दिए। पुलिस को देखकर सभी युवक भागने लगे, जिनमें से चार फरार हो गए, जबकि पुलिस ने एक युवक को पकड़ लिया। पूछताछ में उसकी पहचान ताज मोहम्मद निवासी जैताका थाना नगीना जिला नूंह के रूप में हुई।

धम्म चक्कपवत्तन दिवस पर बुद्ध के संदेश को अपनाने का किया आह्वान

हरियाणा मेल ब्यूरो

रेवाड़ी। बौद्ध धम्म के अनुयायियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े प्रबुद्ध नागरिकों द्वारा आज स्थानीय बाबा ध्यान दास की बगीची में धम्म चक्कपवत्तन दिवस श्रद्धा, उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य तथागत बुद्ध के प्रथम उपदेश, धम्म के मूल सिद्धांतों तथा समता, करुणा और मानव कल्याण के संदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार करना था।

कार्यक्रम के संयोजक महावीर प्रसाद, दिनेश कुमार बौद्ध एवं नानक चंद थे। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान तथागत बुद्ध एवं भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमाओं के समक्ष ज्ञान रूपी प्रकाश की प्रतीक मोमबत्तियां प्रज्वलित कर तथा पुष्प अर्पित करके किया गया। राजेश बौद्ध ने श्रद्धापूर्वक बुद्ध वंदना प्रस्तुत की।

महावीर प्रसाद ने निर्माणाधीन आनन्द बुद्ध विहार के उद्देश्य, भावी स्वरूप एवं आगामी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि यह बुद्ध विहार केवल पूजा-अर्चना का स्थान नहीं होगा, बल्कि धम्म अध्ययन, ध्यान, पुस्तकालय, सामाजिक सेवा, नैतिक शिक्षा तथा युवा मार्गदर्शन का एक समर्पित केंद्र विकसित किया जाएगा, जहां भगवान बुद्ध एवं डॉ. भीमराव आंबेडकर के मानवीय एवं संवैधानिक मूल्यों का प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

इस अवसर पर सेवास्तंभ के जिला प्रधान भगत सिंह बौद्ध, माता रमाबाई सामाजिक उत्थान संस्था के प्रधान बुद्ध राम पंवार, मानव कष्ट निवारण समिति के प्रधान श्योकरण मेहरा, जाटव सभा के हरिकिशन, पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी राज कुमार 'जलवा', ईश्वर सिंह सुठाणी, राम निवास नाहरवाल, प्रताप सिंह, नरेंद्र बौद्ध, मुरारी लाल सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित थे।

बिजली निजीकरण के विरोध में कर्मचारियों का मार्च, हड़ताल की दी चेतावनी

हरियाणा मेल, एजेंसी

रेवाड़ी। हरियाणा में बिजली विभाग के निजीकरण के विरोध में बुधवार को रेवाड़ी के बिजली कर्मचारियों और अधिकारियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने झज्जर रोड स्थित विद्युत सदन से सचिवालय तक पैदल मार्च निकालकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और चेतावनी दी कि बिजली निगम को किसी भी कीमत पर निजी कंपनियों के हवाले नहीं होने दिया जाएगा। सुबह बड़ी संख्या में कर्मचारी और अधिकारी विद्युत सदन परिसर में एकत्रित हुए। इसके बाद वे शहर के मुख्य बाजार से होते हुए पैदल सचिवालय पहुंचे। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने निजीकरण के विरोध में तख्तियां लेकर नारे लगाए और सरकार से अपना फैसला वापस लेने की मांग की। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि प्रदेश सरकार पूंजीपतियों के हितों को ध्यान में रखकर काम कर रही है। उनका आरोप था कि कभी स्मार्ट मीटर लगाने और कभी अन्य योजनाओं का हवाला देकर बिजली निगम को एग्रो डिस्कॉम जैसी मुखौटा कंपनियों के माध्यम से निजी हाथों में सौंपने की तैयारी की जा रही है।

बिजली कर्मियों ने किया तीन दिवसीय हड़ताल का ऐलान

हरियाणा मेल, एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत में हरियाणा बिजली कर्मचारी एवं अभियंता संयुक्त संघर्ष मोर्चा के बैनर तले बुधवार को बिजली कर्मचारियों और अभियंताओं ने निजीकरण की नीतियों के विरोध में प्रदर्शन किया।

कर्मचारी शहर के विभिन्न स्थानों से पैदल मार्च करते हुए लघु सचिवालय पहुंचे, जहां सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारे लगाए। इसके बाद मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त के माध्यम से ज्ञापन सौंपकर ग्यारह, बारह और तेरह अगस्त को प्रदेशव्यापी तीन दिवसीय हड़ताल का नोटिस दिया।

संयुक्त संघर्ष मोर्चा के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि उनकी मांगों पर समय रहते सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उनका कहना था कि बिजली बोर्ड के निगमों के पुनर्गठन के समय सुधार और लाभ का दावा किया गया था, लेकिन विभाग का घाटा कम होने के बजाय लगातार बढ़ा है। कर्मचारियों ने हरियाणा एग्री डिस्कॉम बनाने की प्रस्तावित योजना, गुरुग्राम और नूंह में निजी बिजली वितरण लाइसेंस तथा स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया को तत्काल रद्द करने की मांग की। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि एग्री डिस्कॉम गठन की अधिसूचना जारी की गई तो यही ज्ञापन अनिश्चितकालीन हड़ताल का अग्रिम नोटिस माना जाएगा।

अवैध खनन पर सख्ती, 238 वाहन जब्त, 60 मामलों में एफआईआर दर्ज

हरियाणा मेल, एजेंसी

नारनौल। जिले में अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन पर प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बुधवार को आयोजित बैठक में खनन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अब तक अवैध खनन और परिवहन में संलिप्त 238 वाहनों को जब्त किया जा चुका है, जबकि 60 मामलों में एफआईआर दर्ज कराई गई हैं।

प्रशासन लगातार अभियान चलाकर अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने में जुटा है। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि आंतरी, बिहारीपुर, जैनपुर, बायल, पांचनोता, गढ़ी, बसीरपुर और घाटासेर गांवों में अवैध खनन के लिए इस्तेमाल किए जा रहे रास्तों को जेसीबी मशीनों की सहायता से खाइयां खोदकर बंद कराया गया है।

हाल ही में पांचनोता गांव में अवैध खनन में लगी एक जेसीबी मशीन भी जब्त की गई है। इसके अलावा बापड़ोली गांव के नदी क्षेत्र में साधारण रेत के अवैध उत्खनन का मामला सामने आने पर संबंधित पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराने के लिए शिकायत भेजी गई है।

एनजीटी ने हरियाणा सरकार को जारी किया नोटिस

हरियाणा मेल, एजेंसी

कैथल। खुराना गांव स्थित लैंडफिल साइट पर कथित पर्यावरणीय मानकों के उल्लंघन और ठोस कचरा प्रबंधन में अनियमितताओं के मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की प्रधान पीठ ने हरियाणा सरकार और संबंधित विभागों से जवाब तलब किया है। मामले की अगली सुनवाई 16 सितंबर 2026 को होगी।

गांव खुराना के निवासियों की ओर से दायर आवेदन पर 22 जुलाई को सुनवाई करते हुए एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य डॉ. अफरोज अहमद की पीठ ने मामले को गंभीर मानते हुए प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए।

अधिकरण ने कहा कि याचिका में पर्यावरणीय मानदंडों के अनुपालन से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया गया है। सुनवाई के दौरान प्रतिवादी पक्ष के अधिवक्ताओं ने जवाब दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय मांगा, जिसे स्वीकार करते हुए अधिकरण ने आवेदक को तीन दिन के भीतर याचिका की प्रति उपलब्ध कराने और एक प्रतिवादी पर विधिवत तामील कराने के निर्देश दिए।

इस आदेश के बाद खुराना गांव के लोगों में उम्मीद जगी है कि लंबे समय से उठाए जा रहे पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर अब ठोस कार्रवाई होगी। ग्रामीणों का कहना है कि लैंडफिल साइट के कारण क्षेत्र में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है और इससे लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ग्रामीणों ने इस कानूनी लड़ाई में राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला और विधायक आदित्य सुरजेवाला के सहयोग को महत्वपूर्ण बताया।

राशन गबन के आरोप में डिपो होल्डर पर एफआईआर के आदेश

हरियाणा मेल, एजेंसी

कैथल। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण, पशुपालन एवं डेयरी तथा मत्स्य पालन मंत्री श्याम सिंह राणा ने बुधवार को जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में अधिकारियों की कार्यशैली पर नजर रखते हुए कई अहम मामलों में सख्त रुख अपनाया। आरकेएसडी कॉलेज सभागार में आयोजित बैठक में उन्होंने राशन गबन के एक मामले में डिपो संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए, जबकि सेक्टर-19 पार्ट-1 में तीन दशक से ग्रीन बेल्ट विकसित न किए जाने की शिकायत की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित कर दी।

बैठक में कुल 12 शिकायतों पर सुनवाई हुई, जिनमें सात मामलों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया, जबकि पांच शिकायतों को जांच एवं रिपोर्ट के लिए अगली बैठक तक लंबित रखा गया। मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आमजन की शिकायतों का समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से समाधान सुनिश्चित किया जाए। बैठक के दौरान गांव हरिपुरा के ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि राशन डिपो संचालक ने 80 से 90 परिवारों का कई महीनों का राशन हड़प लिया। जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर मंत्री ने मामले को गंभीर मानते हुए संबंधित डिपो होल्डर के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए और शिकायत का निपटारा कर दिया।

वहीं सेक्टर-19 पार्ट-1 के निवासियों ने आरोप लगाया कि एचएसवीपी ने पार्क और ग्रीन बेल्ट विकसित करने का वादा करने के बावजूद पिछले 30 वर्षों से इस दिशा में कोई काम नहीं किया। शिकायतकर्ताओं का कहना था कि प्लॉट आवंटन के समय पार्क के नाम पर उनसे अतिरिक्त राशि भी ली गई थी।

रोड़ पर निर्माण कार्य के दौरान साइन बोर्ड लगवाएं

सड़क सुरक्षा समिति एवं सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी की समीक्षा बैठक में बोले डीसी

हरियाणा मेल ब्यूरो

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि जिले में किसी भी रोड़ पर निर्माण या मरम्मत का कार्य के दौरान संबंधित विभाग या एजेंसी साइन बोर्ड लगाना सुनिश्ति करें। बिना साइन बोर्ड के दुर्घटना होने की संभावना बहुत बढ़ जाती है। ऐसे में कोई भी विभाग या एजेंसी लापरवाही नहीं बरते। डीसी अभिषेक मीणा ने बुधवार को लघु सचिवालय के सभागार में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

डीसी ने एनएच-8 पर जयसिंहपुरा से धारूहेड़ा तक ग्रिल लगवाने के निर्देश देते हुए कहा कि रोड़ पर सुरक्षा की दृष्टि से ग्रिल लगवाने के साथ-साथ अवैध कट भी पूरी तरह से बंद किए जाएं। इसके साथ-साथ उन्होंने बनीपुर चौक पर चल रहे निर्माण कार्य में तेजी लाने और रोड़ पर जमा हो रहे पानी की निकासी के उचित प्रबंध करने के संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए। डीसी ने नारनौल बाईपास सहित अन्य रोड़ पर लाइट, नालों की सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा उन्होंने हाईवे पर अवैध रूप से खड़े ट्रकों व अन्य वाहनों पर निरंतर कार्रवाई अमल में लाने के भी आदेश दिए। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा है कि जिले में सड़कों को वाहन चालकों के लिए सुरक्षित बनाया जाए। इसके लिए समय-समय पर सड़कों पर डिवाइडर, गति अवरोधक, सफेद पट्टी, साइन बोर्ड, स्ट्रीट लाईट, आवश्यकता अनुसार ग्रिल लगाए जाने की प्रक्रिया जारी रहनी चाहिए। ट्रैफिक पुलिस, लोक निर्माण विभाग , नगर परिषद, एचएसवीपी, एचएसआरडीसी, मार्केटिंग बोर्ड, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण आदि विभाग सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के प्रति संवेदनशील रूख अपनाएं।

डीसी ने सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी के तहत स्कूलों के वाहनों की निरंतर जांच करने के निर्देश देते हुए कहा कि नियमों की अवहेलना करने वालों पर सख्त कार्रवाई करे। उन्होंने सड़क नियमों की पालना नहीं करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ भी जुर्माना के साथ-साथ नियमानुसार वाहन जब्त करने की कार्रवाई भी करने के निर्देश दिए।

बैठक में एडीसी राहुल मोदी, एसडीएम बावल संजीव कुमार, एसडीएम कोसली विजय यादव, सीटीएम जितेंद्र कुमार व डीएसपी संजीव बल्हारा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

जॉर्जिया में होने वाली अंतरराष्ट्रीय वुशु चैंपियनशिप के लिए नितेश रवाना

हरियाणा मेल, एजेंसी

सोनीपत। प्रताप सिंह मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, खरखौदा के वुशु खिलाड़ी गांव माहरा निवासी नितेश 90 किलोग्राम वर्ग में 31 जुलाई से 4 अगस्त तक जॉर्जिया में आयोजित होने वाली अंतरराष्ट्रीय वुशु चैंपियनशिप के लिए बुधवार को रवाना हुआ। इस प्रतियोगिता के लिए ट्रायल देहरादून में आयोजित किए गए, जिसमें नितेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल कर भारतीय टीम में जगह बनाई। नितेश के चयन पर विद्यालय में खुशी का माहौल है।

विद्यालय प्रधानाचार्या दया दहिया, एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया, वुशु कोच विनोद गुलिया तथा साई खेलो इंडिया के कोच दिवस कटारिया ने नितेश को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभाशीष दिया।

इस अवसर पर एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया ने कहा कि नितेश पहले भी राष्ट्रीय स्तर पर छह पदक जीत चुके हैं और उन्हें विश्वास है कि वह जॉर्जिया में भी भारत के लिए पदक जीतकर देश का नाम रोशन करेंगे।

नितेश ने वुशु कोच विनोद गुलिया, एसएआई खेलो इंडिया सेंटर के कोच दिवस कटारिया तथा अपने माता-पिता को दिया। उत्कृष्ट प्रशिक्षण, अनुशासन और निरंतर प्रोत्साहन की बदौलत ही वह भारतीय टीम में चयनित हो सके हैं।

हरियाणा बिजली कर्मचारी एवं इंजीनियर संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने किया विरोध प्रदर्शन

उदय चंद माथुर, हरियाणा मेल

हथीन। नूंह व गुरुग्राम में वितरण के लिए समानांतर लाइसेंस को रद्द करने,एग्री डिस्कॉम,समार्ट मीटर लगाने के विरोध में बुधवार को पलवल सर्कल के समक्ष हरियाणा बिजली कर्मचारी एवं इंजीनियर संयुक्त संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर प्रदर्शन की अध्यक्षता ऑल हरियाणा पॉवर कारपोरेशन वर्कर यूनियन सर्कल सचिव राजेश शर्मा , हरियाणा बिजली बोर्ड वर्कर यूनियन सर्कल सचिव और हरियाणा पॉवर इंजीनियर एसोसिएशन कुलदीप यादव एक्सएन ने सयुक्त रूप से की संचालन समून ख़ान के द्वारा किया गया ।प्रदर्शन के बाद अधीक्षक अभियंता कार्यालय से उपायुक्त पलवल के कार्यालय तक पैदल मार्च करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री हरियाणा सरकार के नाम ज्ञापन अतिरिक्त उपायुक्त महोदय श्री उत्सव आनंद के मार्फ़त दिया गया ।कर्मचारियों को संबोधित करते हुए आल हरियाणा पावर कॉर्पोरेशन वर्कर्स यूनियन के राज्य उपप्रधान जितेन्द्र तेवतिया ,कार्यकारी अभियंता कुलदीप यादव ,राकेश बनचारी ने कहा कि हरियाणा सरकार बिजली में समानांतर वितरण लाइसेंस स्मार्ट मीटर एग्री डिस्कॉम के फैसलों को तत्काल निरस्त करने की मांग करता है ज्ञापन में आयोग द्वारा गठित तथाकथित विशेषज्ञ समिति को भी तत्काल भंग करने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि यह समिति मनमाने एवं असंवैधानिक तरीके से गठित की गई है तथा इस महत्वपूर्ण सार्वजनिक मामले में निष्पक्ष निर्णय लेने की आवश्यक विश्वसनीयता और निष्पक्षता से वंचित है। उल्लेखनीय है कि इलेवन पावर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने नूंह व गुरुग्राम में बिजली वितरण का लाईसेंस देने की याचिका हरियाणा पावर रेगुलेटरी कमीशन दायर की है। जिसका बिजली कर्मचारियों व इंजीनियर्स के अलावा संयुक्त किसान मोर्चा के नेता डॉक्टर रघुबीर सिंह ने भी किसानों तरफ़ से अपना आंदोलन में समर्थन किया गया ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशनज वर्कर यूनियन के

उप प्रधान जितेन्द्र तेवतिया ने कहा कि निजी कंपनियों को समानांतर वितरण लाइसेंस दिए जाने से सार्वजनिक विद्युत वितरण व्यवस्था कमजोर होगी, आम उपभोक्ताओं पर बिजली दरों का बोझ बढ़ेगा, क्रॉस-सब्सिडी व्यवस्था समाप्त होगी तथा अंततः बिजली क्षेत्र ने कहा कि यदि निजी कंपनियों को सार्वजनिक वितरण नेटवर्क का उपयोग करते हुए केवल लाभकारी उपभोक्ताओं को चुनने की अनुमति दी गई तो इससे राज्य के सार्वजनिक वितरण निगम आर्थिक रूप से कमजोर हो जाएंगे और किसानों, घरेलू उपभोक्ताओं तथा छोटे व्यावसायिक उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बिजली एक अनिवार्य सार्वजनिक सेवा है, इसे निजी लाभ कमाने का माध्यम नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने दोहराया कि विद्युत अधिनियम किसी भी उपभोक्ता के साथ भेदभाव की अनुमति नहीं देता तथा सार्वजनिक वितरण नेटवर्क पर एकाधिक वितरण लाइसेंसधारियों की व्यवस्था सार्वभौमिक एवं समान विद्युत आपूर्ति के सिद्धांतों के विपरीत है ।इसके अलावा बिजली कर्मचारियों की पंद्रह सूत्रीय मांग पत्र में शामिल मुख्य माँग जिसमे कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, मेडिकल सुविधा लागू करने, पुरानी पेंशन लागू करने, रिस्क अलाउंस देने की माँगो का समाधान किया जाए ।रैली में पावर इंजीनियरों, बिजली कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और चेतावनी दी कि यदि जनहित की इन मांगों की अनदेखी की गई तो आंदोलन की अगली कड़ी में 3अगस्त से 5 अगस्त तक सभी डिवीज़नो पर विरोध प्रदर्शन और 6 से 8 अगस्त तक सभी उपमण्डलों के कार्यालयों पर धरना प्रदर्शन करते हुए गांव गांव जाकर सरकार की निजीकरण की नीतियों के बारे में चर्चा करतेहुए समर्थन जुटाया जाएगा और 11 अगस्त से 13 अगस्त तक तीन दिवसीय हड़ताल होगी जिसमे सभी कर्मचारी और अधिकारी शामिल होंगे ।इसके बाद भी सरकार समाधान नहीं करती है तो और व्यापक एवं तीव्र आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन में बिजली कर्मियों के नेता राजन वर्मा, राजकुमार डागर सरजीत सिंह, नरेंद्र सोरोत, वेदपाल तेवतिया, योगराज दीक्षित, वीरपाल, योगेश पाठक, पवन कुमार, चंदर शेखर, नंद किशोर, महेंद्र, इजहार, मनोहरी मौजूद थे।

पार्षद दीपक यादव के खिलाफ लामबंद हुए निगम अधिकारी

हरियाणा मेल, एजेंसी

फरीदाबाद। वार्ड-42 के पार्षद दीपक यादव द्वारा बल्लभगढ़ नगर निगम कार्यालय में ताला लगाने और कार्यकारी अभियंता डालचंद शर्मा को गाड़ी से उतारकर अपने क्षेत्र का निरीक्षण करवाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। बुधवार को पार्षद के खिलाफ निगम अधिकारी और कर्मचारी विरोध में आ गए। एसडीओ, जेई और अन्य कर्मचारियों ने पार्षद के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया व पार्षद से मांफी मांगने की मांग भी की। इससे पहले भी पार्षद व अधिकारी आमने सामने आ चुके हैं। एक मामले में तो अधिकारी के साथ मारपीट करने के मामले में पार्षद को जेल भी जाना पड़ा था। मंगलवार को पार्षद दीपक यादव ने बल्लभगढ़ नगर निगम कार्यालय में ताला लगा दिया। दीपक यादव ने कार्यकारी अभियंता डालचंद शर्मा पर आरोप लगाया कि उन्होंने विधायक के कहने पर वार्ड में सीवर लाइन का काम रोका हुआ है। जिसकी वजह से जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही पार्षद ने कार्यकारी अभियंता से अपने क्षेत्र का निरीक्षण करने के लिए भी कहा। इस पर कार्यकारी अभियंता ने कहा कि वह अभी जरूरी काम से बाहर जा रहे हैं। वापस आते ही वार्ड में निरीक्षण कर लेंगे। लेकिन पार्षद ने जबरन कार्यकारी अभियंता की गाड़ी की चाबी निकाल ली। प्रदर्शन करते हुए कर्मचारियों ने कहा कि जब तक दीपक यादव माफी नहीं मांगेगे, धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। हालांकि इंटरनेट मीडिया पर लोग पार्षद के पक्ष में खड़े हुए नजर आए। लोगों ने कहा कि निगम अधिकारी और कर्मचारी छोटे छोटे कामों के लिए लोगों को चक्कर कटवाते हैं, उनको परेशान करते हैं। ऐसे में पार्षद ने बल्लभगढ़ कार्यालय पर ताला लगाकर सही किया। पूरे मामले में पार्षद दीपक यादव को अपने साथी पार्षदों का ही साथ मिलता नजर नहीं आ रहा है। पार्षद अजय बैसला ने कहा कि इस मामले में मेयर को हस्तक्षेप करना चाहिए था। लेकिन मेयर को पार्षदों और जनता की परेशानियों से कोई मतलब नहीं है।

खबरें फटाफट

मकान का ताला तोड़कर लाखों की नकदी चोरी

फरीदाबाद। सेहतपुर स्थित सूर्या कॉलोनी में कच्छा गैंग ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपए की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर घर के मुख्य दरवाजे का ताला तोडक़र अंदर घुसे और कमरों में रखी अलमारी का लॉक तोडक़र करीब पांच लाख रुपए के सोने के जेवर, लैपटॉप, मोबाइल फोन और कैश चोरी कर फरार हो गए। वारदात के समय परिवार पड़ोस में आयोजित एक जन्मदिन की पार्टी में गया हुआ था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़िता शहनाज ने बताया कि वह पल्ला थाना क्षेत्र के सेहतपुर स्थित सूर्या कॉलोनी में अपनी दो बेटियों के साथ रहती हैं, जबकि उनके पति सऊदी अरब में नौकरी करते हैं। उनका मायका भी पड़ोस में ही है। मंगलवार रात को वह दोनों बेटियों के साथ मायके में आयोजित जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने गई थीं। रात अधिक होने के कारण सभी वहीं रुक गए। शहनाज ने बताया कि बुधवार सुबह, जब वह अपने घर लौटीं तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखा तो कमरों में रखा सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी का ताला भी टूटा हुआ था। चोर अलमारी में रखे कीमती सामान को लेकर फरार हो चुके थे। पीड़िता ने बताया कि उन्होंने अपनी दोनों बेटियों की शादी के लिए धीरे-धीरे करके सोने के जेवर बनवाए थे। चोर करीब पांच लाख रुपये कीमत के सोने के जेवर, एक लैपटॉप, मोबाइल फोन और कुछ नगदी चोरी कर ले गए। उन्होंने कहा कि जल्द ही बेटियों की शादी की तैयारी चल रही थी, इसलिए वर्षों की मेहनत से जेवर बनवाए थे । कॉलोनी निवासी दीपक ने बताया कि घटना के बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। फुटेज में दो युवक केवल कच्छा पहने हुए हाथ में लैपटॉप और अन्य सामान लेकर जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। आशंका है कि वारदात देर रात करीब दो बजे के बाद अंजाम दी गई। घटना की सूचना मिलते ही पल्ला थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। थाना प्रभारी सत्य प्रकाश के मुताबिक पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है। संदिग्धों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' गायन के बाद होगा राष्ट्रीय गान 'जन-गण-मन'

हथीन। भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' तथा राष्ट्रीय गान 'जन-गण-मन' के गायन एवं वादन से संबंधित पूर्व में जारी किए गए सभी आदेशों एवं निर्देशों का एकीकरण करते हुए विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों का उद्देश्य राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक सुदृढ़ करना तथा पूरे देश में एक समान व्यवस्था सुनिश्चित करना है। आदेशों के तहत सबसे पहले राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' प्रस्तुत किया जाएगा और उसके तुरंत बाद राष्ट्रगान 'जन-गण-मन' का गायन या वादन किया जाएगा। इस दौरान सभी को अनिवार्य रूप से खड़ा होना होगा। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने जानकारी देते हुए जिला में आदेशों की अनुपालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि गृह मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय गीत एवं राष्ट्रगान के गायन और वादन से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों को एक ही दस्तावेज में समाहित किया गया है, ताकि विभिन्न अवसरों पर इनके प्रस्तुतीकरण को लेकर किसी प्रकार की भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो। गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय गीत एवं राष्ट्रगान के अवसर, प्रक्रिया और क्रम का विस्तृत उल्लेख परिशिष्ट-1 तथा परिशिष्ट-2 में किया गया है।

राष्ट्रीय गीत के बाद ही होगा राष्ट्रगान

उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने बताया कि गृह मंत्रालय की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी सरकारी, शैक्षणिक, सांस्कृतिक अथवा सार्वजनिक कार्यक्रम में राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान दोनों का गायन या वादन किया जाना हो, तो सबसे पहले राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' प्रस्तुत किया जाएगा और उसके तुरंत बाद राष्ट्रगान 'जन-गण-मन' का गायन या वादन किया जाएगा। इस क्रम का पालन सभी आयोजनों में अनिवार्य रूप से किया जाएगा।

जिला नगर योजनाकार विभाग की अवैध कॉलोनियों पर लगातार कार्रवाई: डीटीपी

लगभग 10 एकड़ क्षेत्र में विकसित हो रही चार अवैध कॉलोनियों पर चला पीला पंजा

हरियाणा मेल ब्यूरो

हथीन। जिला नगर योजनाकार विभाग पलवल द्वारा जिले में अवैध कॉलोनियों एवं अनधिकृत निर्माणों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में बुधवार को जिला नगर योजनाकार विभाग ने जिला प्रशासन के सहयोग से पलवल क्षेत्र में विकसित की जा रही चार अवैध कॉलोनियों पर व्यापक तोडफ़ोड़ अभियान चलाया।

कार्रवाई के दौरान लगभग 10 एकड़ क्षेत्र में विकसित हो रही चार अवैध कॉलोनियों में किए गए निर्माणों को ध्वस्त किया गया। विभागीय टीम ने चार निर्माणाधीन दुकानों, लगभग 80 डीपीसी, 10 से 15 बाउंड्री वॉल, कॉलोनी में बनाए गए सड़क नेटवर्क तथा लगाए गए बिजली के

खंभों को जेसीबी मशीनों की सहायता से हटाया। यह कार्रवाई हरियाणा शहरी क्षेत्र विकास एवं विनियमन अधिनियम-1975 के प्रावधानों के तहत की गई। तोडफ़ोड़ अभियान के दौरान ड्यूटी मजिस्ट्रेट, जिला नगर योजनाकार विभाग के अधिकारी, फील्ड स्टाफ तथा पर्याप्त पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा, जिससे कार्रवाई शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। इस अवसर पर जिला नगर योजनाकार पलवल अनिल मलिक ने बताया कि विभाग द्वारा अवैध कॉलोनियों एवं अनधिकृत निर्माणों के विरुद्ध भविष्य में भी इसी प्रकार सख्ती से अभियान जारी रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि अवैध कॉलोनियां विकसित करने तथा उनमें निर्माण करने वालों के मंसूबों को किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने दिया जाएगा। विभाग का उद्देश्य अवैध निर्माणों को प्रारंभिक अवस्था में ही रोकना है, ताकि भविष्य में आमजन को किसी प्रकार की आर्थिक हानि न उठानी पड़े। उन्होंने बताया कि लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से अवैध कॉलोनियों में पहले ही चेतावनी बोर्ड लगाए जा चुके हैं। इसके बावजूद यदि कोई व्यक्ति अवैध कॉलोनी विकसित करता है अथवा उसमें निर्माण करता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

तीन बैंक खातों से साइबर ठगों ने उड़ाए 1.81 लाख

हरियाणा मेल, एजेंसी

फरीदाबाद। पुलिस साइबर अपराधियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने बिना OTP के बैंक खातों से 1.81 लाख की साइबर ठगी के मामले का खुलासा करते हुए 4 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों से 1,20,000 नकद तथा वारदात में प्रयुक्त दो मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पल्ला क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना सेंट्रल में शिकायत दर्ज कराई थी कि 4 जून 2026 को उनकी जानकारी और सहमति के बिना उनके तीन अलग-अलग बैंक खातों से तीन ट्रांजेक्शनों के माध्यम से कुल 1,81,800 निकाल लिए गए और इस दौरान उसके मोबाइल पर किसी प्रकार का OTP भी प्राप्त नहीं हुआ, फिर भी खातों से राशि निकाल ली गई। मामले की गंभीरता मद्देनजर साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, बैंकिंग ट्रांजेक्शन, मोबाइल नंबरों एवं बैंक खातों का गहन विश्लेषण किया। जांच के दौरान पुलिस ने साइबर ठगी में प्रयुक्त बैंक खातों की कड़ी को जोड़ते हुए 4 आरोपितों तक पहुंच बनाकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

छज्जा गिरने से महिला की मौत

हरियाणा मेल, एजेंसी

फरीदाबाद। बारिश के दौरान डबुआ कॉलोनी में एक मकान का छज्जा अचानक भरभराकर गिर गया। उस समय छज्जे पर खड़ी एक महिला भी उसके साथ नीचे गिर गई। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन और आसपास के लोगों ने उसे तुरंत सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। मृतका की पहचान 28 वर्षीय लाडली खातून के रूप में हुई है। वह मूल रूप से बिहार के सारण जिले की रहने वाली थी। लाडली अपने पति कुसमा मोहम्मद और छह महीने की बेटी के साथ डबुआ कॉलोनी में रमन भारद्वाज के मकान में किराए पर रहती थीं। परिवार करीब दो महीने पहले ही रोजगार की तलाश में फरीदाबाद आया था और यहीं रहकर काम कर रहा था। जानकारी के अनुसार,

मंगलवार सुबह से ही बारिश हो रही थी। इसी दौरान लाडली खातून कुछ देर के लिए मकान के छज्जे पर खड़ी थीं। लगातार हो रही बारिश के कारण छज्जा कमजोर हो चुका था। अचानक वह भरभराकर नीचे गिर गया और लाडली भी उसके साथ नीचे आ गिरीं। छज्जे का मलबा उनके ऊपर गिरने से वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। छज्जा गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। वहीं उनके पति कुसमा मोहम्मद भी दौड़कर बाहर आए। स्थानीय लोगों की मदद से लाडली को तुरंत मलबे से बाहर निकाला गया और बिना समय गंवाए सिविल अस्पताल ले जाया गया।

योगासन चैंपियनशिप में होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल का स्वर्णिम प्रदर्शन

हरियाणा मेल, एजेंसी

फरीदाबाद। 24 से 28 जुलाई, 2026 तक भारतीय पब्लिक स्कूल, रेवाड़ी में आयोजित सीबीएसई नॉर्थ ज़ोन–II योगासन चैंपियनशिप 2026 में होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल, सेक्टर-29, फरीदाबाद की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 8 स्वर्ण, 2 रजत एवं 2 कांस्य पदक जीतकर विद्यालय एवं जिले का नाम गौरवान्वित किया।

अंडर-14 बालिका वर्ग में विद्यालय की अंकिता, अर्पिता, आराध्या, ऋषिका एवं कृतिका ने पारंपरिक टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर प्रतियोगिता में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की। इसके अतिरिक्त अंकिता ने पारंपरिक एकल स्पर्धा में स्वर्ण पदक, ऋषिका एवं अर्पिता की जोड़ी ने रिदमिक पेयर स्पर्धा में स्वर्ण पदक, जबकि अंकिता एवं आराध्या की जोड़ी ने आर्टिस्टिक पेयर स्पर्धा में रजत पदक प्राप्त किया। वहीं आराध्या एवं अर्पिता ने पारंपरिक एकल स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किए। विद्यालय पहुंचने पर विद्यालय के डायरेक्टर श्री साकेत भाटिया ने सभी विजेता छात्राओं का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

वकीलों की हड़ताल, कई मामलों की सुनवाई टली

हरियाणा मेल, एजेंसी

फरीदाबाद। लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम योजना के विरोध में बुधवार को वकीलों ने कोर्ट का कामकाज बंद रखा। जिला बार एसोसिएशन के आह्वान पर वकीलों ने कोर्ट के काम का बहिष्कार किया, जिससे कई मामलों की सुनवाई प्रभावित हुई। एलएडीसीएस योजना के तहत सरकार गरीब और जरूरतमंद लोगों को मुफ्त कानूनी सहायता देने के लिए जिला स्तर पर वेतन पर वकील नियुक्त करती है। ये वकील ऐसे लोगों के मुकदमे लड़ते हैं, जो निजी वकील करने में सक्षम नहीं होते। जो अपराधी वकील नहीं कर पाएंगे, उनको इस योजना के तहत वकील मुहैया कराया जाएगा। जबकि पहले पैनल वाले निजी वकीलों को हायर किया जाता था। वकील जोगिंदर नरवत का कहना

है कि इस योजना से निजी वकीलों का काम कम हो जाएगा। उनका मानना है कि सबसे ज्यादा असर नए और युवा वकीलों पर पड़ेगा, क्योंकि कानूनी सहायता वाले मामले उन्हें मिलने की बजाय सरकारी नियुक्त वकीलों के पास चले जाएंगे। इसी मांग को लेकर फरीदाबाद सहित हरियाणा के कई जिलों में वकीलों ने न्यायिक कार्य का बहिष्कार किया। वकीलों ने सरकार से इस योजना पर दोबारा विचार करने और इसे वापस लेने की मांग की है। हड़ताल के कारण अदालतों में कई मामलों की सुनवाई नहीं हो सकी।

बिना अनुमति नहीं लगेंगे कांवड़ शिविर

हरियाणा मेल ब्यूरो

हथीन। जिला में पवित्र सावन मास में कांवड़ यात्रा-2026 के दौरान जिले में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधीश डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत आदेश जारी किए हैं। आदेशों के अनुसार 30 जुलाई 2026 से 11 अगस्त 2026 (रात्रि जलाभिषेक) तक जिले में संबंधित उपमंडल अधिकारी (नागरिक) की पूर्व अनुमति के बिना कोई भी व्यक्ति, संस्था या संगठन कांवड़ शिविर स्थापित नहीं कर सकेगा।

जिलाधीश डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पलवल जिले से गुजरने की संभावना को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना, अव्यवस्था अथवा कानून-व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो। जिलाधीश की ओर से जारी आदेशों के अनुसार कांवड़ शिविर लगाने के लिए संबंधित उपमंडल अधिकारी नागरिक (पलवल, होडल एवं हथीन) से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य है। शिविर केवल दिल्ली-मथुरा राष्ट्रीय राजमार्ग के बाईं ओर (मथुरा दिशा की ओर) मुख्य सडक़ से लगभग 100 फीट की दूरी पर स्थापित किए जा सकेंगे। साथ ही दो कांवड़ शिविरों के बीच न्यूनतम दो किलोमीटर की दूरी रखना भी आवश्यक है।

जिलाधीश ने आदेश में स्पष्ट किया है कि यह आदेश 30 जुलाई 2026 से 11 अगस्त 2026 की रात्रि जलाभिषेक तक प्रभावी रहेंगे। आपात परिस्थितियों एवं समय की कमी को देखते हुए यह आदेश जनहित में तत्काल प्रभाव से जारी किए गए हैं।

आदेशों का मुनादी के माध्यम तथा नोटिस बोर्ड तथा अन्य माध्यमों से कराया जाएगा। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी को आदेश जिला प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने पुलिस अधीक्षक पलवल को इन आदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। आदेशों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा-223 तथा अन्य प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधीश डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने सभी सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों तथा आम नागरिकों से अपील की है कि कांवड़ यात्रा के दौरान जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन करें।

कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात, सुरक्षा, स्वच्छता एवं श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं, ताकि यात्रा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

कांवड़ यात्रा की सुरक्षा संभालेंगे दो हजार पुलिसकर्मी

25 से अधिक स्थानों पर नाकाबंदी, आगरा कैनाल मार्ग रहेगा बंद

हरियाणा मेल, एजेंसी

फरीदाबाद। श्रावण मास में आयोजित होने वाली कांवड़ यात्रा-2026 को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए फरीदाबाद पुलिस ने व्यापक सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन की तैयारियां पूरी कर ली हैं। 30 जुलाई से प्रारंभ होने वाली कांवड़ यात्रा के दौरान हजारों शिवभक्त हरिद्वार/नीलकंठ से पवित्र गंगाजल लेकर फरीदाबाद से गुजरते हुए विभिन्न शिव मंदिरों की ओर प्रस्थान करेंगे। महाशिवरात्रि के अवसर पर जलाभिषेक के साथ यात्रा का समापन होगा। इस दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, कानून व्यवस्था और यातायात संचालन को सुचारु बनाए रखने के लिए फरीदाबाद पुलिस ने बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बुधवार को बताया कि पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता के निर्देशन में कांवड़ यात्रा के लिए विशेष सुरक्षा एवं ट्रैफिक प्लान तैयार किया गया है। संपूर्ण यात्रा के दौरान पुलिस उपायुक्त यातायात जयवीर राठी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जबकि पुलिस उपायुक्त मुख्यालय, एनआईटी, बल्लभगढ़ एवं सेंट्रल अपने-अपने क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था और यातायात संचालन की लगातार निगरानी करेंगे। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान लगभग दो हजार पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी विभिन्न ड्यूटियों पर तैनात रहेंगे। आवश्यकता पडऩे पर अतिरिक्त पुलिस बल भी तत्काल उपलब्ध कराया जाएगा। थाना पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, अपराध शाखा, महिला पुलिस, ईआरवी, राइडर तथा मोबाइल गश्ती दलों को ड्यूटी के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इसके अलावा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एसडब्ल्यूएटी टीमों को भी पूरी तरह सक्रिय रखा जाएगा। फरीदाबाद पुलिस ने श्रद्धालुओं की सुरक्षित एवं सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए पहला मार्गः कालिंदी कुंज (दिल्ली) से एमसीडी टोल होते हुए आगरा कैनाल के साथ-साथ रहेगा। दूसरा मार्गः बदरपुर बॉर्डर से आउटर बाईपास के माध्यम से तथा तीसरा मार्गः बदरपुर बॉर्डर से राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) के रास्ते निर्धारित किया गया है। इन सभी मार्गों पर संबंधित थाना पुलिस लगातार गश्त करेगी, जबकि केजीपी एक्सप्रेस-वे पर विशेष मोबाइल पुलिस पार्टियां तैनात रहेंगी। पुलिस का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके। कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए 25 से अधिक स्थानों पर विशेष नाकाबंदी की जाएगी। इनमें दुर्गा बिल्डर, आगरा कैनाल मार्ग, सेहतपुर पल्ला पुल, पल्ला पुल, एत्मादपुर पुल, सेक्टर-28/29 पुल, खेड़ी पुल, सेक्टर-17 पुल, सेक्टर-14 पुल, बीपीटीपी पुल, बड़ौली पुल, सेक्टर-8 पुल, तिगांव पुल, आईएमटी पुल, चंदावली पुल, सुनपेड़ पुल, जाट चौक, मलेरना चौक, जाजरू चौक, शाहपुरा कलां, शाहपुरा मोड़, डीग पुल, प्याला मोड़, सीकरी चौकी तथा कैली बाईपास सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थान शामिल हैं। इन सभी नाकों पर पुलिस कर्मीयों द्वारा गहन जांच की जाएगी।

पुलिस ने साइबर अपराधों से बचाव को लेकर जनहित में जारी की एडवाइजरी

हरियाणा मेल, एजेंसी

फरीदाबाद। हथीन। आमजन को साइबर ठगी से सुरक्षित रखने और उनकी मेहनत की कमाई की रक्षा करने के लिए पुलिस अधीक्षक पलवल नीतीश अग्रवाल के कुशल निर्देशन में पलवल पुलिस ने एक विशेष साइबर सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों से अपील की है कि वे डिजिटल युग में सजग रहें और अनजान लिंक या झांसे में आने से बचें। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि वर्तमान में साइबर अपराधी आम लोगों को अलग-अलग तरीकों से अपना शिकार बना रहे हैं।

नागरिकों की सुरक्षा के लिए जारी की गई मुख्य हिदायतें

1. किसी भी स्थिति में अपना बैंक अकाउंट नंबर, एटीएम कार्ड नंबर, सीवीवी, ओटीपी या कोई भी व्यक्तिगत जानकारी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें।
2. सोशल मीडिया या व्हाट्सएप पर किसी भी अनजान नंबर से आए लिंक पर क्लिक करने से बचें।
3. किसी भी अनजान ऐप को अपने मोबाइल या कंप्यूटर में इंस्टॉल न करें, खासकर वे ऐप जो रिमोट एक्सेस मांगते हों।
4. पुलिस, कस्टम या किसी अन्य सरकारी एजेंसी का नाम लेकर यदि कोई व्यक्ति वीडियो कॉल करके डराने या पैसों की मांग करने की कोशिश करे, तो तुरंत समझें कि यह फ्रॉड है और घबराएं नहीं।
5. कोई भी अनजान व्यक्ति यदि खुद को बैंक अधिकारी या किसी कंपनी का प्रतिनिधि बताए, तो उसकी बातों पर आंख बंद करके भरोसा न करें।

पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि यदि किसी व्यक्ति के साथ साइबर वित्तीय धोखाधड़ी होती है, तो वे तुरंत राष्ट्रीय साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें या नजदीकी पुलिस स्टेशन/साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन पलवल में शिकायत दर्ज कराएं।

संपादकीय

मोबाइल में कैद समाज, मनुष्य से दूर होती मनुष्यता

सभ्यता की पहचान उसके भवनों की ऊंचाई से नहीं, उसके हृदय की गहराई से होती है। कोई समाज कितना विकसित है, इसका सबसे विश्वसनीय प्रमाण उसकी सड़कें, मशीनें या तकनीक नहीं होतीं; उसका परिचय यह होता है कि किसी अजनबी की पीड़ा देखकर उसके लोग कितनी शीघ्र सहायता के लिए बढ़ते हैं। दुर्भाग्य से हमारा समय इसी कसौटी पर एक कठिन प्रश्न के सामने खड़ा है।

आज यदि सड़क पर दुर्घटना हो जाए, किसी युवक पर रोडरेज में हमला हो, किसी छात्रा की करंट से मृत्यु हो जाए या कोई जीवन-मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहा हो, तो सबसे पहले जेब से मोबाइल निकलता है। कैमरा चालू होता है, वीडियो रिकॉर्ड होता है, लाइव प्रसारण शुरू हो जाता है, लेकिन घायल तक पहुंचने वाले हाथ बहुत कम दिखाई देते हैं। यह दृश्य किसी एक शहर का नहीं, पूरे समाज की बदलती मानसिकता का दर्पण है।

तकनीक ने मनुष्य को अभूतपूर्व शक्ति दी है। उसने दूरी मिटाई, संवाद सरल बनाया और सूचना को व्यापक पहुंच दी। पर हर शक्ति उत्तरदायित्व भी लेकर आती है। जब तकनीक संवेदना पर हावी होने लगे, कैमरा करुणा का स्थान ले ले और लाइक्स तथा व्यूज मनुष्य के जीवन से अधिक मूल्यवान लगें, तब समझ लेना चाहिए कि समस्या मशीन में नहीं, मनुष्य के भीतर जन्म ले चुकी है।

भारतीय संस्कृति का मूल मंत्र रहा है—परहित सरिस धरम नहिं भाई। हमारे यहां घायल की सेवा पुण्य मानी गई, प्यासे को पानी पिलाना धर्म समझा गया और संकट में पड़े व्यक्ति की रक्षा को मानवता का सर्वोच्च कर्तव्य माना गया। यही वह भूमि है जहां दधीचि ने अस्थियां दान कीं, कर्ण ने कवच-कुंडल त्याग दिए और असंख्य लोगों ने अपरिचितों के लिए प्राण तक दिए। प्रश्न यह है कि क्या वही समाज आज किसी घायल के सामने खड़े होकर केवल वीडियो बनाने तक सिमटता जा रहा है?

विडंबना यह है कि हम पहले से कहीं अधिक जुड़े हुए दिखाई देते हैं, लेकिन पहले से कहीं अधिक अकेले भी हो गए हैं। संपर्क सूची में हजारों नाम हैं, पर संकट की घड़ी में सहारा देने वाले हाथ कम पड़ जाते हैं। हम सैकड़ों संदेश पढ़ते हैं, किंतु किसी अनजान की कराह हमारे भीतर वैसी बेचैनी पैदा नहीं करती जैसी कभी किया करती थी। सूचना बढ़ी है, लेकिन संवेदना सिकुड़ती चली गई है। इस मानसिकता का सबसे बड़ा दुष्परिणाम यह है कि समाज तमाशबीनों का समाज बनता जा रहा है। जहां नागरिक दर्शक बन जाएं और पीड़ा केवल दृश्य बनकर रह जाए, वहां लोकतंत्र भी कमजोर पड़ने लगता है। लोकतंत्र केवल संविधान से नहीं चलता; वह नागरिकों की करुणा, सहभागिता और उत्तरदायित्व से जीवित रहता है। यदि मनुष्य मनुष्य के काम न आए, तो कानून और व्यवस्था भी सीमित हो जाते हैं।

यह कहना उचित नहीं होगा कि दोष केवल नई पीढ़ी का है। यह समाज की सामूहिक विफलता है। परिवारों में बच्चों को प्रतियोगिता तो सिखाई जा रही है, करुणा नहीं; विद्यालयों में तकनीकी दक्षता पर बल है, किंतु नागरिक संवेदनशीलता पर कम चर्चा होती है; समाज सफलता का उत्सव मनाता है, पर सेवा का सम्मान उतनी ऊंचाई से नहीं करता। परिणाम यह है कि मनुष्य बाहर से चमकदार और भीतर से रिक्त होता जा रहा है।

समाधान तकनीक का विरोध नहीं, उसके विवेकपूर्ण उपयोग में है। मोबाइल कैमरा अपराध का साक्ष्य बन सकता है, न्याय में सहायक और अपराधी को दंड दिलाने का माध्यम बन सकता है। लेकिन यह तभी सार्थक है जब पहली प्राथमिकता घायल की जान बचाने की हो। वीडियो बाद में भी बन सकता है, पर जीवन चला गया तो वह कभी वापस नहीं आता।

हमें अपने बच्चों को फिर सिखाना होगा कि किसी घायल को अस्पताल पहुंचाना किसी वायरल वीडियो से कहीं बड़ा काम है। यह भी याद दिलाना होगा कि मनुष्य की सबसे बड़ी पहचान उसके मोबाइल का मॉडल नहीं, उसके हृदय की संवेदनशीलता है। जिस दिन संकट में पड़ा अनजान व्यक्ति भी हमें अपना लगेगा, उसी दिन यह समाज सचमुच आधुनिक कहलाएगा।

प्रगति का अर्थ केवल तेज इंटरनेट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल क्रांति नहीं है। वास्तविक प्रगति तब होगी, जब तकनीक हमारे हाथों में रहे और मनुष्यता हमारे हृदय में। जिस समाज में कैमरे तो जीवित हों, पर करुणा मर जाए, वहां विकास की चमक भी अंततः अंधकार ही सिद्ध होती है।

–ऋषि नारायण आचार्य

शिक्षा मंत्री का इस्तीफा किसी की हार नहीं बल्कि यह शिक्षा व्यवस्था में सुधार का अवसर

भारतीय लोकतंत्र में छात्र आंदोलनों का स्वर केवल विरोध नहीं, बल्कि व्यवस्था से जवाबदेही की मांग भी होता है। हाल ही में परीक्षा निष्पक्षता को लेकर उठा आंदोलन इसी व्यापक असंतोष का प्रतीक बनकर सामने आया, जिसमें छात्रों ने अपनी मेहनत और भविष्य की सुरक्षा की मांग की। यह मुद्दा राजनीतिक बहस में घिरता जरूर दिखा, लेकिन इसका मूल सवाल शिक्षा प्रणाली की पारदर्शिता और विश्वसनीयता से जुड़ा है। किसी मंत्री का इस्तीफा इस समस्या का अंतिम समाधान नहीं हो सकता, जब तक संस्थागत सुधार न हों। असली चुनौती यह है कि विद्यार्थियों का भरोसा फिर से कायम किया जाए और परीक्षा व्यवस्था को निष्पक्ष बनाया जाए।

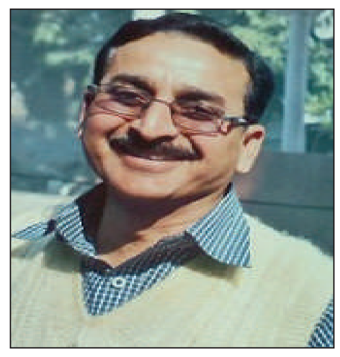

● डा. नर्मदेश्वर प्रसाद

भारतीय लोकतंत्र में शायद ही कोई ऐसा विषय हो जो कुछ ही दिनों में राजनीति का अखाड़ा न बन जाए। सड़क पर उठने वाली हर आवाज कुछ ही समय बाद सत्ता और विपक्ष के बीच रस्साकशी का विषय बन जाती है लेकिन कुछ प्रश्न ऐसे होते हैं जिन्हें राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाय राष्ट्रीय दृष्टि से देखना चाहिए। NEET को लेकर उठा छात्र आंदोलन और उसके बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भी ऐसा ही प्रश्न है। यदि कभी किसी मंत्री का इस्तीफा होता है तो उसे न प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत पराजय माना जाना चाहिए और न राहुल गांधी अथवा विपक्ष की विजय। यदि उस घटना से शिक्षा व्यवस्था अधिक पारदर्शी, अधिक उत्तरदायी और अधिक विश्वसनीय बनती है, तभी उसका वास्तविक अर्थ होगा।

भारत में डॉक्टर बनने का सपना केवल छात्र का सपना नहीं होता। उसके साथ एक किसान का खेत जुड़ा होता है, एक मजदूर की अधूरी इच्छाएँ जुड़ी होती हैं, एक माँ के गहने गिरवी रखे होते हैं और एक पिता की पूरी सेवा-निवृत्ति की जमा पूँजी दाँव पर लगी होती है। ऐसी स्थिति में यदि परीक्षा की निष्पक्षता पर प्रश्न उठते हैं, तो केवल प्रश्नपत्र नहीं, करोड़ों परिवारों का विश्वास भी कटघरे में खड़ा हो जाता है। इसलिए यह आंदोलन किसी राजनीतिक दल की देन नहीं था; इसकी जड़ें उन विद्यार्थियों की पीड़ा में थीं जो अपनी मेहनत का न्याय चाहते थे।

इस आंदोलन ने एक महत्वपूर्ण सत्य उजागर किया कि आज का भारतीय विद्यार्थी पहले की तरह मौन नहीं है। वह प्रश्न पूछता है। वह सूचना का अधिकार भी जानता है और संवैधानिक अधिकार भी। वह अदालत का दरवाजा भी खटखटाता है और लोकतांत्रिक विरोध भी करता है। यह किसी भी लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है। लोकतंत्र तब मजबूत होता है जब नागरिक व्यवस्था पर विश्वास रखते हुए उससे जवाब भी माँगता है लेकिन यहीं से राजनीति अपना रंग दिखाने लगती है।

छात्रों की माँग थी कि परीक्षा प्रणाली निष्पक्ष हो, दोषियों पर कार्रवाई हो और भविष्य में ऐसी घटनाएँ दोबारा न हों। धीरे-धीरे यह आंदोलन राजनीतिक दलों की उपस्थिति से घिरने लगा। सत्ता पक्ष इसे सीमित प्रशासनिक त्रुटि सिद्ध करने में लगा रहा, जबकि विपक्ष ने इसे सरकार की व्यापक विफलता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया। लोकतंत्र में दोनों का अधिकार है लेकिन प्रश्न यह है कि इस पूरी बहस में छात्र कहाँ रह गया? आज भारतीय राजनीति का बड़ा दुर्भाग्य यह है कि लगभग हर राष्ट्रीय मुद्दा अंततः नरेंद्र मोदी के समर्थन या विरोध में बदल जाता है। शिक्षा का प्रश्न भी उसी ध्रुवीकरण का शिकार होता दिखाई दिया। अनेक विपक्षी नेताओं ने छात्रों की पीड़ा को मुखरता से उठाया, जो उनका लोकतांत्रिक दायित्व भी था। किंतु अनेक अवसरों पर ऐसा भी लगा कि शिक्षा सुधार की चर्चा से अधिक राजनीतिक लाभ-हानि की गणना हो रही है। यदि किसी छात्र आंदोलन का अंतिम उद्देश्य केवल सरकार को घेरना रह जाए तो छात्र हित धीरे-धीरे पृष्ठभूमि में चला जाता है।

इसका अर्थ यह भी नहीं कि सरकार आलोचना से ऊपर है। लोकतंत्र में बहुमत सरकार को अधिकार देता है, किंतु नैतिक उत्तरदायित्व से मुक्त नहीं करता। यदि परीक्षा प्रणाली में कहीं गंभीर चूक हुई है, तो सरकार का कर्तव्य है कि वह दोषियों की पहचान करे, संस्थागत सुधार करे और जनता का विश्वास पुनः अर्जित करे। किसी भी लोकतंत्र में सबसे बड़ी शक्ति अपनी भूल स्वीकार कर उसे सुधारने की क्षमता होती है।

इस पूरे आंदोलन का एक दुर्भाग्यपूर्ण पक्ष भी सामने आया, जिसने इसकी नैतिक शक्ति को कुछ हद तक क्षति पहुँचाई। अधिकांश छात्र अत्यंत शांतिपूर्ण ढंग से अपनी माँगें रख रहे थे। उनके हाथों में पुस्तकों का भविष्य था, राजनीति का झंडा नहीं किंतु जैसे-जैसे आंदोलन लंबा चला, कुछ स्थानों पर ऐसे तत्व भी सक्रिय दिखाई दिए जिन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरुद्ध अत्यंत अशोभनीय, अभद्र और व्यक्तिगत स्तर की गालियों का प्रयोग किया। लोकतंत्र में असहमति का अधिकार संविधान देता है, लेकिन गाली देने का अधिकार कोई संविधान नहीं देता। विचार का उत्तर विचार है, अपशब्द नहीं।

ऐसे नारे केवल प्रधानमंत्री का अपमान नहीं करते बल्कि उस आंदोलन की गरिमा भी कम कर देते हैं जिसके केंद्र में लाखों छात्रों का भविष्य हो। इससे सरकार को यह कहने का अवसर भी मिलता है कि आंदोलन अपनी मूल दिशा से भटक गया है। किसी भी जनांदोलन में जब तर्क की जगह अपशब्द और संवाद की जगह उत्तेजना ले लेती है, तब सबसे अधिक नुकसान उसी आंदोलन को होता है। यहीं विपक्ष की भूमिका भी गंभीर समीक्षा की माँग करती है। विपक्ष का दायित्व छात्रों की आवाज को संसद तक पहुँचाना था, उन्हें न्याय दिलाने का प्रयास करना था और शिक्षा सुधार की ठोस रूपरेखा प्रस्तुत करनी थी। लेकिन कुछ अवसरों पर ऐसा प्रतीत हुआ कि कुछ राजनीतिक दल इस आंदोलन को शिक्षा सुधार से अधिक मोदी विरोध के राष्ट्रीय अभियान का हिस्सा बनाने का प्रयास कर रहे हैं। लोकतंत्र में सरकार का विरोध पूरी तरह वैध है, किंतु यदि प्रत्येक छात्र आंदोलन केवल सत्ता परिवर्तन का मंच बन जाए, तो लोकतांत्रिक विमर्श अपनी दिशा खो देता है। हालाँकि पूरे विपक्ष को एक ही दृष्टि से देखना भी न्यायोचित नहीं होगा। लोकतंत्र में ऐसे जनप्रतिनिधि भी हैं जो टकराव नहीं, संवाद की राजनीति में विश्वास रखते हैं। राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा द्वारा विभिन्न जन आंदोलनों में संवाद स्थापित करने के प्रयास इसकी मिसाल रहे हैं। सोनम वांगचुक के अनशन के दौरान संवाद का वातावरण बनाने में उनकी भूमिका यह संकेत देती है कि लोकतंत्र केवल विरोध से नहीं, मध्यस्थता और सहमति से भी चलता है।

सरकार की भूमिका का दूसरा पक्ष भी उल्लेखनीय है। लोकतंत्र की कसौटी केवल चुनाव नहीं होते, बल्कि विरोध सहने की क्षमता भी होती है। तीखे आरोप, लगातार प्रदर्शन, न्यायिक प्रक्रिया और मीडिया की आलोचना के बीच भी संवैधानिक ढाँचा चलता रहा। इसे लोकतांत्रिक सहनशीलता के रूप में देखा जा सकता है। किंतु सहनशीलता का अर्थ केवल विरोध को सहना नहीं, बल्कि विरोध के कारणों को समझना भी है।

इस आंदोलन ने भारतीय शिक्षा व्यवस्था के सामने कई गहरे प्रश्न रख दिए हैं। क्या परीक्षा प्रणाली इतनी सुरक्षित है कि कोई भी प्रतिभाशाली छात्र निश्चिंत होकर परीक्षा दे सके? क्या तकनीकी व्यवस्था इतनी मजबूत है कि किसी प्रकार की अनियमितता की संभावना न्यूनतम हो? क्या उत्तरदायित्व तय करने की स्पष्ट व्यवस्था है? क्या स्वतंत्र परीक्षा नियामक संस्थाओं को और अधिक सशक्त बनाने की आवश्यकता नहीं है? इन प्रश्नों के उत्तर केवल मंत्री बदलने से नहीं मिलेंगे; इनके लिए संस्थागत सुधारों की आवश्यकता होगी।

आज आवश्यकता है कि राष्ट्रीय स्तर पर परीक्षा सुधार आयोग गठित हो, आधुनिक साइबर सुरक्षा तंत्र विकसित किया जाए, प्रश्नपत्र निर्माण और वितरण की प्रक्रिया को पूरी तरह तकनीकी रूप से सुरक्षित बनाया जाए, शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा दोषियों के विरुद्ध ऐसी कठोर कार्रवाई हो जो भविष्य के लिए नजीर बन सके। शिक्षा व्यवस्था व्यक्ति-निर्भर नहीं, प्रणाली-निर्भर होनी चाहिए।

राजनीतिक दृष्टि से भी यह आंदोलन एक संकेत छोड़ गया है। आने वाले समय में युवा मतदाता केवल जातीय समीकरणों और चुनावी नारों से प्रभावित नहीं होगा। वह शिक्षा, रोजगार, पारदर्शिता और अवसर की समानता को भी मतदान का आधार बनाएगा। इसलिए सत्ता और विपक्ष दोनों को यह समझना होगा कि छात्र अब केवल वोट बैंक नहीं हैं; वे जागरूक नागरिक हैं।

यदि इस पूरे घटनाक्रम का निष्कर्ष केवल इतना निकाला जाए कि किसी मंत्री का इस्तीफा हो गया या नहीं हुआ, तो यह आंदोलन अपने उद्देश्य से भटक जाएगा। असली प्रश्न किसी व्यक्ति का नहीं, व्यवस्था का है। मंत्री बदलने से शिक्षा नहीं बदलती; शिक्षा तब बदलती है जब संस्थाएँ मजबूत होती हैं, जवाबदेही तय होती है और व्यवस्था जनता का विश्वास जीतती है।

इसलिए धर्मेंद्र प्रधान का संभावित इस्तीफा न तो मोदी की व्यक्तिगत हार माना जाना चाहिए और न राहुल गांधी की राजनीतिक विजय। यदि इससे भारतीय शिक्षा व्यवस्था अधिक ईमानदार, अधिक पारदर्शी और अधिक उत्तरदायी बनती है, तभी यह लोकतंत्र की जीत होगी। अन्यथा एक मंत्री जाएगा, दूसरा आ जाएगा, सरकारें बदल जाएँगी, विपक्ष बदल जाएगा, लेकिन यदि विद्यार्थियों का विश्वास नहीं लौटा तो हार पूरे राष्ट्र की होगी।

इतिहास सत्ता परिवर्तन को कुछ वर्षों तक याद रखता है, किंतु शिक्षा सुधार को पीढ़ियों तक। इसलिए आज आवश्यकता राजनीतिक विजय पताकाएँ फहराने की नहीं, बल्कि ऐसी शिक्षा व्यवस्था निर्मित करने की है जहाँ किसी विद्यार्थी को यह भय न रहे कि उसकी वर्षों की मेहनत किसी अनियमितता की भेंट चढ़ जाएगी। यदि यह आंदोलन उस दिशा में पहला निर्णायक कदम बनता है, तभी इसकी वास्तविक सफलता मानी जाएगी।

गालियां, जेन-जी और सहमे हुए अभिभावक

● गजेंद्र सिंह

कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन के दौरान जंतर-मंतर से जो दृश्य सामने आए, उन्होंने केवल राजनीति को नहीं, समाज को भी आईना दिखाया। सबसे बड़ा झटका शायद उन माताओं-पिताओं को लगा जिन्होंने पहली बार अपने बच्चों के उस भाषा-ज्ञान का सार्वजनिक प्रदर्शन देखा जिसका शब्दकोश उन्होंने कभी खरीदा ही नहीं था।

एमसी-बीसी तो अब पुरानी बात हो गई। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे उन वीडियो ने, जिनमें प्रधानमंत्री मोदी को बेहद अश्लील और कल्पनातीत गालियां पूरे आत्मविश्वास और धज के साथ दी जा रही हैं, वहीं #$¢€£&# जैसी एक्सट्रीम गालियों ने अनेक अभिभावकों को पहली बार यह एहसास कराया कि नई पीढ़ी की शब्दावली उनसे कई पीढ़ियां आगे निकल चुकी है। सवाल उठना स्वाभाविक है क्या यह भाषा स्कूलों में सिखाई जाती है, या फिर यह हमारी नई डिजिटल संस्कृति, सोशल मीडिया और आभासी संसार की उपज है? कुछ शहरों को हमेशा गर्व रहा कि उनकी गालियों की बराबरी कोई नहीं कर सकता लेकिन इन दिनों राजधानी से जो शब्द-संस्कृति प्रसारित हुई, उसने महसूस करा दिया कि दिल्ली के आगे हम सचमुच गांव के सीधे-साधे लोग ही हैं।

सबसे ज्यादा बेचैनी उन परिवारों में है जिनके बच्चे बड़े शहरों में पढ़ रहे हैं। कई अभिभावकों ने तो सोशल मीडिया रील्स देखना ही कम कर दिया है। कहीं अचानक स्क्रीन पर "पापा की परी" या "मम्मी का राजदुलारा" हाथ में तख्ती लिए ऐसे शब्द बोलता दिखाई न दे जाए जिन्हें घर में कभी सुना तक नहीं गया। डर लाजमी है। आज जो लोग प्रधानमंत्री मोदी को सार्वजनिक मंचों पर गालियां दे रहे हैं, क्या कल वही पैदा करने के "अपराध" में अपने माता-पिता को भी नहीं लताड़ेंगे? लड़के-लड़कियों के हाथों में पकड़े कार्टबोर्ड पर लिखी भाषा ने मम्मियों और पापाओं को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि कल कहीं यही शब्द उनके हिस्से भी न आ जाएं। डर अब कल्पना नहीं, संभावना बन चुका है। डर के आगे जीत है... जीतो! "काढ़ो बाप रो नाम!"

लेकिन यह सब आज का नहीं है। यह बरसों से जमा होता आ रहा आक्रोश है, विसंगतियों से उपजी कुंठा है, जिसे किसी न किसी रूप में बाहर आना ही था। इसलिए इसे केवल राजनीतिक घटना मानकर टाल देना पर्याप्त नहीं होगा। असल डर इस बात का नहीं है कि गालियां किसे दी जा रही हैं। असली चिंता यह है कि यह भाषा आई कहां से? आज जो नेता को खुलेआम अपशब्द कह सकता है, क्या कल उसी सहजता से अपने माता-पिता, शिक्षक, पड़ोसी या समाज से भी उसी भाषा में बात नहीं करेगा? यह मान लेना आसान होगा कि यह सब अचानक हुआ है। सच यह है कि यह वर्षों से जमा होते आ रहे आक्रोश, सामाजिक असंतोष, डिजिटल संस्कृति, तात्कालिक प्रसिद्धि की भूख और संवाद के गिरते स्तर का मिश्रण है। आंदोलन तो केवल उसका मंच बन गया।

सवाल किसी एक दल या एक नेता का नहीं, उस सामाजिक मानस का है जो असहमति व्यक्त करने के लिए अब भाषा की सारी मर्यादाएं तोड़ने लगा है। यही कारण है कि घर-घर में चर्चा केवल आंदोलन की नहीं, जेन-जी की हो रही है। राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन यदि अगली पीढ़ी संवाद की जगह गाली को अभिव्यक्ति का सबसे प्रभावी माध्यम मानने लगे तो चिंता केवल सत्ता की नहीं, पूरे समाज की होनी चाहिए।

घर-घर में एक ही चर्चा है क्या सचमुच यही जेन-जी है? विडंबना यह भी है कि जो लोग स्वयं रोजमर्रा की बातचीत में गालियों का भरपूर प्रयोग करते हैं, वे भी इस नई शब्दावली से हैरान हैं। उन्हें लग रहा है कि गालियों का भी अब नया संस्करण आ गया है, जिसकी प्रस्तुति, आत्मविश्वास और सार्वजनिकता सब कुछ अलग है। भेजा तो बच्चों को पढ़ने था, लेकिन वे भाषा का कौन-सा पाठ पढ़कर लौटे? अब हाल यह है कि कई अभिभावक सुबह-सुबह बच्चों को संस्कार, सुभाषित और प्रेरक रील्स भेज रहे हैं। मानो वर्षों की उपेक्षा की भरपाई कुछ व्हाट्सऐप संदेशों से हो जाएगी। लेकिन सच यह है कि कुएं में भांग पड़ने के बाद खुमारी तो चढ़ेगी ही। इस पूरे प्रसंग का सबसे गंभीर प्रश्न राजनीतिक नहीं, सामाजिक है। कल सरकार बदल जाएगी। सत्ता किसी और के हाथ में होगी। आंदोलन समाप्त हो जाएगा। लेकिन बच्चे हमारे ही रहेंगे, परिवार हमारे ही रहेंगे और समाज भी हमारा ही रहेगा।

जब व्यवहार बिगड़ेगा तो उंगली अंततः माता-पिता पर ही उठेगी "संस्कार क्यों नहीं दिए?" मगर संस्कार भाषणों से नहीं, घर के वातावरण, संवाद और अनुकरण से बनते हैं। यदि समाज स्वयं असहमति की भाषा को गाली में बदल देगा, तो अगली पीढ़ी उसे ही सामान्य मानेगी। मनोविज्ञान भी कहता है कि आक्रामक भाषा अक्सर भीतर की कुंठा, असुरक्षा और असंतोष की अभिव्यक्ति होती है। यदि ऐसा है, तो यह केवल राजनीति का संकट नहीं, समाज का भी संकट है।सुना है आंदोलन में शामिल युवाओं की पहचान और डिजिटल गतिविधियों का विश्लेषण भी किया जा रहा है। यदि ऐसा है तो उसके सामाजिक और पारिवारिक परिणाम भी सामने आएंगे। राजनीतिक दल अपने-अपने लाभ-हानि का हिसाब लगा लेंगे, लेकिन परिवारों के सामने खड़े प्रश्न चुनावी नतीजों से हल नहीं होंगे। आखिरकार, हर समाज को यह तय करना पड़ता है कि वह अपनी अगली पीढ़ी को केवल विरोध करना सिखाना चाहता है, या विरोध की भाषा भी।

मेष: सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा।

वृषभ: परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा।

मिथुन: विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी।

कर्क: पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से कार्य सफल होगें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग मिलेगा।

सिंह: दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें।

कन्या: रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे।

तुला: संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंग। आलस्य का त्याग करें।

वृश्चिक: कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी।

धनु: मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा।

मकर: शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी।

कुंभ: विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं।

मीन: क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती है। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबारी उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोगो को आश्चर्य में डाल देगें।

नामत्सोः तिब्बत की 'स्वर्गीय झील', जहां प्रकृति, आस्था और संस्कृति का अद्भुत संगम

● ओमप्रकाश सिंह

तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में ल्हासा से लगभग 240 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम स्थित नामत्सो झील केवल एक प्राकृतिक जलाशय नहीं बल्कि तिब्बती संस्कृति, बौद्ध आस्था और वैज्ञानिक शोध का महत्वपूर्ण केंद्र है। तिब्बती भाषा में 'ग्नाम त्सो' कहलाने वाली इस झील का अर्थ 'स्वर्गीय झील' है। इसे तिब्बत की सबसे पवित्र झीलों में गिना जाता है और हर वर्ष हजारों श्रद्धालु यहां आध्यात्मिक साधना और तीर्थयात्रा के लिए पहुंचते हैं।

समुद्र तल से करीब 4,718 मीटर की ऊंचाई पर स्थित नामत्सो दुनिया की सबसे ऊंचाई पर स्थित बड़ी खारे पानी की झीलों में शामिल है। लगभग 1,920 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली यह झील करीब 70 किलोमीटर लंबी और 30 किलोमीटर चौड़ी है। इसकी अधिकतम गहराई लगभग 125 मीटर है। झील को मुख्य रूप से न्येनचेन तांगला पर्वतमाला से आने वाले हिमनदों के पिघले

पानी और मौसमी जलधाराओं से जल मिलता है। नामत्सो का प्राकृतिक सौंदर्य इसे एशिया के सबसे आकर्षक स्थलों में स्थान दिलाता है। नीले जल, बर्फ से ढंके पर्वत, विस्तृत घास के मैदान और गर्मियों में खिलने वाले जंगली फूल यहां की पहचान हैं। सर्दियों में पूरी झील बर्फ की मोटी चादर से ढंक जाती है।

कठोर जलवायु के बावजूद यह क्षेत्र जैव विविधता से समृद्ध है। यहां तिब्बती हिरण, कियांग, नीली भेड़, हिमालयी मर्मोट और तिब्बती लोमड़ी जैसे दुर्लभ वन्यजीव पाए जाते हैं। झील के आसपास की आर्द्रभूमि बार-हेडेड गूज, रड्डी शेलडक, ब्राउन-हेडेड गल और संकटग्रस्त ब्लैक-नेक्ड क्रेन जैसे प्रवासी पक्षियों का भी महत्वपूर्ण आवास है।

नामत्सो सदियों से तिब्बती घुमंतू समुदाय 'द्रोकपा' का निवास क्षेत्र रहा है। इनकी आजीविका याक, भेड़ और बकरियों के पालन पर आधारित है। पारंपरिक याक के बालों से बने तंबू, मक्खन वाली चाय, ऊनी वस्त्र और पशुपालन यहां की सांस्कृतिक पहचान हैं।

तिब्बती बौद्ध धर्म में नामत्सो को चार प्रमुख पवित्र झीलों में गिना जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि झील की परिक्रमा और यहां प्रार्थना करने से पापों का नाश होता है तथा आध्यात्मिक पुण्य की प्राप्ति होती है। लगभग 70 से 80 किलोमीटर लंबी 'नामत्सो कोरा' परिक्रमा को अनेक श्रद्धालु कई दिनों में पैदल पूरी करते हैं, जबकि कुछ श्रद्धालु दंडवत प्रणाम करते हुए पूरी यात्रा संपन्न करते हैं। तिब्बती पंचांग के अनुसार 'भेड़ वर्ष' में, जो हर 12 वर्ष में आता है, यहां हजारों श्रद्धालु एकत्र होते हैं।

बौद्ध धर्म के आगमन से पहले भी यह झील बोन धर्म के अनुयायियों के लिए अत्यंत पवित्र मानी जाती थी। बाद में तिब्बती बौद्ध परंपरा ने इन मान्यताओं को अपने धार्मिक दर्शन में समाहित कर लिया। झील के निकट स्थित न्येनचेन तांगला पर्वत को नामत्सो का दिव्य सहचर माना जाता है।

नामत्सो के द्वीपों और चट्टानों पर स्थित गुफाओं और आश्रमों में बौद्ध भिक्षु लंबे समय तक ध्यान और साधना करते रहे हैं। ऐतिहासिक विवरण बताते हैं कि कई साधक पूरी गर्मियां इन निर्जन द्वीपों पर बिताते थे और सर्दियों में झील जमने के बाद ही वापस लौटते थे। धार्मिक महत्व के साथ-साथ नामत्सो वैज्ञानिक अनुसंधान का भी प्रमुख केंद्र बन चुका है। नामत्सो मल्टीस्फीयर ऑब्जर्वेशन एंड रिसर्च स्टेशन के वैज्ञानिक यहां जलविज्ञान, जलवायु, हिमनदों और पारिस्थितिकी तंत्र पर लगातार अध्ययन कर रहे हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार तापमान में वृद्धि, वर्षा के बदलते स्वरूप और तेजी से पिघलते हिमनदों का असर झील के जलस्तर और पूरे तिब्बती पठार की जल प्रणाली पर दिखाई दे रहा है।

हाल के वर्षों में पर्यटन बढ़ने से नामत्सो तक पहुंच आसान हुई है। ताशी दोर प्रायद्वीप पर्यटकों के लिए प्रमुख प्रवेश द्वार बन चुका है। हालांकि पर्यटकों की बढ़ती संख्या के कारण कचरा प्रबंधन, प्राकृतिक आवास की सुरक्षा और नाजुक पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण जैसी चुनौतियां भी सामने आई हैं। क्षेत्रीय प्रशासन ने पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए कई संरक्षण उपाय लागू किए हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि नामत्सो केवल एक झील नहीं, बल्कि तिब्बत की प्राकृतिक विरासत, सांस्कृतिक परंपरा, धार्मिक आस्था और पर्यावरणीय महत्व का जीवंत प्रतीक है। यही कारण है कि यह झील आज भी दुनिया भर के श्रद्धालुओं, पर्यटकों और वैज्ञानिकों के लिए समान रूप से आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

बिजली कर्मचारियों का शक्ति प्रदर्शन

निजीकरण और स्मार्ट मीटर के विरोध में सरकार को दी तीन दिवसीय हड़ताल की चेतावनी

अशोक कुमार, हरियाणा मेल

हिसार। हरियाणा सरकार की बिजली क्षेत्र से जुड़ी नीतियों के विरोध में बुधवार को हिसार में हजारों बिजली कर्मचारियों और इंजीनियरों ने जोरदार रोष प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में विभिन्न कर्मचारी संगठनों के अलावा किसान, मजदूर, व्यापारी, महिला प्रतिनिधि, नागरिक मंच, मुस्लिम कल्याण समिति, विकलांग अधिकार मंच और सेवानिवृत्त कर्मचारी भी शामिल हुए।

प्रदर्शन की संयुक्त अध्यक्षता हरियाणा पावर इंजीनियर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष बलजीत बेनीवाल और एचएसईबी सर्किल सचिव अनिल पहल ने की। कर्मचारी राजगढ़ रोड स्थित अधीक्षक अभियंता कार्यालय से रैली निकालते हुए लघु सचिवालय पहुंचे, जहां उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

वक्ताओं ने आरोप लगाया कि गुरुग्राम-नूंह में प्राइवेट लाइसेंसी लागू करने और अलग कृषि वितरण निगम बनाने से बिजली क्षेत्र के निजीकरण को बढ़ावा मिलेगा। इससे आम उपभोक्ताओं, किसानों और कर्मचारियों पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा तथा बिजली दरों में वृद्धि की आशंका है। उन्होंने स्मार्ट मीटर योजना का भी विरोध करते हुए इसे जनविरोधी बताया।

राज्य कैशियर सुरेंद्र यादव और पावर इंजीनियर महासचिव रविंद्र घणघस ने कहा कि सरकार यदि निजीकरण और कृषि वितरण निगम बनाने का फैसला वापस नहीं लेती है तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिजली निगमों की किसी भी संपत्ति का निजीकरण नहीं होने दिया जाएगा।

संयुक्त मोर्चा ने घोषणा की कि 3 से 5 अगस्त तक प्रदेशभर में यूनिट स्तर पर विरोध प्रदर्शन और कन्वेंशन आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद 6 से 8 अगस्त तक सभी सब-डिवीजनों में प्रदर्शन होंगे, जबकि 10 अगस्त को किसान संगठनों और ट्रेड यूनियनों के आंदोलन में भाग लिया जाएगा। यदि मांगें नहीं मानी गईं तो 11, 12 और 13 अगस्त को पूरे हरियाणा में बिजली कर्मचारी और इंजीनियर तीन दिवसीय राज्यव्यापी हड़ताल करेंगे। कर्मचारियों ने नए कृषि वितरण निगम का गठन रोकने, स्मार्ट मीटर और प्राइवेट लाइसेंसी योजना वापस लेने, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, पुरानी पेंशन बहाल करने और खाली पदों पर नियमित भर्ती सहित कई मांगें सरकार के सामने रखीं।

पश्चिमी यमुना नहर में डूबे दोनों दोस्तों के शव बरामद

हरियाणा मेल, एजेंसी

यमुनानगर। यमुनानगर जिले के बुडिया क्षेत्र स्थित पश्चिमी यमुना नहर में नहाते समय लापता हुए दो युवकों के शव बरामद होने के साथ ही कई दिनों से चल रहा तलाश अभियान समाप्त हो गया। दोनों मृतक जगाधरी क्षेत्र के निवासी थे। वे विवाहित थे और अपने पीछे दो-दो छोटे बच्चों का परिवार छोड़ गए हैं। बुधवार को दूसरे युवक के शव का पोस्टमार्टम पूरा होने के बाद दोनों शव परिजनों को सौंप दिए गए। पुलिस और परिजनों के अनुसार, शनिवार शाम तीन मित्र बुडिया के समीप पश्चिमी यमुना नहर में नहाने पहुंचे थे। इस दौरान अमित और रोहित पानी में उतर गए, जबकि उनका तीसरा साथी किनारे पर ही मौजूद रहा। नहाते समय एक युवक गहरे पानी में फंस गया। उसे बचाने के प्रयास में दूसरा युवक भी नहर में कूद पड़ा, लेकिन तेज बहाव के कारण दोनों पानी में समा गए। तीसरे साथी ने तत्काल शोर मचाकर आसपास के लोगों को एकत्र किया और पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन अंधेरा होने के कारण उसी रात अभियान शुरू नहीं किया जा सका। अगले दिन से लगातार खोजबीन जारी रही। सोमवार को अमित का शव चिट्टा मंदिर के निकट नहर से बरामद हुआ। वहीं तेज बहाव में बहता हुआ रोहित का शव करनाल जिले के इंद्री क्षेत्र तक पहुंच गया। बुधवार को पोस्टमार्टम की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। परिजनों ने बताया कि रोहित वर्कशॉप क्षेत्र में अपनी दुकान चलता था, जबकि अमित भी उसी के साथ कार्य करता था।

भय व डर दिखाकर व्यापारियों को किया जा रहा नाजायज तंग: बजरंग

हरियाणा मेल, एजेंसी

सिरसा। हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने कहा कि जीएसटी विभाग के कुछ सरकारी अधिकारी अपने निजी स्वार्थ के लिए व्यापारियों को नाजायज तंग कर रहे हैं। हरियाणा में जगह-जगह चेकिंग का डर दिखा कर व्यापारियों से पैसे ऐंठने का काम किया जा रहा है। जीएसटी विभाग के अधिकारियों के खिलाफ प्रदेश के व्यापारियों में बड़ा भारी रोष है।

केंद्र व प्रदेश सरकार को जीएसटी विभाग के जो भी भ्रष्ट अधिकारी है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। गर्ग बुधवार को सिरसा में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। बजरंग गर्ग ने कहा कि व्यापारी व उद्योगपति हर राज्य की रीढ़ की हड्डी होती है, अगर व्यापारी व उद्योगपति भय के वातावरण में काम करेगा तो निवेश, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों में गलत प्रभाव पड़ेगा।

सरकार को भ्रष्ट अधिकारियों पर नकेल डालनी चाहिए, ताकि व्यापारी बिना डर के व्यापार कर सकें। साथ ही उन्होंने कहा कि व्यापार मंडल टैक्स चोरी, फर्जी बिलिंग करने वालों के खिलाफ है, मगर ईमानदार व्यापारी व उद्योगपतियों को नाजायज तंग करना सरासर गलत है। उन्होंने कहा कि कुछ भ्रष्ट अधिकारियों द्वारा व्यापारियों का शोषण करने से व्यापारियों में भारी नाराजगी है जिसे किसी कीमत पर सहन नहीं किया जाएगा अगर जीएसटी विभाग के अधिकारियों ने निजी स्वार्थ के लिए प्रदेश के व्यापारियों को नाजायज तंग किया तो उसके खिलाफ व्यापार मंडल सडक़ों पर आंदोलन करेगा। बजरंग गर्ग ने कहा कि हरियाणा में लगातार अपराध बढ़ रहा है। अपराधी खुले आम व्यापारी व उद्योगपतियों से फिरौती, मंथली, लूटपाट व हत्याओं की वारदातें कर रहे हैं, जिसके कारण प्रदेश का व्यापारी अपनी जान माल की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से भयभीत है। सरकार को अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए कठोर से कठोर कदम उठाने की जरूरत है। इस मौके पर जिला प्रधान हीरालाल शर्मा, आनंद बियानी, अंजनी कनोडिया, कीर्ति गर्ग, अनिल सर्राफ, सुरेश गोयल, विमल स्वामी,अरुण जैन आदि मौजूद रहे।

खबरें फटाफट

स्काउट मास्टर आनंद प्रकाश कारगवाल बने हरियाणा संयोजक

सिरसा। रामकृष्ण सेवा फाउंडेशन, अयोध्या ने शिक्षा विभाग में राजकीय माध्यमिक विद्यालय चौबुर्जा सिरसा में कार्यरत आनंदप्रकाश कारगवाल को भारत स्काउट एवं गाइड के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना, सेवाभाव व देशभक्ति की भावना से किए गए कार्यों के लिए हरियाणा संयोजक नियुक्त किया है। फाउंडेशन के अध्यक्ष आकाश गुप्ता ने उनकी नियुक्ति करते हुए कहा कि उन्होंने नियमित रक्तदान के कार्यों से आमजन को भी रक्तदान जैसे पुण्यात्मक कार्यों के प्रति प्रेरित किया है। अब इसी कड़ी में उन्हें आगामी 11 से 13 सितंबर को अयोध्या में तीन दिवसीय रक्तदान महोत्सव में हरियाणा का संयोजक नियुक्त किया है। संगठन की ओर से उन्हें हरियाणा संयोजक नियुक्त होने पर अनेक शिक्षकों ने उन्हें बधाई दी है।

चोरी हुई कार बहादुरगढ़ से बरामद, तीन आरोपी गिरफ्तार

हिसार। हिसार पुलिस ने वाहन चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए चोरी हुई किआ सेल्टोस कार बरामद कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सिद्धान्त जैन के निर्देशन में वाहन चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत चौकी अर्बन एस्टेट पुलिस ने की। पुलिस के अनुसार, 27 जुलाई को गांव पेटवाड़ निवासी अशोक ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसका परिचित पवन कुमार अपनी किआ सेल्टोस कार उसके किराये के मकान पर खड़ी कर गया था। कुछ दिन बाद कार गायब मिली, जिसके बाद थाना अर्बन एस्टेट में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पता चला कि कार में जीपीएस सिस्टम लगा हुआ है। जीपीएस की मदद से कार की लोकेशन बहादुरगढ़ में मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और कार के पास मौजूद विजय कुमार निवासी नूरन खेड़ा (सोनीपत), कपिल उर्फ छोटू निवासी कारोर (रोहतक) तथा कुश मलिक निवासी सेक्टर-6, बहादुरगढ़ को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी हुई किआ सेल्टोस कार बरामद कर ली। पूछताछ के दौरान आरोपी विजय कुमार की निशानदेही पर कार की डुप्लीकेट आरसी, दो खाली चेक और बीमा संबंधी दस्तावेज भी बरामद किए गए। पुलिस ने मामले में बीएनएस की अतिरिक्त धाराएं भी जोड़ दी हैं। आरोपियों से पूछताछ जारी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि उनका संबंध किसी संगठित वाहन चोरी गिरोह से है या नहीं।

जिंदल पार्क में महिला ने निगला जहरीला पदार्थ, मौत

हिसार। बस स्टैंड के समीप स्थित जिंदल पार्क में बुधवार को एक 32 वर्षीय महिला की जहरीला पदार्थ निगलने से मौत हो गई। मृतका की पहचान विजय नगर निवासी अंजू के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। महिला के शव के पास से सल्फास की गोलियां भी बरामद हुई हैं, जिसके आधार पर प्रारंभिक जांच में जहरीला पदार्थ खाने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हिसार के सिविल अस्पताल भिजवा दिया है। अधिकारियों के अनुसार मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। घटनास्थल पर पहुंचे परिजनों ने अंजू द्वारा आत्महत्या किए जाने पर संदेह जताया। उनका कहना है कि अंजू अपने 12 वर्षीय बेटे के भविष्य को लेकर हमेशा चिंतित रहती थी और उसी की पढ़ाई के लिए स्टेशनरी की दुकान पर नौकरी करती थी। पति की मृत्यु के बाद वह मायके में रह रही थी। परिजनों का कहना है कि अंजू ने कभी किसी तरह के तनाव या आत्महत्या जैसा कदम उठाने की बात नहीं कही थी। पुलिस अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच आगे बढ़ा रही है।

12वीं की टॉपर बनी कॉलेज की ब्रांड एम्बेसडर

हरियाणा मेल, एजेंसी

फतेहाबाद। सीबीएसई 12वीं की परीक्षा में 99.4 प्रतिशत अंक हासिल कर देशभर में फतेहाबाद का नाम रोशन करने वाली मेधावी छात्रा काव्या चौधरी को मनोहर मेमोरियल कॉलेज, फतेहाबाद ने अपनी 'ब्रांड एम्बेसडर' नियुक्त किया है। बुधवार को कॉलेज परिसर स्थित अमरजीत कौर सेमिनार हॉल में आयोजित समारोह के दौरान काव्या चौधरी का विशेष रूप से अभिनंदन एवं सम्मान किया गया। समारोह में एमएम एजुकेशन सोसायटी के प्रधान राजीव बत्रा ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि काव्या चौधरी की आगामी उच्च शिक्षा के दौरान होने वाला संपूर्ण खर्च एमएम एजुकेशन सोसायटी द्वारा वहन किया जाएगा।

काव्या चौधरी को बधाई देते हुए एमएम एजुकेशन सोसायटी के प्रधान राजीव बत्रा व कोषाध्यक्ष कैलाश बत्रा ने कहा कि कॉलेज प्रशासन और प्रबंध समिति का हमेशा से यह प्रयास रहा है कि शिक्षा व अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को उचित मंच व सम्मान प्रदान किया जाए।

उन्होंने कहा कि प्रतिभाएं किसी परिचय की मोहताज नहीं होतीं, लेकिन जब उन्हें सही समय पर प्रोत्साहन मिलता है तो वे सफलता के नए आयाम स्थापित करती हैं। काव्या की यह उपलब्धि क्षेत्र के अन्य छात्र-छात्राओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। समारोह में मंच से उपस्थित विद्यार्थियों व गुरुजनों को संबोधित करते हुए काव्या चौधरी ने कॉलेज प्रबंधन का आभार जताया। काव्या ने कहा, एमएम कॉलेज द्वारा मुझे ब्रांड एम्बेसडर बनाना और यह सम्मान देना मेरे लिए बेहद गौरव की बात है। कई बार लोग कहते हैं कि छोटे शहरों या सामान्य पृष्ठभूमि से बड़ी सफलता हासिल करना कठिन है, लेकिन अगर नीयत साफ हो और मेहनत सच्ची हो, तो कोई भी व्यक्ति आईएएस, डॉक्टर या किसी भी मुकाम तक पहुंच सकता है। अपनी सफलता का मंत्र साझा करते हुए काव्या ने कहा कि पढ़ाई में कंसिस्टेंसी और बेसिक कॉन्सेप्ट्स का मजबूत होना बेहद जरूरी है। यदि आप 10 प्रतिशत निष्ठा के साथ मेहनत करेंगे तो ईश्वर आपको 11 प्रतिशत परिणाम देगा।

स्मैक के साथ बाइक सवार युवक व युवती गिरफ्तार

हरियाणा मेल, एजेंसी

जींद। सीआईए स्टाफ नरवाना ने हिसार रोड पर निजी स्कूल के निकट बाइक सवार युवक तथा युवती को काबू कर उनके कब्जे से 10.80 ग्राम स्मैक बरामद की है। शहर थाना नरवाना पुलिस दोनों आरोपितों से पूछताछ कर रही है। सीआईए प्रभारी सुखदेव सिंह ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि सीआईए स्टाफ नरवाना की सूचना मिली थी कि हांसी निवासी प्रदीप तथा नरवाना निवासी नेहा नशीले पदार्थ बेचने का कार्य करते हैं। दोनों नशीले पदाथ स्पलाई करने के हिसार रोड पर जाने वाले हैं। जिसके आधार पर पुलिस ने निजी स्कूल के निकट नाकेबंदी कर नरवाना की तरफ से आने वाले वाहनों पर नजर रखनी शुरू कर दी। कुछ समय के बाद नरवाना की तरफ से बाइक सवार युवक तथा युवती आते दिखाई दिए। जिन्होंने सामने नाकेबंदी देख कर वापस बाइक को मोडऩे की कोशिश की तो पुलिस कर्मियों ने पीछा कर उन्हें काबू कर लिया। पुलिस कर्मियों ने बाइक तथा युवक की तलाशी ली तो उसमें कुछ नही मिली। जब युवती की तलाशी ली गई तो उसकी चुन्नी के कोने पर गांठ बंधी दिखाई दी। जिसे खोल कर जांच करने वह स्मैक पाई गई।

बड़ा हादसा टला, एलपीजी से भरे टैंकर से गैस रिसाव

हरियाणा मेल ब्यूरो

हिसार। हिसार रेलवे स्टेशन पर बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब पंजाब से बहादुरगढ़ जा रही एलपीजी से भरी मालगाड़ी के एक टैंकर से गैस रिसाव होने का पता चला। रेलवे कर्मचारियों ने सुबह करीब 8 बजे रिसाव की जानकारी मिलते ही तत्काल कार्रवाई करते हुए टैंकर को ट्रेन से अलग कर सूर्यनगर फाटक के पास अपेक्षाकृत सुरक्षित स्थान पर खड़ा कर दिया, ताकि किसी भी संभावित हादसे से बचा जा सके।

घटना की सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारी, आरपीएफ, जीआरपी, जिला पुलिस, फायर ब्रिगेड और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गईं। एहतियात के तौर पर पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए बठिंडा और जींद से रेलवे की टेक्निकल टीमें भी हिसार बुलाई गईं।

जांच में सामने आया कि टैंकर के ऊपरी हिस्से पर बने ढक्कन से गैस का रिसाव हो रहा था। विशेषज्ञों ने करीब ढाई से तीन घंटे तक लगातार प्रयास कर रिसाव को पूरी तरह नियंत्रित कर लिया। संबंधित टैंकर में लगभग 37 टन एलपीजी गैस भरी हुई थी।

रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) अमित सुदर्शन ने बताया कि सूचना मिलते ही रेलवे ने तत्काल कार्रवाई की और रिसाव पर काबू पा लिया गया।

अवैध निर्माण पर डीटीपी का शिकंजा, हाईवे किनारे संचालित अवैध होटल सील

हरियाणा मेल, एजेंसी

हिसार। जिला नगर योजनाकार (डीटीपी) विभाग ने अवैध निर्माण और बिना विभागीय अनुमति के संचालित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बरवाला क्षेत्र के गांव बहबलपुर तथा तलवंडी राणा के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर संचालित एक अवैध होटल को सील कर दिया। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध होटल, ढाबे, कॉलोनियों और अन्य गैरकानूनी निर्माणों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। डीटीपी विभाग के अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि संबंधित होटल नियंत्रित क्षेत्र में बिना भूमि उपयोग परिवर्तन (सीएलयू) की अनुमति और विभागीय एनओसी के बनाए और संचालित किए जा रहे थे, जो नियमानुसार पूरी तरह अवैध है। विभाग ने बताया कि कार्रवाई से पहले संबंधित भू-स्वामियों को कारण बताओ नोटिस तथा सीलिंग नोटिस जारी किए गए थे। इसके बावजूद संचालकों ने विभागीय निर्देशों की अनदेखी करते हुए व्यावसायिक गतिविधियां जारी रखीं। इसके बाद विभाग ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए होटल परिसर को सील कर दिया।

षड्यंत्रकारी शिक्षिका सहित 4 को भेजा मानहानि का नोटिस

हरियाणा मेल ब्यूरो

हिसार। हाल ही में चर्चा में रहे सरकारी स्कूल प्रकरण में नया मोड़ आ गया है। सम्मानित शिक्षक पर लगाए गए आरोप पुलिस जांच में असत्य पाए जाने तथा शिकायतकर्ता शिक्षिका के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 182 के तहत मामला दर्ज होने के बाद अब संबंधित शिक्षक ने आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। शिक्षक ने अपने अधिवक्ता राजेश श्योकंद के माध्यम से कथित रूप से उनके विरुद्ध षड्यंत्र रचने, झूठे आरोप लगाने और उनकी सामाजिक व व्यावसायिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के आरोप में एक महिला शिक्षिका, एक मौलिक मुख्याध्यापक सहित कुल चार व्यक्तियों को मानहानि का कानूनी नोटिस भेजा है। अधिवक्ता द्वारा भेजे गए नोटिस में सभी संबंधित पक्षों को 15 दिनों के भीतर अपना जवाब प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया है। नोटिस में कहा गया है कि निर्धारित अवधि में संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर उनके विरुद्ध सक्षम न्यायालय में मानहानि का वाद दायर किया जाएगा। शिक्षक ने बताया कि वह एक सम्मानित शिक्षक होने के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में भी अपनी पहचान रखते हैं। उनके अनुसार झूठे आरोपों के कारण उनकी व्यक्तिगत, सामाजिक एवं पेशेवर प्रतिष्ठा को गंभीर क्षति पहुंचाने का प्रयास किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस की जांच रिपोर्ट में भी उनके विरुद्ध लगाए गए आरोप सही नहीं पाए गए। शिक्षक ने बताया कि उन्होंने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष एवं विस्तृत जांच कराने के लिए जिला शिक्षा विभाग को भी लिखित रूप से अनुरोध किया है।

भाजपा ने बनाई समरसता संकल्प की रणनीति

हरियाणा मेल, एजेंसी

फतेहाबाद। भाजपा द्वारा संत शिरोमणि संत रविदास जी की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में समरसता संकल्प अभियान की शुरुआत की जा रही है। यह विशेष अभियान 29 जुलाई 2026 से 20 फरवरी 2027 तक चलेगा। अभियान के जरिए जिलेभर में सामाजिक समरसता, समानता, न्याय और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान को बूथ स्तर तक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से बुधवार को भाजपा जिला कार्यालय में कार्यशाला एवं संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीन जोड़ा ने की।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष प्रवीन जोड़ा ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में पार्टी संत रविदास जी के संदेशों को जन-जन तक पहुंचा रही है। संत रविदास जी ने सिखाया कि कोई भी व्यक्ति जन्म से छोटा या बड़ा नहीं होता, बल्कि उसकी वास्तविक पहचान कर्मों और मानवता के प्रति प्रेम से होती है। जातिवाद और छुआछूत को मिटाने के लिए उनका योगदान अतुलनीय है।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक दुड़ाराम ने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि यह अभियान केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को जोडऩे और सामाजिक सौहार्द को प्रगाढ़ करने का संकल्प है। वहीं, जिला प्रभारी सुरेंद्र आर्य ने बताया कि अभियान के तहत गांव-गांव और शहर-शहर जाकर संत रविदास जी के विचारों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। बैठक में चेयरमैन प्रो. रविंद्र बलियाला, जिला उपाध्यक्ष जगदीश शर्मा, नगर परिषद वाईस चेयरमैन सविता टुटेजा, जिला परिषद चेयरमैन सुमन खिचड़, जिला महामंत्री अशोक जाखड़ व सुभाष खिचड़, पूनम सिंगला, लखमी शर्मा, रामकुमार मेहरा, शम्मी धींगड़ा, सुभाष साहू, विक्रम शर्मा, रणजीत ओड तथा जिला मीडिया प्रभारी कंवल चौधरी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ईवीएम हटाने को लेकर चला हस्ताक्षर अभियान

विश्व के कई बड़े देश ईवीएम बंद करके बैलेट पेपर से चुनाव करवाते हैं तो भारत में क्यों नहीं : रोजश हिंदुस्तानी

महेंद्र गोयल, हरियाणा मेल

हिसार। जागो मानव बनो इंसान संस्था के अध्यक्ष व सामाजिक कार्यकर्ता गंगापुत्र राजेश हिंदुस्तानी ने देश भर में ईवीएम हटाओ, बैलेट पेपर से चुनाव करवाओ को लेकर कोर्ट परिसर में हस्ताक्षर अभियान चलाया जिसमें बड़ी संख्या में एडवोकेटस व आम लोगों ने हस्ताक्षर किये। वकीलों ने राजेश हिंदुस्तानी की इस मुहिम को देश हित में बताया और ईवीएम बंद करके बैलेट पेपर से चुनाव पर सहमति जताई। उल्लेखनीय है कि राजेश हिंदुस्तानी पिछले 15 सालों से अपने हाथों में रोजाना तिरंगा उठाकर घर से राष्ट्र प्रेम व जन जागरण हेतु निकलते हैं तथा 35 वर्षों से जनहित के अनेकों असंभव काम किये हैं। वे किसी पार्टी या पक्ष में नहीं और न ही किसी के खिलाफ। सरकार के अच्छे कामों स्वच्छ भारत, कन्या भूरण हत्या के खिलाफ तिरंगा अभियान आदि कई मौकों पर सरकार का साथ दिया।

संविधान व गांधीवादी तरीके से अनशन-धरने करके शासन-प्रशासन से लोगों की लड़ाई लडक़र उन्हें इंसाफ दिलाया और तिरंगे व संविधान के मूल्यों, आदर्शों व सिद्धांतों का जीवन जीया। तन, मन व धन देश को समर्पित किया। पूरा देश उनका परिवार है। कुछ गलत होता देखते हैं तो वो उसके खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करते हैं। राजेश हिंदुस्तानी ने बताया कि भाजपा के 12 साल के शासन में चुनाव आयोग सरकार के पक्ष में काम करता दिखता है। न विपक्ष की सुनता और न ही जनता की। जनता का भरोसा चुनाव आयोग ने खोया है और विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र व संविधान का पूरी दुनिया में घोर अपमान किया है। महात्मा गांधी, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस आदि अनेक शहीदों के सपनों को कुचल दिया क्योंकि जनता का भरोसा ही सर्वोपरि है। ईवीएम के गलत साबित होने के कई बार मामले आये। कोर्टों में भी गये पर फैसले गलत हुए। ईवीएम में बड़ी धांधली व गड़बड़ी के मामले आये। अनपढ़ लोगों को भी पता है कि फेक न्यूज व इलेक्ट्रोनिक चीजों में कुछ भी गड़बड़ी संभव है। प्रजातंत्र में वोट डालने का सबको अधिकार है।

वोट किसको गया, ये जानने का भी अधिकार है। जब सरकार की लोकप्रियता है तो बैलेट पेपर से चुनाव करवाने में डर क्यों। ईवीएम में सोर्स कोड़ छुपाते हैं, वीवीपेट की पर्ची पांच जगह होती है। कई घंटे ईवीएम इधर-उधर होना, बैटरी 99 प्रतिशत होना, चिप का विदेशों से आना, शक के घेरे में है।

गुरु पूर्णिमा पर राजकीय स्कूल को भेंट किया वाटर कूलर

महेंद्र सिंह, हरियाणा मेल

चोपटा। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय (GMSPS) कागदाना में सेवा, संस्कार और गुरु सम्मान का प्रेरणादायी आयोजन हुआ। इस अवसर पर समाजसेवी श्रीमती प्रेमलता जी एवं उनके सुपुत्र दीपक मोदी ने विद्यालय के विद्यार्थियों की सुविधा के लिए एक वाटर कूलर भेंट कर शिक्षा और समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य श्री रामतीर्थ जी एवं आचार्य बलराम जी द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया गया। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को गुरु पूर्णिमा के महत्व का संकल्प दिलाया तथा विधिवत पूजा-अर्चना के पश्चात प्रेमलता जी एवं दीपक मोदी के कर कमलों से विद्यालय को वाटर कूलर समर्पित कराया। इस दौरान वातावरण वैदिक मंत्रों और गुरु वंदना से भक्तिमय हो गया। विद्यालय प्रभारी सुभाष चंद्र कुंडू ने मोदी परिवार के इस सराहनीय योगदान के लिए उनका हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक सहयोग से विद्यालयों में विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध होती हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी मोदी परिवार का विद्यालय के प्रति यही स्नेह, सहयोग और समर्पण बना रहेगा। कार्यक्रम के दौरान एसएमसी प्रधान राजबीर सिंह एवं पूर्व प्रधान ताराचंद ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि गुरु के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है।

बिजली कर्मचारी एवं इंजीनियर संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने किया प्रदर्शन

आशुतोष गौतम, हरियाणा मेल

करनाल। हरियाणा बिजली कर्मचारी एवं इंजीनियर संयुक्त संघर्ष मोर्चा के बैनर तले बिजली कर्मचारियों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। राजीव गांधी विद्युत सदन सेक्टर 12 करनाल सर्कल में मीटिंग करने के बाद जिला सचिवालय तक कर्मचारी नारेबाजी करते हुए पहुंचे। यहां तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। अध्यक्षता संयुक्त रूप से युवराज राठौर हरियाणा पावर इंजीनियर एसोसिएशन, महावीर सिंह हरियाणा स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड वर्कर यूनियन, विशाल बनवाला सर्कल सचिव ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशन वर्कर यूनियन ने की। मीटिंग का संचालन गुरमीत सैनी सर्कल सचिव एचएसईबी वर्कर यूनियन और विशाल बनवाला सर्कल सचिव एएचपीसी वर्कर यूनियन ने किया। मीटिंग को मुख्य रूप से राजेंद्र राणा महासचिव ऑल हरियाणा पावर कॉरपोरेशन वर्कर यूनियन और देवेंद्र शर्मा चेयरमैन हरियाणा स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड ने संबोधित किया। यूनियन नेताओं ने हरियाणा एग्री डिस्कॉम बनाने की प्रस्तावित योजना, गुरुग्राम और नूंह में निजी बिजली वितरण लाइसेंस तथा स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से रद्द करने की मांग की। उनका कहना है कि कृषि फीडरों की व्यवस्था पहले से अलग है, इसलिए नई कंपनी बनाने की आवश्यकता नहीं है।

संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने कहा कि विभाग के अधिकारी और कर्मचारी लंबे समय से अपनी न्यायोचित मांगों की अनदेखी से परेशान हैं। कई दौर की बातचीत और ज्ञापनों के बावजूद सरकार की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इसी कारण सर्वसम्मति से 11, 12 और 13 अगस्त को प्रदेशभर में तीन दिवसीय पूर्ण हड़ताल करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि सरकार एग्री डिस्कॉम गठन की अधिसूचना जारी करती है तो यही ज्ञापन अनिश्चितकालीन हड़ताल का अग्रिम नोटिस माना जाएगा। इस अवसर पर सहायक अभियंता सुभाष पन्नू, गौरव शर्मा, वीरेंद्र सिंह, दीपक गर्ग, कार्यकारी अभियंता रवि काजल, राकेश संधू, विकास कुमार, रमेश घरौंडा, मलकीत सिंह, सीताराम, राजकुमार चौधरी, रविंद्र मान, सुरेंद्र रेड्डू, संजील, नरेंद्र पहल, राजीव राठी, सुरेंद्र कंबोज, जोगिंदर सिंह, कैलाश, युवराज, सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान सुशील गुर्जर, जिला सचिव सेवाराम और पूर्व राज्य उपप्रधान एनपी सिंह चौहान सहित सैकड़ो बिजली कर्मचारी मौजूद रहे।

राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने किया सरकारी अस्पताल का दौरा

हरियाणा मेल ब्यूरो

करनाल। हरियाणा राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष मीना परमार ने आज यहां जिला कारागार, नागरिक अस्पताल, वन स्टॉप सेंटर और महिला पुलिस थाना का दौरा कर वहां प्रदत्त सुविधाओं का जायजा लिया। जेल में महिला कैदियों/बंदियों से बातचीत की। उन्होंने नागरिक अस्पताल और जिला जेल में सफाई व्यवस्था खासकर महिला शौचालयों की हालत को दुरूस्त करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। नागरिक अस्पताल में पत्रकारों से बातचीत में श्रीमती परमार ने कहा कि आज उन्होंने जिला कारागार में महिला कैदियों/बंदियों से मुलाकात की। उनकी समस्याओं को जानने का प्रयास किया। बंदियों को जेल प्रशासन की ओर से उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, जेल से निकलने के बाद समाज की मुख्यधारा से जुडऩे के लिए की जाने वाली काउंसलिंग, डॉक्टरी सुविधा आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार की ओर से उपलब्ध कराई गई सुविधाओं का फायदा मरीजों को मिल रहा है या नहीं, इस उद्देश्य को लेकर उन्होंने सरकारी अस्पताल का दौरा किया। गर्भवती महिलाओं, ओपीडी के मरीजों से बातचीत के बाद यह पाया कि रोगी डाक्टरों की कार्यशैली से संतुष्ट हैं। उन्होंने अस्पताल में पिंक ओपीडी की सराहना करते हुए इसे महिला रोगियों के लिए अच्छा कदम बताया।

सरकार का प्रयास हर शिकायतकर्ता की समस्या का हो समाधान: श्याम सिंह राणा

हरियाणा मेल ब्यूरो

करनाल। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने बुधवार को पंचायत भवन के सभागार में कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में 13 परिवादों में से 7 मामलों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया तथा शेष 6 परिवादों की पुनः जांच उच्च अधिकारियों को सौंपी गई।

बैठक में कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा ने डीआरपी एनक्लेव कॉलोनी सेक्टर-36 के एन्क्लेव रेजिडेंट्स एवं समस्त कॉलोनी वासियों की शिकायत का मामला कोर्ट में विचाराधीन है। इस मामले पर लीगल एडवाइज ली जाएगी और कोर्ट के फैसले के बाद ही इस पर उचित कार्रवाई की जाएगी। कोपरेटिव सोसायटी द्वारा प्लाट आवंटन मामले में न्यू डीसी कॉलोनी वासी उषा रानी की शिकायत पर मंत्री ने मुख्यालय से जवाब आने के बाद डीसी द्वारा दोबारा जांच करवाई जाएगी।

नई शिकायतों में संजय निवासी गांव गंगटेहड़ी के बेटे के साथ की गई मारपीट के मामले पर मंत्री ने पुलिस विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि शेष अपराधियों को जल्द पकड़ा जाए व शिकायतकर्ता को कार्रवाई से संतुष्ट किया जाए। कैथल निवासी साहिल सिंगला द्वारा गिरिराज इंडस्ट्रीज मंजूरा द्वारा वेतन न मिलने की शिकायत पर मंत्री ने एडीसी, डीएसपी, लेबर इंस्पेक्टर व समिति के सदस्य द्वारा कमेटी गठित कर जांच करने के निर्देश दिए। करनाल सेक्टर 7 निवासी विजय कुमार के प्लॉट से नगर निगम द्वारा सड़क निकालने के मामले में मंत्री ने नगर निगम के संयुक्त आयुक्त की अध्यक्षता में तहसीलदार सेल व तहसीलदार की कमेटी द्वारा जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार सेक्टर 9 निवासी कर्मसिंह द्वारा सेक्टर 43 कमर्शियल, 43 ए व 43 बी इंडस्ट्रियल करनाल का प्लान लागू करने बारे सूचना जारी न करने और सेक्टर 43ए में जीटी रोड एनएच 44 से अंसल टाउनशिप तक डबल लेन सड़क बनाए जाने की शिकायत पर मंत्री ने कहा कि गेट बंद करने और अगली बैठक में रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए।

खबरें फटाफट

चोरी के दो मामलों का भगोड़ा आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र पुलिस ने चोरी के दो मामलों में भगोड़े आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक श्री चंद्र मोहन के कुशल मार्गदर्शन में अपराध अन्वेषण शाखा-2 की टीम ने चोरी के दो मामलों में भगोड़े आरोपी रोहित वासी इन्द्रा कालोनी शोरगिर बस्ती थानेसर जिला कुरूक्षेत्र को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी रोहित को वर्ष 2024 को थाना कृष्णा गेट में दर्ज चोरी के दो मामलों में विधी अनुसार गिरफ्तार किया गया था। माननीय अदालत की सुनवाई के दौरान आरोपी रोहित अपनी तारीख पेशी से गैर हाजिर हो गया था। जिस पर माननीय अदालत अनमोल कक्कड़ जेएमआईसी कुरुक्षेत्र की अदालत द्वारा आरोपी को दिनांक 11 मई 26 तथा 27 मई 26 को पीओ घोषित किया गया था। जिस सबंध मे पुलिस द्वारा आरोपी की तलाश की जा रही थी। 29 जूलाई 26 को अपराध अन्वेषण शाखा-2 प्रभारी निरीक्षक मनदीप सिंह के मार्ग निर्देश में पीएसआई विशाल, सहायक उप निरीक्षक लखन सिंह, मुख्य सिपाही रिषी, प्रदीप कुमार व् संजीव कुमार की टीम ने चोरी के दो मामलों में भगोड़े आरोपी रोहित वासी इन्द्रा कालोनी शोरगिर बस्ती थानेसर जिला कुरूक्षेत्र को गिरफ्तार कर लिया।

घर में घुसकर मारपीट करने, तोड़फोड़ करने व धमकी देने के 4 आरोपी गिरफ्तार

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र पुलिस ने घर में घुसकर मारपीट करने, तोड़फोड़ करने व धमकी देने के 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक चन्द्र मोहन के कुशल मार्गनिर्देश में थाना इस्माईलाबाद की टीम ने घर में घुसकर मारपीट करने, तोड़फोड़ करने व धमकी देने के आरोपी सचिन कुमार, रमन कुमार, मनीष कुमार व जरनैल सिंह वासीयान थडौली जिला कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस को दी अपनी शिकायत में गांव थडौली वासी महिला ने थाना इस्माईलाबाद में दी अपनी शिकायत में बताया कि वह घरेलू औरत है। उसके पड़ोस में रहने वाले सचिन, विशाल, साहिल, रमन, मनीष, दीपक, अजैब सिंह, अरनैल सिंह, जरनैल सिंह वासीयान थरौली झगडालू किस्म के आदमी हैं। हर समय लडाई झगडा पर उतारू रहते हैं। दिनांक 5 जुलाई को वह तथा उसके परिवार के सभी सदस्य अपने घर में सो रहे थे। अचानक से गेट से पत्थर मारने की आवाज आई तभी वह सभी गेट तोडकर उनके अन्दर आ गये और घर के दरवाजे तोड दिये। उसके पति की रेहड़ी को तोड दिया। डर के मारे वो सभी अपने कमरे में ही बंद रहे। आरोपी जान से मारने की धमकी देते रहे। उनके डायल-112 पर कॉल करने पर मौका पर पुलिस टीम पहुंची। जिसकी शिकायत पर थाना इस्माईलाबाद में माला दर्ज करके जांच की गई। 28 जुलाई 26 को थाना इस्माईलाबाद प्रभारी निरीक्षक रामपाल के मार्ग निर्देश में सहायक उप निरीक्षक प्रदीप कुमार की टीम ने घर में घुसकर मारपीट करने, तोड़फोड़ करने व धमकी देने के आरोपी सचिन कुमार, रमन कुमार, मनीष कुमार व जरनैल सिंह वासीयान थडौली जिला कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार कर लिया।

शशिपाल से अस्पताल में मिले मंत्री विज

हरियाणा मेल ब्यूरो

करनाल। ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने आज हरियाणा के पूर्व उद्योग मंत्री शशिपाल मेहता से एक निजी अस्पताल में मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य का हालचाल जाना। शशिपाल मेहता लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे। उन्होंने ईश्वर से उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ और दीर्घायु की प्रार्थना की।

मंत्री अनिल विज ने मीडिया से बातचीत में कहा कि यह मेरा पिछले 50 वर्ष पुराना साथी है। इस मौके पर मंत्री अनिल विज ने बताया कि पूर्व उद्योग मंत्री शशिपाल मेहता ने मुख्यमंत्री बंसी लाल के शासनकाल में प्रदेश के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शशिपाल मेहता एक समाजसेवी के रूप में जाने जाते हैं व हर परिवार के सुख-दुख में शामिल होते हैं। इस मौके पर मंत्री अनिल विज ने शशिपाल मेहता के सुपुत्र एवं पार्षद संजीव मेहता को हौसला दिया। मुलाकात के दौरान मंत्री अनिल विज ने डॉक्टरों से उनके उपचार और स्वास्थ्य सुधार के संबंध में जानकारी ली। डॉक्टरों ने बताया कि उनकी स्थिति ठीक है, काफी कवर हो चुका है।

मंत्री ने मीडिया के एक सवाल के जवाब में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बच्चों की भावनाओं की कद्र करते है और उनकी अधिकतर मांगों को स्वीकार किया। उन्होंने जंतर-मंतर पर चले धरने को लेकर रात को 12 बजे भी अपना संदेश साझा किया। लेकिन विपक्ष के लोगों ने युवाओं को भड़काने की पूरी कोशिश की परंतु युवा बहकावे में नही आए।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में प्रदर्शन होते रहते है। परंतु प्रर्दशन मर्यादा हीन नही होना चाहिए।

गुरु पूर्णिमा पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने लिया गुरुजनों का आशीर्वाद

हरियाणा मेल ब्यूरो

करनाल। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिले के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर जाकर गुरुजनों का आशीर्वाद लिया। पार्टी ने इस उत्सव को जिले के हर बूथ स्तर पर मनाया। इसी को लेकर भाजपा कर्ण मंडल के बूथ नंबर 33-34-35 के शक्ति केंद्र में भाजपा जिला मीडिया प्रभारी डा अशोक कुमार, शक्ति केंद्र प्रमुख सतीश कश्यप सदस्य सी एम विंडो, रविन्द्र कश्यप मीडिया प्रभारी ओबीसी मोर्चा,बूथ अध्यक्ष पुष्पिंदर माथुर,ओम प्रकाश भोरिया व फूल सिंह पुनिया,अनिल भोरिया एवं भाजपा के कार्यकर्ताओं ने इलाके के रविदास मंदिर में गुरु रविदास की प्रतिमा पर नमन करते हुए उनके प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस मौके पर जिला मीडिया प्रभारी डा अशोक कुमार एवं प्रधान सतीश कश्यप ने कहा कि भारत गणराज्य के 76 साल बाद भी सामाजिक समानता व समरसता के लिए अभियान चलाने की जरूरत को अनिवार्य बताते हुए कहा भाजपा हमेशा सामाजिक एकता, अखंडता और समरसता के पक्ष में कार्य करती रही है।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में ब्रजेश पाठक ने लगाई हाजिरी

बाबा से देश प्रदेश में जनकल्याण की कामना की

हरियाणा मेल, एजेंसी

वाराणसी। गुरू पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में हाजिरी लगाई। मंदिर के गर्भगृह में बाबा के पावन ज्योर्तिलिंग का अभिषेक करने के बाद उपमुख्यमंत्री ने विधि विधान से दर्शन पूजन किया। उपमुख्यमंत्री ने बाबा से देश -प्रदेश में शांति, सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की।

दर्शन-पूजन के बाद मंदिर के गेट नंबर चार के पास पत्रकारों से बातचीत में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि काशी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि सावन माह के शुभारंभ को लेकर जिला और मंदिर प्रशासन की ओर से सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम दर्शन के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार है। सावन में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया गया है।

पुलिस की बड़ी कामयाबी, 7 वर्ष पहले गुमशुदा महिला बरामद

हरियाणा मेल ब्यूरो

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। थाना इस्माईलाबाद पुलिस की टीम ने वर्ष 2019 से गुमशुदा चल रही एक महिला को सकुशल बरामद कर सात वर्ष पुराने मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने महिला को तलाश कर माननीय अदालत में पेश किया, जहां से आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद अदालत के आदेशानुसार उसे उसके परिजनों के हवाले कर दिया। जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 8 नवम्बर 2019 को थाना इस्माईलाबाद एरिया वासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि उसकी शादी 17 साल पहले हुई थी। उसके पास दो बच्चे एक लड़का व एक लड़की हैं। दिनांक 7 नवम्बर 2019 दोपहर को उसकी पत्नी किसी को बिना बताए कहीं चली गई। जिसकी शिकायत पर थाना इस्माईलाबाद में मामला दर्ज करके छानबीन की गई लेकिन महिला का कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने भी समय-समय पर महिला की तलाश के प्रयास जारी रखी। 28 जूलाई को थाना इस्माईलाबाद प्रभारी निरीक्षक रामपाल के मार्ग निर्देश में टीम ने सात साल से गुमशुदा महिला को ढूंढकर बरामद किया।

हरियाणा कला परिषद के उपाध्यक्ष महेश को मिला सृजन श्री सम्मान

हरियाणा मेल ब्यूरो

कुरुक्षेत्र। धर्मनगरी की संगीत और कला क्षेत्र में अग्रणी संस्था सृजन द्वारा एक भव्य सांस्कृतिक एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस गरिमामयी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा के सहकारिता मंत्री कृष्ण बेदी ने शिरकत की। समारोह के दौरान कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महान विभूतियों को सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में, हरियाणा कला परिषद के उपाध्यक्ष महेश जोशी को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए प्रतिष्ठित सृजन श्री सम्मान से नवाजा गया। मुख्य अतिथि सहकारिता मंत्री कृष्ण बेदी की उपस्थिति में संस्था के पदाधिकारी डा. योगेश्वर जोशी ने उन्हें यह सम्मान भेंट किया।

सम्मान ग्रहण करने के बाद दर्शकों और कला प्रेमियों को संबोधित करते हुए हरियाणा कला परिषद के उपाध्यक्ष महेश जोशी ने संस्था सृजन का आभार व्यक्त किया। कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर कला और संगीत की त्रिवेणी बहाने में सृजन संस्था का योगदान सराहनीय है। उन्होंने कहा, यह सम्मान केवल मेरा नहीं, बल्कि हरियाणा की उस समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और उन सभी जमीनी कलाकारों का सम्मान है जो दिन-रात कला को जीवित रखने में जुटे हैं। हरियाणा कला परिषद प्रदेश के हर कोने में कला और संस्कृति के संवर्धन तथा कलाकारों के कल्याण व संरक्षण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है और आगे भी यह प्रयास निरंतर जारी रहेगा।

श्री शिव शक्ति सेवा मंडल द्वारा 34वें कांवड़ सेवा शिविर का भट्ठी पूजन से हुआ शुभारंभ

श्री दु :खभंजन महादेव मंदिर में शुरू हुआ कांवड़ शिविर

सोनिका वधवा, हरियाणा मेल

कुरुक्षेत्र। श्री शिव शक्ति सेवा मंडल द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन माह के उपलक्ष्य में 34वाँ कांवड़ सेवा शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस उपलक्ष्य में आज दुःखभंजन महादेव मंदिर में भट्ठी पूजन के साथ इस शिविर का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर संरक्षक दर्शन पुरी, चेयरमैन डॉ. एम.के. मोदगिल, प्रधान एम.एल. खूंगर, उपप्रधान अश्वनी अरोड़ा बिट्टू, महासचिव संदीप मरवाहा, कोषाध्यक्ष वेद ग्रोवर, सदस्य एस.के. मिश्री, एम.एल, सचदेवा, शशि कपूर, राजकुमार, प्रीतम सुधा, कुलवंत सिंह भट्ठी आदि मौजूद रहे।

सभी ने कांवड़ शिविर के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष 28 जुलाई से 11 अगस्त तक दुःखभंजन महादेव मंदिर में आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में कांवड़ियों के ठहरने, खाने पीने, स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि 12 अगस्त को पूर्ण भंडारे के भी आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि वर्ष 1992 में शिव शक्ति सेवा मंडल द्वारा कांवड़ सेवा शिविर की शुरूआत की गई थी। तब से ये सेवा कार्य लगातार जारी है। उन्होंने बताया कि सावन माह में प्रतिदिन लगभग 300 कांवड़िए शिविर में शामिल होते हैं। पूरे सावन माह में लगभग 3000 से अधिक कांवड़िये इस शिविर में शामिल होते हैं। मंदिर परिसर में प्रतिदिन 24 घंटे अटूट भंडारा जारी रहेगा। उन्होंने सभी शिव भक्त कांवड़ियों से आह्वान किया कि सभी नशों से दूर रहे। शिव नाम का जाप करते हुए अपनी कांवड़ यात्रा को पूर्ण करें। मंदिर के चैयरमेन एम.के. मोदगिल ने बताया कि यह सेवा शिविर वीरवार से शुरू होकर 12 अगस्त तक चलेगा। हालांकि, 11 अगस्त को महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालु भगवान शिव को जल अर्पित करेंगे। एम.के. मोदगिल ने कहा कि शिव शक्ति सेवा मंडल की स्थापना वर्ष 1992 में समाज सेवा और धर्म के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से की गई थी। मंडल द्वारा समय-समय पर रामायण पाठ, सुंदरकांड पाठ, निशुल्क आयुर्वेदिक डिस्पेंसरी, जरूरतमंदों को चिकित्सा सहायता, निर्धन बच्चों की मदद तथा लावारिस एवं असहाय लोगों के अंतिम संस्कार जैसी अनेक सामाजिक सेवाएं लगातार की जा रही हैं।

कोई तंग या परेशान करे तो डीएलएसए को करवाएं अवगत

कानून से ऊपर कोई नहीं: दिनेश कुमार मित्तल

हरिदास, हरियाणा मेल

कुरुक्षेत्र। जिला एवं सत्र न्यायाधीश व डीएलएसए चेयरमैन दिनेश कुमार मित्तल ने कहा कि किसी दफ्तर, समाज या अन्य स्थान पर किसी को कोई तंग, परेशान करे, या किसी प्रकार की समस्या हो तो इस बारे में डीएलएसए को सूचित करें। पीडित, परेशान को न्याय दिलवाया जाएगा, क्योंकि कानून से ऊपर कोई नहीं है। नागरिकों को उनके अधिकारियों और डीएलएसए द्वारा इन कानूनों के बारे में लगातार जागरूक किया जाता है।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश व डीएलएसए चेयरमैन दिनेश कुमार मित्तल बुधवार को डीएलएसए द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मथाना में आयोजित मेगा लीगल सर्विस कैंप एवं रक्तदान शिविर में बोल रहे थे। इससे पहले जिला एवं सत्र न्यायाधीश व डीएलएसए चेयरमैन दिनेश कुमार मित्तल ने विद्यालय के प्रांगण में पौधा रोपित किया और विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर योजनाओं के बारे में जानकारी हासिल की।

डीएलएसए के साथ सर्व समाज कल्याण संस्थान द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश व डीएलएसए चेयरमैन दिनेश कुमार मित्तल ने कहा कि हर वर्ष डीएलएसए द्वारा मेगा कैंप का आयोजन किया जाता है। इन कैंपों के माध्यम से नागरिकों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाना है।

इसके साथ ही सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को नागरिकों तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने बीपीएल परिवारों, जरूरतमंद लोगों, बुजुर्गों, स्कूली विद्यार्थियों सहित सभी वर्गों के लिए अनेक लाभकारी योजनाएं बनाकर लागू की जाती है। नागरिकों को उन योजनाओं के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाने और उनका लाभ पहुंचाने के लिए ऐसे शिविरों का आयोजन किया जाता है। यदि छात्राओं को कोई परेशान करता है तो वो इस बारे में अपने परिजनों, स्कूल के अध्यापकों को बताएं। यदि फिर भी परेशानी हो तो डीएलएसए को बताकर उसका समाधान किया जा सकता है।

डीएलएसए में भी बच्चों के लिए विशेष अधिकार बनाए हुए है। उन्होंने परिजनों से आह्वान किया कि वो अपने बच्चों का ध्यान रखें।

महादेव के नाम का करें नशा, कांवड़ यात्रा में किसी भी प्रकार के नशे से रहें दूर

हरियाणा मेल ब्यूरो

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र के स्नेहित सरोवर पर स्थित श्री दुखभंजन महादेव मंदिर कुरुक्षेत्र द्वारा आयोजित 34वें नशा मुक्त कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ किया गया। मंदिर के चैयरमेन एम.के. मोदगिल ने बताया कि यह सेवा शिविर वीरवार से शुरू होकर 12 अगस्त तक चलेगा। हालांकि, 11 अगस्त को महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालु भगवान शिव को जल अर्पित करेंगे।

एम.के. मोदगिल ने कहा कि शिव शक्ति सेवा मंडल की स्थापना वर्ष 1992 में समाज सेवा और धर्म के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से की गई थी। मंडल द्वारा समय-समय पर रामायण पाठ, सुंदरकांड पाठ, निशुल्क आयुर्वेदिक डिस्पेंसरी, जरूरतमंदों को चिकित्सा सहायता, निर्धन बच्चों की मदद तथा लावारिस एवं असहाय लोगों के अंतिम संस्कार जैसी अनेक सामाजिक सेवाएं लगातार की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालु किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहें। यदि कोई नशा करना है तो भगवान शिव के नाम का करें, ॐ नमः शिवाय और महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें। इससे समाज में सकारात्मक संदेश जाएगा और यात्रा भी सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होगी।

मोदगिल ने बताया कि शिविर में कांवड़ियों के लिए तीनों समय निशुल्क भोजन, ठहरने, विश्राम, पेयजल, चिकित्सा सहायता, पैरों में मेहंदी लगाने तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। मंदिर परिसर में सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

आरटीआई का जवाब न देने पर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के जनसूचना अधिकारी तलब

हरियाणा मेल, एजेंसी

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने बुधवार को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद में आरटीआई आवेदन पर समय से सूचना उपलब्ध न कराने पर कड़ा रुख अपनाया है और जनसूचना अधिकारी क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी को हाजिर होने का निर्देश दिया और पूछा कि 2026 मे कितनी अर्जी आई, और कितने का निस्तारण किया गया और कितनी विचाराधीन है। कोर्ट ने पूरी जानकारी मांगी है। न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की एकलपीठ ने छात्रा रागिनी सिंह की याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। याची का कहना था कि उसने उत्तर पुस्तिकाओं से संबंधित सूचना प्राप्त करने के लिए सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत आवेदन किया था, लेकिन अब तक कोई उत्तर नहीं दिया गया। याची की ओर से अधिवक्ता अजीत सिंह और हिमांशु सिंह ने न्यायालय के समक्ष प्रभावी बहस की। न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई 13 अगस्त 2026 को निर्धारित की है।

हर व्यक्ति की समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता: सीएम योगी

हरियाणा मेल, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह गुरु पूर्णिमा पर्व संबंधी आनुष्ठानिक कार्यक्रम की व्यस्तता के बावजूद जनता दर्शन का आयोजन किया। उन्होंने लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर व्यक्ति की समस्या का निस्तारण सरकार की प्राथमिकता है। लोगों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेते हुए उनका समाधान त्वरित और संतुष्टिपरक तरीके से कराना सुनिश्चित किया जाए।

बुधवार सुबह गुरु पूर्णिमा पूजन के बाद गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद गए और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। सबको आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने करने की आवश्यकता नहीं है। सबकी समस्या का समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा। लोगों के प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री योगी ने आश्वस्त किया कि पैसे की तंगी से किसी का भी इलाज नहीं रुकने दिया जाएगा।

सीएम ने किया महायोगी गोरखनाथ का विशिष्ट पूजन

गोरखपुर। गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर बुधवार प्रातः काल गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यहनाथ ने शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का नाथपंथ की परंपरा के अनुसार विशिष्ट पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ, दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ, योगिराज बाबा गंभीरनाथ समेत नाथपंथ के सभी गुरुजन का भी विधि विधान से पूजा की। गोरक्षपीठाधीश्वर ने भगवान गोरखनाथ और अन्य गुरुजन को श्रद्धा निवेदित कर लोक कल्याण के पथ पर मार्गदर्शन के लिए भावपूर्ण कृतज्ञता व्यक्त की की। गोरखनाथ मंदिर में गुरु पूर्णिमा का विशेष अनुष्ठान प्रातः काल से ही प्रारंभ हो गया और सामूहिक आरती के साथ अनुष्ठान की पूर्णता हुई। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी देशवासियों को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं। वैसे तो गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं, गुरु गोरखनाथ जी तथा नाथपंथ के गुरुजन का दर्शन-पूजन उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा होता है। पर, गुरु पूर्णिमा का अवसर गोरखनाथ मंदिर में विशिष्ट पूजा का होता है। बुधवार को गोरक्षपीठाधीश्वर ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महायोगी गोरखनाथ, मंदिर परिसर में मौजूद सभी देव विग्रहों और नाथपंथ के गुरुओं की प्रतिमाओं के समक्ष विधि विधान के साथ पूजन किया। आनुष्ठानिक कार्यक्रमों के क्रम में उन्होंने सबसे पहले नाथपंथ के आदिगुरु भगवान गोरखनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उनकी विशिष्ट पूजा की। वह परिसर में मौजूद सभी देव-विग्रहों के पास पहुंचे और उनका पूजन किया।

यूक्रेन युद्ध: मर्चेंट नेवी अधिकारी की मौत पर सीएम ने लिया संज्ञान, घर पहुंचा प्रशासन

हरियाणा मेल, एजेंसी

कानपुर। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच ब्लैक सी में ड्रोन हमले में जान गंवाने वाले कानपुर के मर्चेंट नेवी के चीफ ऑफिसर सागर गुप्ता के मामले में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है।

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद मंगलवार देर रात जिला प्रशासन और कमिश्नरेट पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी शास्त्री नगर स्थित उनके आवास पहुंचे। अधिकारियों ने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और शासन की ओर से हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया।

मीडिया के माध्यम से घटना की जानकारी मिलने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तत्काल कानपुर के जिला प्रशासन और कमिश्नरेट पुलिस को परिवार से संपर्क कर हरसंभव सहयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, संयुक्त पुलिस आयुक्त विपिन ताडा और सदर एसडीएम अनुभव सिंह देर रात सागर गुप्ता के आवास पहुंचे।

अधिकारियों ने दिवंगत सागर गुप्ता की मां और अन्य परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में प्रदेश सरकार परिवार के साथ खड़ी है। परिवार की आवश्यकताओं और समस्याओं की जानकारी लेने के साथ ही अधिकारियों ने शासन स्तर से मिलने वाली हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

जिलाधिकारी और संयुक्त पुलिस आयुक्त ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि प्रशासन लगातार उनके संपर्क में रहेगा और आवश्यक सभी औपचारिकताओं में पूरा सहयोग करेगा। अधिकारियों ने कहा कि शासन के निर्देशों का पूरी गंभीरता से पालन किया जाएगा।

गौरतलब है कि कानपुर के शास्त्री नगर निवासी सागर गुप्ता (30) मर्चेंट नेवी में चीफ ऑफिसर के पद पर कार्यरत थे। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच ब्लैक सी में हुए ड्रोन हमले के दौरान उनका जहाज हमले की चपेट में आ गया, जिसमें उनकी मौत हो गई। घटना की खबर सामने आने के बाद शोक की लहर दौड़ गई। कानपुर में उनके आवासपरलगातारजनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और शुभचिंतकों का पहुंचना जारी है।

खबरें फटाफट

राजस्थान गौरव सम्मान समारोह में 31 विभूतियों का होगा सम्मान

जयपुर। संस्कृति युवा संस्था की ओर से 31वां राजस्थान गौरव सम्मान समारोह गुरुवार को स्टेशन रोड स्थित होटल आईटीसी राजपूताना शेरेटन में आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में प्रदेश की विभिन्न क्षेत्रों की 31 लब्ध-प्रतिष्ठित प्रतिभाओं को 'राजस्थान गौरव' सम्मान से अलंकृत किया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने बताया कि सम्मान समारोह में साहित्य, कला, शिक्षा, प्रशासनिक सेवा, पुलिस सेवा, समाज सेवा, चिकित्सा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 31 विभूतियों का सम्मान किया जाएगा। सम्मानित होने वाली प्रतिभाओं को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र एवं दुपट्टा भेंट कर 'राजस्थान गौरव' अलंकरण से विभूषित किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े होंगे। कार्यक्रम गुरुवार शाम 4 बजे होटल आईटीसी राजपूताना शेरेटन, स्टेशन रोड, जयपुर में आयोजित होगा।

कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों का नजदीकी विद्यालयों में होगा विलय: संदीप सिंह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वंतत्र प्रभार) संदीप सिंह ने बुधवार को बताया कि कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों को पास के विद्यालयों में विलय किया जाएगा और रिक्त विद्यालयों में प्री-प्राइमरी पाठशालाएं संचालित की जाएंगी। बेसिक शिक्षा मंत्री ने बताया कि प्री-प्राइमरी कक्षाओं का संचालन उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पहली बार किया जा रहा है। इस दौरान बेसिक शिक्षा मंत्री ने पूर्व सरकार में शिक्षा व्यवस्था की बदहाली पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नकल अध्यादेश लाकर शिक्षा व्यवस्था को पारदर्शी बनाया गया था, जिसे पूर्ववर्ती सरकार ने रद्द कर दिया। उदाहरण के तौर पर पूर्ववर्ती सरकार के दौरान हुई विभिन्न परीक्षाओं में धांधली और पेपर लीक का जिक्र किया। उत्तर प्रदेश का शिक्षा बजट पूर्ववर्ती सरकार के समय में 28,000 करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 1,13,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। संदीप सिंह ने बताया कि सरकारी विद्यालयों में नामांकन 1.34 करोड़ से बढ़कर 1.90 करोड़ हो गया है। स्कूलों में ड्रॉपआउट दर 19% से घटकर 3% हो गई है। पाठ्यक्रम को बेहतर बनाया गया है और ऑपरेशन कायाकल्प के तहत परिषदीय विद्यालयों में 19 विभिन्न पैरामीटर पर 36% से 97% तक सुधार किया गया है।

सपा कार्यालय में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई महाराजा दक्ष प्रजापति की जयंती

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर बुधवार को महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाई गई। जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने महाराजा दक्ष प्रजापति के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके बताए आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि महाराजा दक्ष प्रजापति भारतीय संस्कृति, सभ्यता और सृष्टि निर्माण की गौरवशाली परंपरा के प्रतीक हैं। उनका जीवन श्रम, समर्पण, सामाजिक समरसता और मानव कल्याण का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा महापुरुषों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने तथा सामाजिक न्याय, समानता और भाईचारे की भावना को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध रही है।उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष कर रही है तथा सभी वर्गों को साथ लेकर चलने के लिए प्रतिबद्ध है। महाराजा दक्ष प्रजापति के आदर्श आज भी समाज में एकता, सौहार्द और आपसी सम्मान के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

उन्होंने उपस्थित लोगों से समतामूलक और मजबूत समाज के निर्माण का संकल्प लेने का आह्वान किया।मुख्य वक्ता सुरेंद्र प्रजापति एडवोकेट ने महाराजा दक्ष प्रजापति के जीवन, व्यक्तित्व एवं समाज के प्रति उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके आदर्श आज भी सामाजिक एकता, श्रम और सम्मान का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

इस अवसर पर मोहन प्रजापति, जिलाजीत प्रजापति, दिलीप प्रजापति, अजय प्रजापति, जनार्दन प्रजापति, मोहित प्रजापति, कैलाश प्रजापति, जिला उपाध्यक्ष हीरालाल विश्वकर्मा, महेंद्र यादव 'नेपाल', इरशाद मंसूरी, जिला सचिव दीपक विश्वकर्मा, लाल मोहम्मद राईनी, जितेंद्र शर्मा, रवि यादव और नीतू शर्मा सहित अनेक पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए महाराजा दक्ष प्रजापति को श्रद्धापूर्वक नमन किया।कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

प्रदेश में रासायनिक उर्वरकों की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध: सूर्यप्रताप शाही

- किसान अनावश्यक रूप से उर्वरकों का न करें अग्रिम भंडारण

हरियाणा मेल, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि प्रदेश में रासायनिक उर्वरकों की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का किसान सरकार की प्राथमिकता में है, इसलिए हम उन्हें बीज से लेकर बाजार तक हर सुविधा समय पर उपलब्ध करा रहे हैं। कृषि मंत्री ने कहा कि प्रदेश में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है। अनावश्यक रूप से किसान उर्वरकों का अग्रिम भंडारण न करें।

बुधवार को लोकभवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में कृषि मंत्री ने बताया कि वर्तमान समय में प्रदेश में यूरिया 14.52 लाख मीट्रिक टन, डीएपी 4.81 लााख मी.टन व एनपीके 4.91 मी.टन उपलब्ध है। इसके अलावा एसएसपी 3.47 मीट्रिक टन, एमओपी 1.11 मीट्रिक टन कुल मिलाकर 28.82 मीट्रिक टन रासायनिक उर्वरक प्रदेश में उपलब्ध है।

प्रदेश में एक अप्रैल से 27 जुलाई तक उर्वरकों की उपलब्धता और वितरण के तुलनात्मक विवरण के अनुसार, 2026 में यूरिया की उपलब्धता 31.55 लाख मीट्रिक टन रही। डीएपी की उपलब्धता 7.11 लाख मीट्रिक टन रही। एसएसपी की उपलब्धता 4.72 लाख मीट्रिक टन रही तथा वितरण 2025 में 2.15 और 2026 में 2.13 लाख मीट्रिक टन रहा। एमओपी की उपलब्धता में 1.35 लाख मीट्रिक टन रही। 28 जुलाई 2026 को प्रदेश में कुल 14.77 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 4.81 लाख मीट्रिक टन डीएपी, 4.90 लाख मीट्रिक टन एनपीके, 3.46 लाख मीट्रिक टन एसएसपी और 1.11 लाख मीट्रिक टन एमओपी उर्वरक उपलब्ध है।

सूर्य प्रताप शाही न बताया कि सहकारिता के क्षेत्र में यूरिया 5.43 लाख मीट्रिक टन, डीएपी 2.39 लाख मीट्रिक टन और एनपीके 1.42 लाख मीट्रिक टन मात्रा में उपलब्ध है, जबकि निजी क्षेत्र के बिक्री केंद्रों पर यूरिया 9.34 लाख मीट्रिक टन, डीएपी 2.43 लाख मीट्रिक टन और एनपीके 3.49 लाख मीट्रिक टन उपलब्ध है। वर्तमान में प्रतिदिन औसतन 32 हजार 780 मीट्रिक टन यूरिया, 6715 मीट्रिक टन डीएपी और 1967 मीट्रिक टन एनपीके का क्रय एवं खपत कृषकों द्वारा किया जा रहा है।

सुलतानपुर में इथेनॉल टैंकर पलटा, 10 किमी सड़क बंद

हरियाणा मेल, एजेंसी

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर के भदैया स्थित दोमुहा-सुलतानपुर रोड पर मंगलवार देर रात इथेनॉल से भरा एक टैंकर पलट गया। यह हादसा छतौना गांव के पास हुआ, जिसमें टैंकर चालक गुरमीत सिंह घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

बलरामपुर से इथेनॉल लेकर मिजार्पुर जा रहे दो टैंकरों में से एक यूपी 62 एटी 9688, बीती रात लगभग 1 बजे पलट गया। चालक गुरमीत सिंह के अनुसार, सामने से आ रहे एक ट्रेलर ने साइड मारी, जिससे टैंकर का एक पहिया सड़क किनारे जल जीवन मिशन के लिए खोदी गई पाइपलाइन के गड्ढे में चला गया और टैंकर पलट गया। दूसरा टैंकर (यूपी 61 बीटी 3974) सुरक्षित रहा।

टैंकर पलटने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल चालक को बाहर निकाला। चालक ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। इथेनॉल ज्वलनशील पदार्थ होने के कारण, मौके पर तत्काल तीन फायर ब्रिगेड वाहन तैनात किए गए।

सड़क हादसा: ट्रक में घुसी स्कूल वैन, एक छात्र की मौत, 10 बच्चे घायल

हरियाणा मेल, एजेंसी

बांसवाड़ा। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के दाहोद मार्ग पर स्थित संत पॉल्स विद्यालय के बच्चों से भरी एक वैन सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन के परखच्चे उड़ गए। इस दर्दनाक हादसे में एक छात्र की मौत हो गई, जबकि वैन में सवार 14 बच्चे घायल हो गए। इनमें से तीन बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिनमें से एक छात्र को बेहतर इलाज के लिए उदयपुर रेफर कर दिया गया है। दुर्घटना के वक्त वैन में कुल 15 बच्चे सवार होकर स्कूल जा रहे थे। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग तुरंत मौके पर दौड़े और भारी मशक्कत के बाद गाड़ी में फंसे बच्चों को बाहर निकाला। स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस और निजी वाहनों की मदद से सभी घायलों को महात्मा गांधी अस्पताल पहुंचाया। एक साथ बड़ी संख्या में घायल बच्चों के अस्पताल पहुंचने से वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों ने कई बच्चों को तुरंत प्राथमिक उपचार दिया और कुछ को सीपीआर भी दिया गया।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल में अभिभावकों की भारी भीड़ जमा हो गई और वहां का माहौल गमगीन हो गया। स्थिति का जायजा लेने के लिए जिला कलेक्टर डॉ. इंद्रजीत सिंह यादव, अतिरिक्त जिला कलेक्टर पर्वत सिंह चुण्डावत, उपखंड अधिकारी सोनू कुमारी सहित मुख्य चिकित्सा अधिकारी और अन्य प्रशासनिक अधिकारी तुरंत अस्पताल पहुंचे और घटना की पूरी जानकारी ली।

पेड़ से लटकते मिले दंपती के शव, छह माह पहले की थी कोर्ट मैरिज

हरियाणा मेल, एजेंसी

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश में कुशीनगर जिले के हनुमानगंज थाना क्षेत्र के जिंदा छपरा गांव में बुधवार दोपहर एक युवक और युवती के शव गांव के बाहर लीची के पेड़ से लटकते मिले। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में दोनों की पहचान नवविवाहित दंपती के रूप में हुई है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है।

जिंदा छपरा निवासी रितेश कुमार (22) और उसकी पत्नी पूजा शर्मा (21) के रूप में की है। पुलिस के अनुसार, दोनों ने लगभग छह माह पूर्व कोर्ट मैरिज की थी और इसके बाद जिंदा छपरा गांव में साथ रह रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। ग्रामीणों की भी मौके पर भारी भीड़ जुट गई। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करते हुए घटनास्थल की आवश्यक जांच की और साक्ष्य जुटाए।

इस मामले में अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ वर्मा ने बताया कि प्रथमदृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। लेकिन पुलिस किसी भी संभावना को नजरअंदाज नहीं कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल गांव में शांति व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है।

गांव से जोधपुर आए बालक नकली नोटों के साथ पकड़े गए: संप्रेषण गृह भिजवाया

हरियाणा मेल, एजेंसी

जोधपुर। शहर के निकट नौ मील पर एक केबिन पर सिगरेट खरीद के बहाने पहुंचे दो किशोरों से नकली नोट बरामद हुए है। उनके पास तलाशी में 14 नोट 500-500 के मिले जोकि तकरीबन 60 हजार रुपए है। यह नोट उन्होंने किसी से लाना बताया। दोनों को बाद में संप्रेषण गृह भिजवाया गया। करवड़ थाने के एएसआई मुकनाराम की तरफ से सरदारपुरा नोडल थाने में इस बारे में रिपोर्ट दी गई है। पुलिस अब नोट सप्लाई करने वाली की तलाश में जुटी है।

सरदारपुरा थाने के एसआई दीपलाल ने बताया कि 26 जुलाई को भोपालगढ़ से दो बालक बाइक से जोधपुर घूमने आए थे। वे घूमने फिरने के बाद करवड़ स्थित नौ मील पर पहुंचे। जहां एक केबिन पर सिगरेट के चार पैकेट के लिए पांच सौ का नोट दिया। केबिन संचालक ने नोट नकली बताकर लौटा दिया। तब बालकों ने दूसरा नोट दिया। वह भी नकली बताया गया। इस पर बाद में पुलिस नियंत्रण कक्ष को सूचना दी गई। करवड़ थाने से एएसआई मुकनाराम वहां पहुंचे और बालकों की तलाशी ली तब पास में 14 नोट जाली मिले जोकि 500-500 की शक्ल में थे। कुल 60 हजार के जाली नोट बालकों के पास में मिले।

एसआई दीपलाल ने बताया कि जाली नोट ये बालक किसी से लाना बता रहे थे, जिसकी पहचान कर तलाश की जा रही है। साथ ही दोनों को किशोर न्यायालय में पेश किया गया और दोनों को संप्रेषण गृह भिजवाया गया। मामले में अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है।

आईआईटी कानपुर व आईआईएम इंदौर बनेंगे उत्तर प्रदेश जल निगम ग्रामीण के नॉलेज पार्टनर

- हर घर शुद्ध जल के संकल्प को नई उड़ान, यूपी में ग्रामीण जलापूर्ति नदियों की सफाई और पुनरुद्धार को बनाएंगे हाईटेक

हरियाणा मेल, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने और जलापूर्ति व्यवस्था को आधुनिक बनाने की दिशा में लगातार बड़े कदम उठा रही है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश जल निगम ग्रामीण ने देश के प्रतिष्ठित संस्थानों आईआईटी कानपुर (ऐरावत रिसर्च फाउंडेशन) और आईआईएम इंदौर के साथ अहम समझौता किया है। विभाग ने देश के दोनों प्रतिष्ठित संस्थानों को नॉलेज पार्टनर बनाया है।

इस पहल का उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटल मॉनिटरिंग और आधुनिक प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से ग्रामीण जलापूर्ति, नदियों की सफाई और पुनरुद्धार को अधिक प्रभावी, पारदर्शी व भरोसेमंद बनाना है। उत्तर प्रदेश जल निगम ग्रामीण के प्रबंध निदेशक डॉ. राज शेखर ने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल पहुंचाने से जुड़ी सभी निर्मित, निमार्णाधीन व भविष्य की योजनाओं की आधुनिक टेक्नोलॉजी के आधार पर निगरानी और प्रबंधन आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। नदियों की सफाई और पुनरुद्धार के लिए भी इसकी जरूरत है।

इसी विजन के तहत आईआईटी कानपुर और आईआईएम इंदौर को जल निगम ग्रामीण के साथ जोड़ा जा रहा है। आईआईएम इंदौर के साथ समझौते पर हस्ताक्षर हो चुका है। जल्द ही आईआईटी कानपुर के साथ सभी प्रक्रियाएं पूरी हो जाएंगी। योगी सरकार का लक्ष्य तकनीक के जरिए पानी की बबार्दी रोकते हुए हर ग्रामीण परिवार तक गुणवत्तापूर्ण पेयजल पहुंचाना है। ऐसे में आईआईटी कानपुर के सहयोग से जल योजनाओं में एआई आधारित निगरानी प्रणाली विकसित की जाएगी, जिससे पाइपलाइन में लीकेज की समय रहते पहचान, जल दबाव और क्लोरीन स्तर की 24 घंटे निगरानी संभव होगी।

विशेषज्ञ सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के संचालन एवं रख-रखाव को अधिक प्रभावी बनाने के उपाय भी बताएंगे। वर्तमान योजनाओं का मूल्यांकन कर उसे अधिक सक्षम, किफायती और टिकाऊ बनाने में भी सहयोग देंगे। इसके साथ ही एकीकृत डिजिटल ऐप और डैशबोर्ड के माध्यम से नागरिकों की शिकायतों का त्वरित समाधान किया जाएगा।

श्रावण मास गुरुवार से श्रीगणेश, अयोध्या पांच जोन, 21 सेक्टर में विभाजित

- अयोध्या में कांवड़ यात्रा के लिए अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था
- कांवड़ यात्रा को लेकर अयोध्या में पुलिस, पीएसी और एसडीआरएफ की व्यापक तैनाती
- श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोपरि, क्यूआरटी से लेकर यातायात व्यवस्था तक पूरी तैयारी
- बाहरी जिलों का पुलिस बल भी मोर्चे पर, श्रावण मेले के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा योजना लागू

हरियाणा मेल, एजेंसी

अयोध्या। श्रावण मास के कांवड़ मेला और झूला मेला के दौरान अयोध्या में अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। धार्मिक आस्था के इस महापर्व में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए पुलिस प्रशासन ने बहुस्तरीय सुरक्षा योजना लागू की है। अयोध्याधाम और नगर क्षेत्र को पांच जोन तथा 21 सेक्टर में विभाजित कर दो पालियों में नागरिक पुलिस और यातायात पुलिस बल की ड्यूटी लगाई गई है। इस वर्ष श्रावण मास 30 जुलाई (श्रावण कृष्ण पक्ष) से शुरू होकर 28 अगस्त (रक्षाबंधन) तक चलेगा। मेले के दौरान प्रमुख पर्वों का कैलेंडर भी जारी किया गया है। आस्था के इस महापर्व पर सुरक्षा का मजबूत कवच तैयार किया गया है। एसपी सिटी अयोध्या चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि शासन के निदेर्शानुसार श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए क्यूआरटी से लेकर यातायात प्रबंधन तक हर स्तर पर तैयारी पूरी कर ली गई है। बाहरी जिलों का पुलिस बल भी मोर्चे पर है। प्रशासन का लक्ष्य है कि श्रावण मेला शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो, जिससे भक्तगण बिना किसी बाधा के अपनी आस्था का प्रदर्शन कर सकें।

15 अगस्त से श्रावण झूला मेला का शुभारंभ

30 जुलाई को श्रावण मास का आरंभ होगा। तीन अगस्त को प्रथम सोमवार, 10 अगस्त को द्वितीय सोमवार और 11 अगस्त को श्रावण शिवरात्रि मनाई जाएगी। 15 अगस्त से श्रावण झूला मेला का शुभारंभ होगा, जिसमें मणिपर्वत मेला और झूलोत्सव शामिल हैं। 17 अगस्त को तृतीय सोमवार एवं नागपंचमी के अवसर पर लक्ष्मण मंदिर में दर्शन, स्नान और पूजन का विशेष आयोजन होगा। 19 अगस्त को गोस्वामी तुलसीदास जयंती, 23 अगस्त को सर्व पुत्रदा एकादशी के दिन प्रातः सरयू स्नान के साथ मंदिरों में पांच दिवसीय झूलोत्सव का आरंभ और 24 अगस्त को चतुर्थ सोमवार मनाया जाएगा। 26 अगस्त को श्रावण मास की त्रयोदशी और शिवरात्रि प्रदोष पर नागेश्वरनाथ व अन्य शिवालयों में भारी भीड़ की संभावना है।

प्रकृति का संतुलन बनाए रखने में बाघ की अहम भूमिका: विशेषज्ञ

हरियाणा मेल, एजेंसी

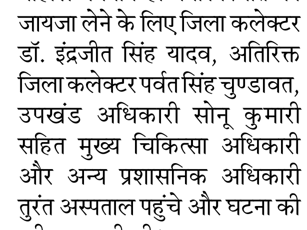

जयपुर। अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस पर बुधवार को मानसरोवर स्थित दीप स्मृति ऑडिटोरियम में जयपुर टाइगर फेस्टिवल के तहत 'बाघ संरक्षण-संवाद' आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए बाघ संरक्षण, पर्यावरण संतुलन और भारतीय संस्कृति में बाघ के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर जयपुर टाइगर फेस्टिवल के 8वें संस्करण के पोस्टर का विमोचन भी किया गया। महोत्सव का आयोजन 18 से 21 दिसंबर 2026 तक जयपुर में होगा।

प्रसिद्ध संगीतकार, गायक एवं वन्यजीव संरक्षक अभिषेक रे ने कहा कि बाघ शक्ति और संयम का अद्भुत संतुलन है। वह प्रकृति से केवल उतना ही लेता है, जितनी आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि संगीत और बाघ संरक्षण उनके बचपन के सपने रहे हैं तथा जंगल उन्हें नई धुनें रचने की प्रेरणा देता है। इस दौरान उनका रचित 'चीता एंथम' भी विद्यार्थियों को सुनाया गया। सरिस्का टाइगर रिजर्व एवं केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान के पूर्व फील्ड डायरेक्टर सुनयन शर्मा ने कहा कि स्वस्थ पर्यावरण के लिए जंगल और जंगलों के संरक्षण के लिए बाघ आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटन को बढ़ावा देना उचित है, लेकिन बाघों को वाहनों से घेरकर दिखाना गलत संदेश देता है। डॉ. राजेश कुमार व्यास ने कहा कि बाघ केवल हिंसक पशु नहीं, बल्कि ज्ञान, विवेक और धैर्य का भी प्रतीक है। उन्होंने बताया कि कई संस्कृतियों में बाघ की पूजा होती है तथा बैगा जनजाति स्वयं को बाघ का वंशज मानती है।

व्यापार, निवेश, सेवाओं को आसान बनाने और अनावश्यक नियमों को हटाने का निर्देश

■ बैठक में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मंत्री आशीष सूद व मनजिंदर सिंह सिरसा भी हुए शामिल

हरियाणा मेल, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने व्यापार, निवेश और नागरिक-अनुकूल सेवाओं को आसान बनाने के लिए सभी विभागों को तेजी से काम करने का निर्देश दिया है।

उन्होंने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और 'ईज ऑफ लिविंग' के विजन के अनुरूप दिल्ली में डीरेगुलेशन (विनियमन में ढील) और कंप्लायंस (अनुपालन) में कमी लाने की दिशा में हुई प्रगति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और मंत्री आशीष सूद व मनजिंदर सिंह सिरसा भी शामिल हुए।

उपराज्यपाल ने सभी संबंधित विभागों और एजेंसियों को निर्देश दिया गया कि वे अनावश्यक नियमों को हटाने और अनुपालन प्रक्रियाओं को सरल बनाने की दिशा में तेजी लाएं। साथ ही ऐसे सुधारों को आगे बढ़ाया जाए जो उद्यमिता को बढ़ावा दें, रोजगार पैदा करें और दिल्ली को सभी के लिए रहने के लिहाज से और बेहतर शहर बनाएं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि आज दिल्ली में अनावश्यक नियमों को कम करने और शासन-व्यवस्था को सरल बनाने के सुधारों की प्रगति का जायजा लेने के लिए उपराज्यपाल की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में भाग लिया।

दिल्ली सरकार विकसित दिल्ली के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' (व्यापार में आसानी) और 'ईज ऑफ लिविंग' (जीवन-यापन में आसानी) के विजन के अनुरूप सभी विभागों को उन सुधारों में तेजी लाने का निर्देश दिया गया है जिनसे प्रक्रियाएं सरल हों, निवेश को बढ़ावा मिले, रोजगार के अवसर पैदा हों और बेहतर, तेज तथा नागरिक-अनुकूल सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार पारदर्शी, कुशल और जन-केंद्रित शासन-व्यवस्था के माध्यम से 'विकसित दिल्ली' के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने महर्षि वाल्मीकि मंदिर में किए दर्शन-पूजन

हरियाणा मेल, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को मंदिर मार्ग स्थित महर्षि वाल्मीकि मंदिर में दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने भगवान के समक्ष राष्ट्र की प्रगति, दिल्ली के सर्वांगीण विकास तथा समाज में शांति, सद्भाव और समरसता की प्रार्थना की। उन्होंने मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर संत-महात्माओं एवं गुरुओं का आशीर्वाद प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। गुरु केवल ज्ञान प्रदान करने वाले शिक्षक नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाले पथप्रदर्शक होते हैं। गुरु ही व्यक्ति के भीतर ज्ञान, संस्कार, अनुशासन और सेवा की भावना का संचार करते हैं तथा समाज और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति की उन महान परंपराओं का पर्व है, जो हमें अपने गुरुजनों के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। हमारे ऋषि-मुनियों और गुरु परंपरा ने भारत को ज्ञान, अध्यात्म और संस्कृति की ऐसी अमूल्य धरोहर दी है, जिसने विश्व को सदैव प्रेरित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन हमें अपने जीवन में सत्य, सेवा, अनुशासन, नैतिकता और सदाचार के मूल्यों को अपनाने का भी संदेश देता है। उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि वे अपने गुरुजनों के आदर्शों का अनुसरण करते हुए समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान दें।

सांसद कमलजीत सहरावत और बांसुरी स्वराज ने दिल्ली लक्ष्मी योजना के लिए

मुख्यमंत्री का जताया आभार

हरियाणा मेल, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार द्वारा महिलाओं के लिए 2500 रुपये प्रतिमाह की दिल्ली लक्ष्मी योजना को मंजूरी दिए जाने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की लोकसभा सांसद बांसुरी स्वराज और सांसद कमलजीत सहरावत ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का आभार जताया।

समाज की दो महिलाओं संतोष देवी एवं सोनिया के साथ दिल्ली की दो महिला लोकसभा सांसदों कमलजीत सहरावत एवं बांसुरी स्वराज ने बुधवार को प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता को सम्बोधित किया और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा दिल्ली लक्ष्मी योजना लागू करने पर उनका आभार प्रकट किया। संतोष देवी लाजपत नगर में खाने की रेहड़ी लगाती हैं और सोनिया घरेलू कार्य सहायक के रूप में कार्यरत हैं। कमलजीत सहरावत ने वार्ता में कहा कि दिल्ली का दुर्भाग्य रहा है कि 2014 -2025 तक एक ऐसी सरकार यहां रही जिसने अपनी राजनीतिक स्वार्थ को सर्वोपरि रखा, चाहे उसके लिए दिल्ली की जनता केन्द्र सरकार की योजनाओं से अछूती क्यों ना रह जाये।

उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल की सरकार ने केन्द्र सरकार की किसी भी योजना को दिल्ली में लागू नहीं होने दिया और अपनी ओर से किसी भी तरह की योजनाओं की पहल नहीं की। जो योजनाएं वे लेकर भी आए वह सिर्फ भ्रष्टाचार का माध्यम बनीं।

कमलजीत सहरावत ने कहा कि 2025 में जब रेखा गुप्ता की सरकार बनी तो उन्होंने जो केन्द्रीय योजनाएं दिल्ली में लागू नहीं की गई थीं उन्हें लागू किया और साथ ही अब अपनी नई योजनाओं के माध्यम से दिल्लीवालों को लाभ पहुंचाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मात्र 16 महीने की सरकार ने कई योजनाएं दी और अब दिल्ली लक्ष्मी योजना लागू कर दिल्ली की महिलाओं को लाभ पहुंचाने का काम किया है। बांसुरी स्वराज ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन को ग्राउंड पर चरितार्थ करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि वुमेन लेड डेवलपमेंट केवल भाजपा का नारा ही नहीं है बल्कि पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने इसको चरितार्थ करने का काम किया है। चाहे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ हो या फिर जन धन योजना हो। 50 फीसदी से ज्यादा बैंक एकाउंट महिलाओं के ही खोले गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने मुद्रा योजना के तहत महिलाओं को वित्तीय मजबूती दी तो उज्जवला योजना के तहत उन्हें समाजिक न्याय दिया। स्वराज ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए जो अभियाना चलाया उसमें दिल्ली पीछे रह रही थी क्योंकि दिल्ली में तत्कालिन आप-दा की सरकार ने राजनीति द्वेष के कारण उन्हे लागू करने से रोक दिया था।

खबरें फटाफट

कावड़ यात्रा को लेकर तैनात होंगे ढाई हजार पुलिस कर्मी

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में पुलिस ने कांवड़ यात्रा को लेकर पुख्ता इंतजाम किया है। कावड़ यात्रा के दौरान यहां के विभिन्न मार्गों और शिवालय पर ढाई हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। कांवड़ मार्ग पर ड्रोन से भी निगरानी रखी जाएगी। अपर पुलिस उपायुक्त कानून व्यवस्था राजीव नारायण मिश्रा ने बताया कि श्रावण माह शुरू होने वाला है। नोएडा और एनसीआर के विभिन्न जगहों से लोग जल लेने के लिए हरिद्वार जाएंगे तथा जल लेकर अपने-अपने गंतव्य तक जाएंगे। जनपद गौतम बुद्ध नगर में कावड़ यात्रा के आठ प्रमुख मार्ग है। यहां पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। सभी मार्गों और शिवालय पर पुलिस तैनात की गई है। सभी मार्गो का स्थलीय निरीक्षण किया गया है। सभी मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से निगरानी की जा रही है। कंट्रोल रूम में राजपत्रित अधिकारी नियुक्त किया गया है। इंटरनल डिपार्टमेंटल कमेटी गठित की गई है। जिसमें स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग, नेशनल हाईवे,स्टेट हाईवे के साथ बैठक की गई है। इन मार्गो को ठीक करवाया गया है। उन्होंने बताया की कावड़ मार्ग पर पुलिस तैनाती की पुख्ता व्यवस्था की गई है। करीब ढाई हजार पुलिसकर्मी कांवड़ मार्ग और विभिन्न शिवालय पर तैनात रहेंगे। डीजे संचालकों को भी आदेशित किया गया कि उनको साउंड टाइम मानक के अनुसार ही रखना है। उन्होंने बताया कि कांवड़ मार्ग पर मार्क ड्रोन से निगरानी की जाएगी। सभी की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

सीवेज प्लांट हादसे पर एनएचआरसी ने लिया संज्ञान, दो सप्ताह में रिपोर्ट तलब

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) की एक आवासीय सोसाइटी में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के अंदर जहरीली गैस से दो लोगों की मौत के मामले पर स्वत: संज्ञान लिया है। आयोग ने जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस आयुक्त, गौतमबुद्ध नगर को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने कहा कि यह गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन का मामला है। आयोग ने कहा कि रिपोर्ट में जांच की स्थिति और मृतकों के परिजनों को दी गई क्षतिपूर्ति, यदि कोई हो, का विवरण शामिल होना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट से जानकारी मिली कि 26 जुलाई को सफाईकर्मी टैंक की सफाई के लिए अंदर गया और बेहोश हो गया। उसे बचाने के लिए सुरक्षा गार्ड भी अंदर गया लेकिन वह भी बेहोश हो गया। दोनों को पुलिस और दमकलकर्मियों ने बाहर निकाला और अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

बेखौफ बदमाशों ने कई लोगों से की लूटपाट

नोएडा। नोएडा के विभिन्न जगहों पर बेखौफ बदमाशों ने आधा दर्जन लोगों के साथ लूटपाट की। घटनाओं की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना सेक्टर 63 के प्रभारी निरीक्षक अमित काकरान ने बताया की बीती रात को सात्विक पुत्र हनुमंत रेड्डी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि सेक्टर 63 के एच- ब्लॉक में स्थित एक कंपनी में वह काम करते हैं। पीड़ित के अनुसार वह कंपनी से काम करके पैदल घर के लिए जा रहे थे, तभी एक अज्ञात व्यक्ति उनके पास आया तथा उसने उनका मोबाइल फोन लूट लिया। थाना सेक्टर 20 के प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया की बीती रात को आलोक कुमार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह सेक्टर 31 के मंगल बाजार के पास से शराब की दुकान की तरफ जा रहे थे। वह फोन पर बात कर रहे थे, तभी ठेके के पास एक अज्ञात व्यक्ति आया और उनका फोन छीनकर भाग गया। थाना प्रभारी ने बताया कि बीती रात को कुमारी टीया ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह सेक्टर 19 में रहती हैं। पीड़िता के अनुसार वह सेक्टर 27 मार्केट में गई थी, तभी बाइक सवार दो बदमाशों ने उनका आईफोन उनके हाथ से छीन लिया। थाना सेक्टर 24 के प्रभारी निरीक्षक सुबोध कुमार ने बताया कि बीती रात को प्रियांशी बरयानी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह विश्वकर्मा रोड सेक्टर 52 के पास से उबर ऑटो में सवार होकर अपने एक दोस्त के साथ घर जा रही थी। जैसे ही वह यू टर्न के पास पहुंची दो अज्ञात व्यक्तियों ने उनका कीमती आईफोन लूट लिया। थाना फेस- वन के प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि बीती रात को अमन पांडे ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह हरौला गांव के पास से जा रहे थे, तभी बाइक पर सवार होकर आए दो बदमाशों ने उनका मोबाइल फोन लूट लिया। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक मुनेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को आकाश राय ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह गौर सिटी -7 एवेन्यू में रहते हैं। पीड़ित के अनुसार राधा कृष्ण मंदिर के पास से वह पैदल जा रहे थे, तभी बाइक पर सवार होकर आए अज्ञात बदमाशों ने उनके गले से लगभग दो तोले वजन की सोने की चेन लूट लिया।

यमुना पुनर्जीवन के लिए लगभग 4,500 करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी

हरियाणा मेल, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड ने लगभग 4,500 करोड़ की यमुना पुनर्जीवन परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं में 15 नए विकेंद्रीकृत सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (डीएसटीपीएस), सीवर नेटवर्क का विस्तार, मौजूदा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों का उन्नयन, स्लज प्रबंधन सुविधाओं का विकास, ड्रेनों का इन-सीटू ट्रीटमेंट तथा अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं।

इन मंजूरियों के साथ दिल्ली जल बोर्ड अब कुल 28 विकेंद्रीकृत सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों पर कार्य करेगा, जिनमें पहले स्वीकृत 13 डीएसटीपीएस तथा अब स्वीकृत 15 नए डीएसटीपीएस शामिल हैं। यह दिल्ली के सीवेज शोधन ढांचे के विस्तार की अब तक की सबसे महत्वपूर्ण पहलों में से एक है।

दिल्ली जल बोर्ड की 179वीं बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए

दिल्ली के जल मंत्री एवं दिल्ली जल बोर्ड के अध्यक्ष प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि यमुना को स्वच्छ बनाने के लिए सरकार ने समस्या की जड़ पर काम करते हुए एक व्यापक एवं अवसंरचना आधारित रणनीति अपनाई है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में दिल्ली में प्रतिदिन लगभग 1,000 एमजीडी (मिलियन गैलन प्रतिदिन) सीवेज उत्पन्न होता है। जब वर्तमान सरकार ने कार्यभार संभाला था, तब राजधानी की कुल सीवेज शोधन क्षमता केवल 749 एमजीडी थी, जिससे उपचार क्षमता और सीवेज उत्पादन के बीच बड़ा अंतर था। सरकार ने मौजूदा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों के उन्नयन और पुनर्वास के माध्यम से इस क्षमता को बढ़ाकर 814 एमजीडी कर दिया है। सभी 28 डीएसटीपीएस के पूरा होने के बाद दिल्ली की कुल सीवेज शोधन क्षमता 227 एमजीडी और बढ़कर 1,041 एमजीडी हो जाएगी, जो वर्तमान में उत्पन्न होने वाले कुल सीवेज से भी अधिक होगी। मंत्री ने कहा कि दिल्ली के इतिहास में पहली बार हमारी सीवेज शोधन क्षमता शहर में उत्पन्न होने वाले सीवेज से अधिक होगी। यह यमुना पुनर्जीवन के हमारे संकल्प की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है और दिल्ली के लिए एक टिकाऊ सीवेज प्रबंधन व्यवस्था स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम भी। उन्होंने बताया कि पहले 13 डीएसटीपीएस को स्वीकृति दी जा चुकी थी, जबकि अब दिल्ली जल बोर्ड ने 15 नए डीएसटीपीएस को लगभग 2,000 करोड़ की लागत से स्वीकृति प्रदान की है।

द्वारका में चलते-चलते क्लस्टर बस में लगी आग, बड़ा हादसा टला, शॉर्ट सर्किट बनी वजह

हरियाणा मेल, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका सेक्टर-9 रेड लाइट के पास बुधवार को उस समय अफरातफरी मच गई, जब चलती क्लस्टर बस में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने बस को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग और दिल्ली पुलिस मौके पर पहुंच गई। दमकल कर्मियों ने समय रहते आग पर काबू पा लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। राहत की बात यह रही कि घटना में कोई हताहत या घायल नहीं हुआ। पुलिस के मुताबिक, 29 जुलाई की सुबह पुलिस थाना सेक्टर-23, द्वारका में पीसीआर कॉल के जरिए बस में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही एसआई नवीन यादव अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। सेक्टर-9 द्वारका रेड लाइट स्थित सिंगला रेस्टोरेंट के पास डीटीसी सेक्टर-22 द्वारका डिपो की क्लस्टर बस धू-धू कर जलती मिली। मौके पर पहुंची दिल्ली दमकल की टीम ने आग पर काबू पाया। पुलिस की जांच में सामने आया कि घटना के समय बस सेक्टर-22 द्वारका डिपो से द्वारका मोड़ एसटीएल जा रही थी। उस समय बस में कोई यात्री सवार नहीं था, जिससे किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। घटनास्थल पर बस चालक चंदन सिंह और परिचालक विवेक दहिया मौजूद मिले। दोनों ने पुलिस को बताया कि बस में अचानक इंजन के हिस्से में वायरिंग में शॉर्ट सर्किट होने से आग लगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि घटना पूरी तरह दुर्घटनावश हुई और इसमें किसी व्यक्ति की लापरवाही या जानबूझकर किया गया कोई कृत्य शामिल नहीं है। घटना की सूचना मिलते ही डीटीसी के वरिष्ठ अधिकारी, जिनमें एजीएम और डीजीएम भी शामिल थे, मौके पर पहुंच गए और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद यातायात कुछ समय के लिए प्रभावित हुआ था, जिसे जल्द ही सामान्य करा दिया गया।

सात घंटे में ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा, दो नाबालिग पकड़े गए

हरियाणा मेल, एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर थाना पुलिस ने महज सात घंटे के भीतर एक ब्लाइंड मर्डर केस का पर्दाफाश करते हुए हत्या में शामिल दो नाबालिग को पकड़ लिया। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू और वारदात के समय पहने गए कपड़े भी बरामद किए हैं। शुरूआती जांच में सामने आया है कि दोनों किशोर फैक्ट्री में काम करते थे और मृतक द्वारा कथित तौर पर लगातार परेशान किए जाने से तंग आकर उन्होंने हत्या की साजिश रची थी।

पुलिस के मुताबिक, 28 जुलाई को सुबह करीब 11:30 बजे न्यू उस्मानपुर थाना पुलिस को सूचना मिली कि डीडीए पार्क के भीतर एक गड्ढे में युवक का शव पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, जहां करीब 18 वर्षीय अज्ञात युवक का शव मिला।

उसके शरीर पर चाकू से गोदने के कई निशान थे। घटनास्थल के पास खून से सना चाकू भी पड़ा मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम और अन्य कानूनी कार्रवाई के लिए जेपीसी अस्पताल की मोर्चरी भेज दिया।

कावड़ यात्रा को लेकर गाजियाबाद में आज से रूट डायवर्जन लागू

हरियाणा मेल, एजेंसी

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के जनपद गाजियाबाद में कांवड़ यात्रा को लेकर आज बुधवार सुबह 8 बजे से रूट डायवर्जन लागू कर दिया गया है। यह व्यवस्था 12 अगस्त तक जारी रहेगी। इस दौरान दिल्ली की ओर से आने वाले भारी वाहनों का शहर में प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। रोजाना ड्यूटी या काम से आने-जाने वाले लोगों को डायवर्जन पॉइंट पर पहचान पत्र दिखाना अनिवार्य होगा। कांवड़ यात्रा के सुरक्षित संचालन और यातायात व्यवस्था को लेकर मेरठ, गाजियाबाद, दिल्ली, गौतमबुद्धनगर, हापुड़ और बुलंदशहर के वरिष्ठ अधिकारियों की अंतरराज्यीय समन्वय गोष्ठी आयोजित की गई है। पुलिस उपायुक्त यातायात त्रिगुण बिसेन ने बताया कि बैठक में तय हुआ कि तीनों जनपदों के अधिकारी आपसी समन्वय बनाकर कांवड़ मार्ग पर सुरक्षा, ट्रैफिक और श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करेंगे। गोष्ठी में निर्णय लिया गया कि मुख्य डायवर्जन पॉइंट्स पर सांकेतिक बोर्ड लगाए जाएंगे, ताकि श्रद्धालुओं और वाहन चालकों को असुविधा न हो।

आआपा ने आगामी विधानसभा सत्र में प्रश्नकाल रखने की मांग की

हरियाणा मेल, एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) ने आगामी 7 से 11 अगस्त तक आयोजित होने वाले विधानसभा सत्र में प्रश्नकाल का प्रावधान नहीं रखने पर सवाल खड़ा किया है। आआपा के बुराड़ी से विधायक संजीव झा ने विधानसभा अध्यक्ष से अपील करते हुए कहा कि बिना प्रश्नकाल के सदन की बैठक न होने दें। अगर समय बढ़ाना चाहें तो इसके लिए विपक्ष तैयार है।

संजीव झा ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि सरकार ने यह निर्णय लिया है कि 7 से 11 अगस्त तक विधानसभा का सत्र बुलाएगी। लगातार यह दूसरा सत्र है, जिसमें प्रश्न काल नहीं रखा गया है। उन्होंने कहा कि आज 29 जुलाई है और 7 अगस्त से सत्र शुरू करना है। सामान्यतः अगर प्रश्न काल रखना होता है, तो 15 दिन का अंतर रहता है ताकि प्रश्न लगाए जा सकें, उनके जवाब आएं और फिर उन्हें विधानसभा पटल पर रखा जाए। तो अगर प्रश्न काल नहीं रखा जा रहा है, तो फिर इस सत्र का

मतलब क्या है? संजीव झा ने कहा कि दिल्ली सरकार ने दिल्ली के लोगों से जो वादे किए थे, उन पर कोई काम नहीं हो रहा है। अभी 650 करोड़ रुपये का घोटाला सामने आया है, क्या सरकार इस जिम्मेदारी से बचना चाहती है कि लोगों के सामने यह जानकारी न आए। संजीव झा ने कहा कि दिल्ली विधानसभा ही एक ऐसी जगह है, जहां सरकार की जिम्मेदारी और जवाबदेही दोनों तय होती हैं। सरकार सदन के लिए जिम्मेदार और जवाबदेह दोनों है और वह जवाबदेही तभी तय होगी जब प्रश्न काल रखा जाएगा और सवाल किए जाएंगे। अगर प्रश्न काल नहीं रखा जाता है, तो इस व्यवस्था का कोई मतलब नहीं रह जाता और किसी अधिकारी की कोई जिम्मेदारी तय नहीं होती।

आम आदमी पार्टी ने दिल्ली लक्ष्मी योजना को लेकर सरकार पर साधा निशाना, कहा

पात्रता के लिए कई शर्तें रखना गलत

हरियाणा मेल, एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली लक्ष्मी योजना को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने दिल्ली में कल्याणकारी योजनाओं के लिए पात्रता शर्तों का विरोध किया।

सौरभ भारद्वाज ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली कैबिनेट ने कल एक फैसला लिया था जिसके तहत राजधानी की महिलाओं को 2500 रुपये का भत्ता देने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने कई शर्तों के बाद इस योजना को मंजूरी दी थी।

आआपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव के पहले तो सरकार ने जनता से वादा किया गया था कि दिल्ली लक्ष्मी योजना दिल्ली की सभी महिलाओ

को दी जाएगी लेकिन सरकार अब क्या कर रही है? उन्होंने इतनी सारी शर्तें लगा दी हैं कि असल में किसी को भी यह नहीं मिल पाएगा।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली सरकार ने इस योजना के तहत पहली शर्ती रखी है कि महिला 21 साल से ऊपर और 60 साल से नीचे नही होनी चाहिए। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि वोट तो सरकार 18 साल से ऊपर सबका लेती है फिर इस योजना के लाभ के लिए उम्र की शर्ते क्यों। भारद्वाज ने कहा कि सरकार ने इस योजना को लेकर कई शर्त रखी है जिसमें महिला के पास दिल्ली में 10 साल रहने का प्रमाण, एक परिवार में एक ही महिला को इस योजना का लाभ मिलेगा, महिला के परिवार में किसी भी तरह का केस नही होना चाहिए, तीन बच्चें से ज्यादा नही होना चाहिए, एक साल के अंदर 2400 यूनिट से ज्यादा बिजली की खपत नही होनी चाहिए और इसके अलावा उसके पास राशन कार्ड होना चाहिए। उन्होंने दिल्ली लक्ष्मी योजना को मजाक बताया। आआपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ने सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि फरवरी को दिल्ली में सरकार बने थी और दिल्ली सरकार ने 8 मार्च अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को सभी महिलाओं के खाते में 2500 रुपये देने का वादा किया था लेकिन आज तक उनके खाते में पैसे नही डाले। उन्होंने कहा कि सरकार कभी भी इस योजना को लाभ महिलाओं को देना ही नही चाहती थी।

केजरीवाल ने ई२० पेट्रोल को लेकर केंद्र सरकार पर साधा निशाना

हरियाणा मेल, एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इथेनॉल 20 पेट्रोल को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार वाहन कंपनियों पर दबाव बनाकर इथेनॉल20 को सुरक्षित बताने के लिए मजबूर कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं करने पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) व आयकर विभाग की कार्रवाई की धमकी दे रही है।

अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए दावा किया कि उन्होंने 29 वाहन निमार्ता कंपनियों को पत्र लिखकर पूछा था कि क्या 2023 से पहले बने वाहनों में इथेनॉल20 पेट्रोल का सुरक्षित इस्तेमाल किया जा सकता है और यदि इससे वाहन खराब होता है या माइलेज कम होती है तो क्या कंपनियां

इसकी जिम्मेदारी लेंगी।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जब कंपनियों से जवाब मांगा तो किसी कंपनी ने लिखित जवाब नहीं दिया, जबकि नौ कंपनियों के अधिकारियों ने फोन पर बातचीत में कथित तौर पर स्वीकार किया कि पुराने वाहनों में इथेनॉल20 के इस्तेमाल से इंजन और फ्यूल सिस्टम को नुकसान तथा माइलेज में गिरावट आ सकती है। उन्होंने कहा कि देश में 2023 से पहले बनी करीब 30 करोड़ गाड़ियां हैं और सरकार की नीति से ये वाहन प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इथेनॉल पेट्रोल से महंगा है, इससे माइलेज कम मिलती है।

केजरीवाल ने कहा कि इथेनॉल20 के विरोध में शनिवार को आयोजित किए जा रहे राष्ट्रीय टाउनहॉल कार्यक्रम को रोकने के लिए केंद्र सरकार पुलिस और प्रशासन के जरिए दबाव बना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कार्यक्रम स्थल की बुकिंग रद्द कराने और अनुमति लेने का दबाव बनाया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि टाउनहॉल तय कार्यक्रम के अनुसार आयोजित होगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने पेपर लीक मामलों में छात्रों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस लेने की मांग का भी समर्थन किया।

असम में बाढ़ की गंभीर स्थिति पर केजरीवाल ने जताई चिंता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने असम में बाढ़ की गंभीर स्थिति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में पूरे देश को असम के लोगों के साथ मजबूती से खड़ा होना चाहिए। अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि असम में बाढ़ की गंभीर स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। इस संकट की घड़ी में हमें असम के लोगों के साथ खड़े रहना है। पूर्व मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से अपील करते हुए कहा कि असम में हर वर्ष आने वाली बाढ़ की समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए, ताकि लोगों को बार-बार ऐसी आपदा का सामना न करना पड़े। अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं और देशवासियों से असम के बाढ़ प्रभावित लोगों की हरसंभव सहायता करने और राहत कार्यों में सहयोग देने की अपील की। उल्लेखनीय है कि, असम में हालिया बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है, जिसमें 75 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और लगभग 8 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। शिवसागर, जोरहाट और चराइदेव जैसे ऊपरी असम के जिले सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं।

कावड़ मार्ग पर ट्रक और बोलेरो पिकअप में टक्कर हरिद्वार जा रहे तीन श्रद्धालुओं की मौत, पांच घायल

हरियाणा मेल, एजेंसी

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के जनपद गाजियाबाद में थाना निवाड़ी क्षेत्र के गंग नहर पटरी पर मंगलवार की मध्य रात्रि को हुए एक सड़क हादसे में बोलोरो पिकअप में सवार तीन लोगों की मौत हो गई। ये लोग पिकअप में सवार होकर जा रहे थे, तभी ट्रक ने टक्कर मार दिया।

इस घटना में घायल पांच लोग अस्पताल में भर्ती है। पीड़ित पक्ष ने कुछ दिन पहले ही पिकअप खरीदा था। ये लोग उसमें सवार होकर हरिद्वार पूजा करने जा रहे थे। पुलिस ने आरोपी चालक और परिचालक को गिरफ्तार कर लिया है।

सहायक पुलिस आयुक्त मोदीनगर भास्कर वर्मा ने बताया कि हादसा मंगलवार रात करीब 12:40 बजे निवाड़ी थाना क्षेत्र में चौधरी चरण सिंह कांवड़ पटरी मार्ग पर हुआ।उन्होंने बताया कि इस घटना में जिन लोगों की मौत हुई है उनकी पहचान रमेश पुत्र छोटेलाल, रतन पुत्र भजनलाल और सरजीत पुत्र खुशीराम के रूप में हुई है। तीनों राजस्थान के अलवर जिले के कलगांव के रहने वाले थे। एसीपी के मुताबिक, श्रद्धालु हाल ही में खरीदी गई नई बोलेरो की पूजा कराने और गंगा स्नान के लिए हरिद्वार जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे ट्रक से उनकी भिड़ंत हो गई।

एसीपी ने बताया कि शुरूआती जांच में ट्रक और बोलेरो दोनों की तेज रफ्तार हादसे की वजह सामने आ रही है। हादसा चौधरी चरण सिंह कांवड़ पटरी मार्ग पर हुआ, जो कांवड़ियों का प्रमुख मार्ग माना जाता है। यह मार्ग गाजियाबाद के मुरादनगर से शुरू होकर मेरठ, मुजफ्फरनगर होते हुए हरिद्वार तक जाता है। 29 जुलाई की सुबह से इस मार्ग पर भारी वाहनों का डायवर्जन लागू होना था, लेकिन उससे पहले ही देर रात यह दर्दनाक हादसा हो गया।

असम के बल्लेबाज डेनिश दास का दलीप ट्रॉफी के लिए ईस्ट जोन टीम में चयन

हरियाणा मेल, एजेंसी

गुवाहाटी। असम क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने बताया कि असम के बल्लेबाज डेनिश दास का 2026-27 सत्र की दलीप ट्रॉफी के लिए ईस्ट जोन की टीम में चयन हुआ है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 23 अगस्त से 10 सितंबर 2026 तक बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में आयोजित किया जाएगा। असम के लिए एक और उपलब्धि के रूप में भास्कर बोरा को भी दलीप ट्रॉफी के लिए ईस्ट जोन टीम का स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच नियुक्त किया गया है।

असम क्रिकेट एसोसिएशन ने डेनिश दास को चयन और भास्कर बोरा को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई देते हुए दोनों के साथ-साथ ईस्ट जोन टीम को आगामी दलीप ट्रॉफी के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

एशियाई खेल 2026 के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम घोषित

■ हरमनप्रीत सिंह के हाथों में कमान

हरियाणा मेल, एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने बुधवार को जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले 20वें एशियाई खेल 2026 के लिए 20 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कप्तानी स्टार डिफेंडर और ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ हरमनप्रीत सिंह करेंगे, जबकि अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह टीम के उपकप्तान होंगे।

भारत मौजूदा एशियाई खेल चैंपियन के रूप में टूर्नामेंट में उतरेगा। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय टीम ने 2023 के हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक का टिकट हासिल किया था। इस बार भी टीम का लक्ष्य खिताब बचाने के साथ-साथ लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक का सीधा कोटा हासिल करना होगा।

गोलकीपिंग की जिम्मेदारी मोहित एचएस और सूरज करकेरा संभालेंगे। रक्षापंक्ति में जरमनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित और यशदीप सिवाच शामिल हैं।

मिडफील्ड में राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, नीलकांत शर्मा और विवेक सागर प्रसाद टीम की कमान संभालेंगे। वहीं आक्रमण की जिम्मेदारी दिलप्रीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सुखजीत सिंह, मनदीप सिंह और अभिषेक के कंधों पर होगी।

भारतीय टीम

गोलकीपर : मोहित एचएस, सूरज करकेरा
डिफेंडर : जरमनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित, यशदीप सिवाच।
मिडफील्डर : राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, नीलकांत शर्मा, विवेक सागर प्रसाद।
फॉरवर्ड : दिलप्रीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सुखजीत सिंह, मनदीप सिंह, अभिषेक।

आईपीएल ने भारत में खेलों को देखने का नजरिया बदला : नेस वाडिया

हरियाणा मेल, एजेंसी

मुंबई। पंजाब किंग्स के सह-मालिक नेस वाडिया ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने भारत में खेलों को देखने का नजरिया पूरी तरह बदल दिया है। उन्होंने कहा कि आईपीएल ने न सिर्फ खिलाड़ियों के लिए नए अवसर पैदा किए हैं, बल्कि निवेश, खेल उद्योग और खेल ब्रांडों को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।

हूलिहान लोकी की वर्ष 2026 की आईपीएल वैल्यूएशन स्टडी में शामिल वाडिया ने कहा कि जब उन्होंने 2008 में पंजाब किंग्स (तत्कालीन किंग्स इलेवन पंजाब) में निवेश किया था, तब उन्हें विश्वास था कि भारतीय खेल एक नए दौर में प्रवेश करने वाला है। उन्होंने कहा कि शुरूआती सात वर्षों तक फ्रेंचाइजी को लाभ नहीं हुआ, लेकिन उनका भरोसा कभी नहीं डिगा। रिपोर्ट के अनुसार, 2026 सीजन के बाद आईपीएल का व्यावसायिक मूल्य बढ़कर 20.6 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 11.4 प्रतिशत अधिक है। लीग का ब्रांड मूल्य 4.3 अरब अमेरिकी डॉलर पहुंच गया है, जिसमें 10.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। पंजाब किंग्स के निवेश का मूल्य भी बढ़कर लगभग 1,510 करोड़ रुपये (158 मिलियन अमेरिकी डॉलर) हो गया है।

लगातार बढ़ रही आईपीएल की लोकप्रियता

वाडिया ने कहा कि आईपीएल की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है और आगामी मीडिया अधिकारों के चक्र में भी इसकी कीमत और अधिक बढ़ने की संभावना है। उन्होंने कहा कि लीग अभी अपनी सर्वोच्च सीमा तक नहीं पहुंची है और इसके सबसे बेहतरीन वर्ष अभी आने बाकी हैं। उन्होंने कहा कि आईपीएल की सबसे बड़ी ताकत इसकी सीमित फ्रेंचाइजी हैं। केवल 10 टीमें होने के कारण इसकी मांग लगातार बनी हुई है। यही वजह है कि वैश्विक निवेशक भी अब आईपीएल फ्रेंचाइजी में रुचि दिखा रहे हैं।

18वां रणधीर वर्मा इंटर स्कूल अंडर-13 क्रिकेट टूर्नामेंट 1 अगस्त से, आयोजन समिति गठित

हरियाणा मेल, एजेंसी

पटना। 18वें रणधीर वर्मा इंटर स्कूल अंडर-13 क्रिकेट टूर्नामेंट के सफल संचालन के लिए सात सदस्यीय आयोजन समिति का गठन किया गया है। पूर्व आईपीएस रणधीर वर्मा फाउंडेशन के संस्थापक-सह-सचिव एवं भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सतीश राजू ने बुधवार को समिति के गठन और तैयारियों की आधिकारिक जानकारी साझा की।

उन्होंने बताया कि यह निर्णय आज आयोजन समिति की बैठक में लिया गया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की जिम्मेदारी सरदार पटेल स्पोर्ट्स फाउंडेशन को सौंपी गई है। मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए प्रतियोगिता की तिथि में बदलाव किया गया है। अब यह टूर्नामेंट 25 जुलाई के स्थान पर 1 अगस्त से श्रीकृष्णा क्रिकेट मैदान, खेमनीचक में खेला जाएगा। राजेश यादव, विकास कुमार गोल्डी, कंचन कुमारी, विकास सिंह, मोहित श्रीवास्तव, सचिन राणावत, अभिराम शर्मा आयोजन समिति की सदस्य होंगे।

नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स ने रयान टेन डोशेट को बनाया हेड ऑफ क्रिकेट स्ट्रैटेजी

हरियाणा मेल, एजेंसी

कोलकाता। नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स ने अपने पूर्व खिलाड़ी और कोचिंग स्टाफ के अहम सदस्य रहे रयान टेन डोशेट को हेड ऑफ क्रिकेट स्ट्रैटेजी नियुक्त किया है। इस नई भूमिका में वह नाइट राइडर्स समूह की वैश्विक फ्रेंचाइजी. के लिए क्रिकेट रणनीति, प्रतिभा की पहचान, खिलाड़ी भर्ती और विकास का नेतृत्व करेंगे।

रयान टेन डोशेट स्काउटिंग, खिलाड़ी चयन, टीम संयोजन और प्रदर्शन मूल्यांकन की रणनीति तैयार करेंगे। साथ ही वह विभिन्न फ्रेंचाइजी. के कोचिंग स्टाफ के साथ मिलकर पूरे नाइट राइडर्स नेटवर्क में एक समान क्रिकेट दर्शन और कार्यशैली विकसित करने पर काम करेंगे। नई जिम्मेदारी के तहत वह त्रिनबागो नाइट राइडर्स (कैरेबियन प्रीमियर लीग), अबू धाबी नाइट राइडर्स (आईएलटी20) और लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स (मेजर लीग क्रिकेट) के सहायक कोच की भूमिका भी निभाएंगे। नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेंकी मैसूर ने बुधवार को फ्रैंचाइजी की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा कि रयान का परिवार में दोबारा स्वागत करते हुए उन्हें बेहद खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि नाइट राइडर्स की क्रिकेट संस्कृति की उनकी गहरी समझ और अंतरराष्ट्रीय व फ्रेंचाइजी क्रिकेट का अनुभव उन्हें इस भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त बनाता है। उनके नेतृत्व में नाइट राइडर्स नेटवर्क के विकास को नई दिशा मिलेगी।

नाइट राइडर्स परिवार से जुड़कर बेहद उत्साहित है रयान

अपनी नियुक्ति पर रयान टेन डोशेट ने कहा कि वह एक बार फिर नाइट राइडर्स परिवार से जुड़कर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि यह विभिन्न वैश्विक फ्रेंचाइजी.की कोचिंग और विश्लेषण टीमों के साथ मिलकर स्काउटिंग, खिलाड़ी विकास प्रणाली को मजबूत करने और दीर्घकालिक क्रिकेट रणनीति तैयार करने का शानदार अवसर है। रयान टेन डोशेट का नाइट राइडर्स के साथ सफर 2011 में खिलाड़ी के रूप में शुरू हुआ था। वह कोलकाता नाइट राइडर्स की 2012 और 2014 की आईपीएल विजेता टीम के सदस्य रहे। इसके बाद 2022 में वह कोचिंग समूह का हिस्सा बने और 2024 में टीम की तीसरी आईपीएल खिताबी जीत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ताइपे ओपन: प्रणय और अनमोल खरब दूसरे दौर में, रौनक और श्रियांशी बाहर

हरियाणा मेल, एजेंसी

ताइपे। भारत के अनुभवी शटलर एच.एस. प्रणय ने ताइपे ओपन-2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट की शानदार शुरूआत करते हुए पुरुष एकल के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। सातवीं वरीयता प्राप्त प्रणय ने जापान के मिनोरू कोगा को केवल 35 मिनट में 21-11, 21-14 से हराकर अगले दौर का टिकट कटाया।

विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रणय इस सीजन संघर्ष से गुजर रहे थे। ताइपे पहुंचने से पहले वह इस वर्ष केवल तीन बार शुरूआती दौर पार कर सके थे। अब दूसरे दौर में उनका मुकाबला भारत के मिथुन मंजूनाथ और हांगकांग के जेसन गुनावन के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। महिला एकल में अनमोल खरब ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे दौर में जगह बनाई। उन्होंने भारत की ही इशिका जायसवाल को 56 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 21-15, 11-21, 21-19 से हराया। अब अनमोल का सामना अश्मिता चालिहा और चीनी ताइपे की दूसरी वरीयता प्राप्त टी लिन ह्सियांग के बीच होने वाले मैच की विजेता से होगा। हालांकि, भारत को कुछ निराशा भी हाथ लगी। पुरुष एकल में रौनक चौहान को सिंगापुर के रिची डुटा रिचार्डो ने 21-14, 21-16 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच वर्ल्ड कप 2026 के लिए रवाना

■ टीम फ्रैंकफर्ट में जर्मनी के खिलाफ दो प्रैक्टिस मैच खेलेगी

हरियाणा मेल, एजेंसी

बेंगलुरु। भारतीय महिला हॉकी टीम बुधवार सुबह यूरोप के लिए रवाना हुई। एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप बेल्जियम और नीदरलैंड 2026 की मेजबानी में 15 से 30 अगस्त तक खेला जाएगा। टीम ने बेंगलुरु से मुंबई की यात्रा की और फिर फ्रैंकफर्ट, जर्मनी के लिए उड़ान भरी, जहाँ वह इस बड़े इवेंट से पहले अपनी तैयारियों के आखिरी चरण को पूरा करेगी।

फ्रैंकफर्ट में रहने के दौरान, भारतीय टीम 31 जुलाई और 1 अगस्त को जर्मनी के खिलाफ दो प्रैक्टिस मैच खेलेगी ताकि टीम के तालमेल को बेहतर बनाया जा सके और यूरोपीय परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाला जा सके।

ट्रेनिंग कैंप के बाद, टीम 2 अगस्त को एम्स्टर्डम के लिए रवाना होगी ताकि नीदरलैंड में वर्ल्ड कप की अपनी तैयारियों को जारी रख सके।

भारत 16 अगस्त को चीन के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगा, जिसके बाद पूल ऊ में दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ मैच खेलेगा। टीम के रवाना होने से पहले, कप्तान सलीमा टेटे ने टीम की तैयारियों पर भरोसा जताते हुए कहा, पूरी टीम आने वाली चुनौती के लिए उत्साहित है। हमारी ट्रेनिंग अच्छी रही है, और अब उस लय को प्रैक्टिस मैचों और फिर वर्ल्ड कप में भी बनाए रखना है।

राष्ट्रमंडल खेल: हरजिंदर कौर ने भारोत्तोलन में जीता रजत पदक

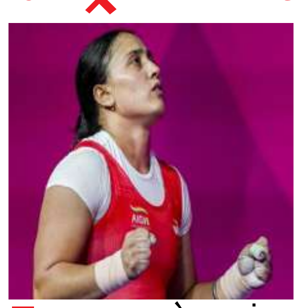

■ लगातार दूसरे राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने का किया कारनामा

हरियाणा मेल, एजेंसी

ग्लासगो। भारतीय भारोत्तोलक हरजिंदर कौर ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को महिलाओं के 69 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया।

हरजिंदर ने स्नैच और क्लीन एंड जर्क के सभी छह प्रयास सफलतापूर्वक पूरे किए और कुल 227 किलोग्राम वजन उठाकर दूसरे स्थान पर रहीं।

स्नैच स्पर्धा में हरजिंदर ने 96 किलोग्राम से शुरूआत की और इसके बाद 99 किलोग्राम तथा 101 किलोग्राम वजन भी सफलतापूर्वक उठाया। स्नैच में 101 किलोग्राम के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ वह कनाडा की शार्लोट सिमोनो के बाद दूसरे स्थान पर रहीं। सिमोनो ने 108 किलोग्राम वजन उठाकर बढ़त बनाई थी। क्लीन एंड जर्क में भी हरजिंदर ने अपनी शानदार लय बरकरार रखी। उन्होंने पहले प्रयास में 120 किलोग्राम, दूसरे में 123 किलोग्राम और अंतिम प्रयास में 126 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाया।

इस तरह उन्होंने स्नैच में 101 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 126 किलोग्राम सहित कुल 227 किलोग्राम वजन उठाकर रजत पदक पर कब्जा जमाया।

कनाडा की शार्लोट सिमोनो ने 240 किलोग्राम (108 किलोग्राम स्नैच और 132 किलोग्राम क्लीन एंड जर्क) के राष्ट्रमंडल खेल रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। ऑस्ट्रेलिया की न्या फीबी हेमैन ने कुल 218 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक हासिल किया। यह हरजिंदर कौर का लगातार दूसरे राष्ट्रमंडल खेलों में पदक है। इससे पहले उन्होंने बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में महिलाओं के 71 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता था। ग्लासगो 2026 में उन्होंने 69 किलोग्राम भार वर्ग में उतरकर एक बार फिर भारत को पदक दिलाया।

छठे दिन भारत को दो रजत पदक, 12 पदकों के साथ तालिका में नौवें स्थान पर

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेल-2026 के छठे दिन भारत ने अपने खाते में दो और रजत पदक जोड़कर कुल पदकों की संख्या 12 पहुंचा दी। एथलेटिक्स में गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में ऐतिहासिक रजत पदक जीता, जबकि हरजिंदर कौर ने महिलाओं के 69 किलोग्राम भार वर्ग में कुल 227 किलोग्राम वजन उठाकर दूसरा रजत अपने नाम किया। इन दोनों उपलब्धियों के साथ भारत के खाते में अब 2 स्वर्ण, 7 रजत और 3 कांस्य सहित कुल 12 पदक हो गए हैं। पदक तालिका में भारतीय दल नौवें स्थान पर बना हुआ है। पदक तालिका में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा लगातार कायम है। ऑस्ट्रेलिया ने अब तक 35 स्वर्ण, 18 रजत और 27 कांस्य सहित कुल 80 पदक जीतकर पहला स्थान मजबूत किया है। कनाडा 13 स्वर्ण, 10 रजत और 12 कांस्य सहित कुल 35 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि इंग्लैंड 10 स्वर्ण, 18 रजत और 15 कांस्य सहित कुल 43 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर बना हुआ है। मेजबान स्कॉटलैंड 7 स्वर्ण के साथ चौथे, नाइजीरिया पांचवें, मलेशिया छठे, दक्षिण अफ्रीका सातवें और न्यूजीलैंड आठवें स्थान पर हैं। भारत नौवें स्थान पर है, जबकि जमैका शीर्ष-10 में दसवें स्थान पर मौजूद है। भारत को अब आगामी मुकाबलों में एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, सहित अन्य स्पधार्ओं से पदकों की उम्मीद रहेगी, जिससे पदक तालिका में उसकी स्थिति और मजबूत हो सकती है।

BUSINESS

गोयल ने पुरबी आइसक्रीम के भूटान निर्यात को भारत के लिए शानदार उपलब्धि बताया

हरियाणा मेल, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने असम से भूटान को पुरबी आइसक्रीम की पहली खेप के निर्यात को भारत के लिए शानदार उपलब्धि बताया है। उन्होंने कहा कि इस पहल से आय के नए मौके बनेंगे, इंटरनेशनल मार्केट तक पहुंच बढ़ेगी और पूर्वोत्तर में हमारे डेयरी किसानों की आजीविका मजबूत होगी। पीयूष गोयल ने बुधवार को एक्स पोस्ट में कहा कि असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने 'वेस्ट असम मिल्क प्रोड्यूसर्स को-ऑपरेटिव यूनियन लिमिटेड' द्वारा भूटान को 'पुरबी आइसक्रीम' के निर्यात की शुरूआत की है, जो भारत के लिए एक शानदार उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि एपीडा दस्तावेज के सहयोग से मिली यह कामयाबी भारत के डेयरी सेक्टर की बढ़ती ताकत और ग्लोबल स्तर पर मुकाबले की क्षमता को दिखाती है। साथ ही हमारे डेयरी किसानों के लिए नए रास्ते भी खोलती है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. सरमा ने भूटान के लिए 'पुरबी' आइसक्रीम की पहली निर्यात खेप को 28 जुलाई को गुवाहाटी में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नॉर्थ ईस्ट डेयरी एंड फूड्स लिमिटेड (एनईडीएफएल) द्वारा एक्सपोर्ट की जा रही इस निर्यात खेप से भूटान के प्रमुख बाजारों, जैसे थिम्पू, पारो, फुएंटशोलिंग और वांगड्यू में 'पुराबी आइसक्रीम' की सप्लाई की जाएगी।मंत्रालय ने बताया कि इससे पड़ोसी अंतरराष्ट्रीय बाजारों में असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र के डेयरी उत्पादों की मौजूदगी और मजबूत होगी। यह असम के डेयरी सेक्टर और नॉर्थ-ईस्ट रीजन से प्रोसेस्ड फूड के एक्सपोर्ट के लिए एक अहम पड़ाव के तौर पर, असम से भूटान को 'पुराबी आइसक्रीम' की 5,627 लीटर की पहली इंटरनेशनल खेप निर्यात की गई।

प्राइमरी मार्केट में लॉन्च हुआ मणिपाल हॉस्पिटल का आईपीओ, 31 जुलाई तक लगा सकते हैं बोली

हरियाणा मेल, एजेंसी

नई दिल्ली। मणिपाल हॉस्पिटल के नाम से देश के कई शहरों में हेल्थकेयर सुविधा देने वाली कंपनी मणिपाल हेल्थ इंटरप्राइजेज का 9,275.22 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 31 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद तीन अगस्त को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि चार अगस्त को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर पांच अगस्त को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 560 रुपये से लेकर 590 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 25 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 25 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,750 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,91,750 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 325 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत दो रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 15,72,07,054 करोड़ शेयर जारी किए जा रहे हैं। इनमें लगभग आठ हजार करोड़ रुपये के 13,55,93,220 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि लगभग 1,275 करोड़ रुपये के 2,16,13,834 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए कम से कम 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है।

आईटीआर दाखिल करने के आखिरी तीन दिन, 31 जुलाई के बाद लगेगी लेट फीस

हरियाणा मेल, एजेंसी

नई दिल्ली। आकलन वर्ष 2026-27 यानी वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आयकर रिटर्न आईटीआर फाइल करने के लिए अब सिर्फ 3 दिनों का समय बचा है। आम करदाताओं के लिए रिटर्न फाइल करने की अंतिम तारीख 31 जुलाई, 2026 है। वहीं, बिजनेस क्लास (आईटीआर-3 और आईटीआर-4) के कुछ करदाताओं के लिए यह 31 अगस्त, 2026 है।

आयकर विभाग ने बुधवार को एक्स पर जारी पोस्ट में कहा कि आईटीआर की डेडलाइन चूकना 'हिट विकेट' होने जैसा है, जिसे आसानी से टाला जा सकता है। देर से आयकर रिर्टन भरने पर लगने वाली फीस और ब्याज से बचें, जल्दी आईटीआर फाइल करके इसे 'फ्री हिट' में बदलें। विभाग ने कहा कि आकलन वर्ष 2026-27 के लिए आईटीआर-1 और आईटीआर-2, 31 जुलाई, 2026 से पहले मिला लें और अपना रिर्टन फाइल कर दें।

विभाग के मुताबिक अगर आप 31 जुलाई तक आईटीआर भरने से चूक जाते हैं तो 31 दिसंबर तक जुमार्ना भरकर 'बिलेटेड रिटर्न' फाइल कर सकते हैं। हालांकि, इसके लिए आपको लेट फीस देनी होगी। आईटीआर आपकी पूरी आय, निवेश और वित्तीय लेन-देन का आधिकारिक रिकॉर्ड होता है।

एसईसीएल ने निष्क्रिय पड़ी 28 खदानों को वैज्ञानिक तरीके से बंद किया

हरियाणा मेल, एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने पिछले दो वित्त वर्षों में भूमि क्षरण और सुरक्षा जोखिमों से निपटने के लिए बंद पड़ी हुई 28 कोयला खदानों को वैज्ञानिक तरीके से बंद किया है। कंपनी ने बुधवार को जारी बयान में बताया कि वैज्ञानिक तरीके से बंद की जाने वाली 54 परित्यक्त यानी बंद पड़ी हुई खदानों की पहचान की गई थी। एसईसीएल ने पिछले दो वित्त वर्षों में बंद पड़ी कुल 28 कोयला खदानों को वैज्ञानिक तरीके से बंद किया है। यह पहल भूमि क्षरण, सुरक्षा जोखिम और बिना उपयोग वाले बुनियादी ढांचे जैसे मुद्दों से निपटने के उद्देश्य से की गई है। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ने कहा कि इन खदानों में से वित्त वर्ष 2024-25 में तीन और वित्त वर्ष 2025-26 में 25 खदानों को सफलतापूर्वक वैज्ञानिक तरीके से बंद किया गया है। कंपनी ने कहा कि एसईसीएल का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष 2026-27 में 11 और खदानों को बंद करना है, जबकि शेष 15 खदानों को वित्त वर्ष 2027-28 में चरणबद्ध तरीके से बंद किया जाएगा। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक हरीश दुहान ने कहा, खदान का बंद होना खनन गतिविधि का अंत नहीं बल्कि एक नई शुरूआत है। उन्होंने बताया कि कंपनी का उद्देश्य भूमि पुनर्स्थापन, पर्यावरण संरक्षण और पुनर्विकसित खदान क्षेत्रों को स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन, आजीविका सृजन तथा स्थानीय समुदायों के उपयोगी संसाधन के रूप में विकसित करना है। हरीश दुहान ने कहा कि कंपनी वर्तमान में 8 खदानों के पुनः उपयोग में लाने की परियोजनाओं पर काम कर रही है, जो कोल इंडिया लिमिटेड की सभी कंपनियों में सबसे अधिक हैं।

मुख्यमंत्री ने पंचकूला में ग्रुप-डी के नव-चयनित कर्मचारियों के लिए आयोजित परिचयात्मक कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में किया सम्बोधित

मेहनत, योग्यता और प्रतिभा ही सरकारी नौकरी का आधारः नायब सैनी

सरकारी कर्मचारी गुड गवर्नेंस की डिलीवरी टीम, जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देंः मुख्यमंत्री

- **हरियाणा में भर्ती व्यवस्था में आया ऐतिहासिक बदलाव, पारदर्शिता से मिल रही हैं नौकरियांः मुख्यमंत्री**
- **ग्रुप-डी के 3,586 नव-चयनित कर्मचारियों को दी बधाई, 6 युवाओं को सौंपे प्रतीकात्मक नियुक्ति पत्र**
- **परीक्षा एवं भर्ती की पवित्रता से कोई समझौता नहींः नायब सैनी**

हरियाणा मेल ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने प्रदेश की भर्ती व्यवस्था में व्यापक और ऐतिहासिक सुधार किए हैं, जिनका सकारात्मक प्रभाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि पहले जहां सरकारी नौकरियों को लेकर युवाओं के मन में संदेह और निराशा का माहौल था, वहीं आज पारदर्शी और निष्पक्ष प्रणाली के चलते युवाओं का विश्वास सरकार पर मजबूत हुआ है। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि प्रदेश में अब न पर्ची चलेगी, न खर्ची चलेगी, बल्कि केवल योग्यता, मेहनत और प्रतिभा के आधार पर ही सरकारी नौकरियां दी जाएंगी।

मुख्यमंत्री श्री सैनी पंचकूला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में आयोजित ग्रुप-डी के नव-चयनित कर्मचारियों के परिचयात्मक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए नव-नियुक्त युवाओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए बधाई दी। उन्होंने प्रतीकात्मक रूप से छह चयनित कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए और कहा कि ये नियुक्ति पत्र केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि उनकी मेहनत, उनके माता-पिता के त्याग और ईमानदार व्यवस्था में उनके विश्वास का प्रमाण हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव के दौरान सरकार ने अपने संकल्प पत्र में दो लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने का वादा किया था। उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए बताया कि पिछले डेढ़ वर्ष में ही 42,500 युवाओं को सरकारी सेवाओं में नियुक्ति दी जा चुकी है। वहीं, वर्तमान सरकार के लगभग साढ़े 11 वर्षों के कार्यकाल में करीब दो लाख युवाओं को पूर्ण पारदर्शिता और मेरिट के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराया गया है।

उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब हरियाणा में सरकारी नौकरी का नाम सुनते ही सामान्य परिवारों में चिंता का माहौल बन जाता था। नौकरियों पर कुछ खास लोगों, परिवारों और क्षेत्रों का प्रभुत्व माना जाता था। उस समय योग्यता और प्रतिभा को दरकिनार कर पर्ची, खर्ची, परिवारवाद और क्षेत्रवाद को बढ़ावा दिया जाता था। इस व्यवस्था ने न केवल युवाओं के अवसर छीने, बल्कि उनके परिवारों का विश्वास भी तोड़ा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने सत्ता संभालते ही स्पष्ट कर दिया था कि अब किसी भी युवा का भविष्य किसी सिफारिश या धनबल से तय नहीं होगा, बल्कि उसकी मेहनत और योग्यता ही उसका भविष्य तय करेगी।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अब सरकारी नौकरियां किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं, बल्कि प्रदेश के हर कोने के युवाओं को समान अवसर मिल रहे हैं। इससे युवाओं में सरकार के प्रति विश्वास और अधिक बढ़ा है। उन्होंने नव-नियुक्त कर्मचारियों से संवाद करते हुए कहा कि वे केवल ग्रुप-डी कर्मचारी नहीं हैं, बल्कि सुशासन की डिलीवरी टीम का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरी केवल रोजगार नहीं, बल्कि जनसेवा का एक महत्वपूर्ण दायित्व है।

उन्होंने कर्मचारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने हर निर्णय में समाज के सबसे कमजोर और जरूरतमंद व्यक्ति के हित को ध्यान में रखें। उन्होंने कहा कि यह सोच केवल नीति-निमार्ताओं के लिए ही नहीं, बल्कि हर सरकारी कर्मचारी के लिए आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने सभी कर्मचारियों से संकल्प लेने का आह्वान किया कि वे कार्यालय में आने वाले हर व्यक्ति की समस्या को धैर्यपूर्वक सुनेंगे, उसका सम्मान करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि उसे बार-बार कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि नियम जनता की सुविधा के लिए बनाए जाते हैं, उन्हें परेशान करने के लिए नहीं। मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के समय युवाओं का शोषण होता था और ठेकेदारी व्यवस्था के माध्यम से उन्हें असुरक्षित रोजगार दिया जाता था। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने इस समस्या को समझते हुए न केवल निगम का गठन किया, बल्कि कानून बनाकर युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने का कार्य भी किया है।

उन्होंने युवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय अवसरों का जिक्र करते हुए बताया कि राज्य सरकार ने विदेश सहयोग विभाग की स्थापना की है, जिसके माध्यम से अब तक 210 युवाओं को दुबई और 390 युवाओं को इजराइल भेजा जा चुका है। इसके अतिरिक्त जापान, ओमान, जर्मनी और कनाडा जैसे देशों में भी युवाओं को भेजने की प्रक्रिया जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने अवैध एजेंटों और डंकी रूट जैसी समस्याओं को रोकने के लिए सख्त कानून बनाए हैं, जिससे युवाओं का शोषण रोका जा सके।

मुख्यमंत्री ने परीक्षा और भर्ती प्रणाली की पवित्रता को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह केवल प्रशासनिक विषय नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य और उनके विश्वास से जुड़ा प्रश्न है। उन्होंने कहा कि नीट-यूजी परीक्षा में अनियमितताओं के आरोप सामने आने पर केंद्र सरकार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच करवाई और सुधारात्मक कदम उठाए। उन्होंने बताया कि परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए उच्च-स्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया है।

उन्होंने यह भी कहा कि लोक परीक्षा अधिनियम, 2026 के तहत परीक्षा अपराधों में संलिप्त लोगों के लिए 10 वर्ष तक की सजा और कम से कम 10 करोड़ रुपये के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही पेपर लीक से जुड़े मामलों के त्वरित निपटारे के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्पष्ट संदेश है कि मेहनती छात्रों के साथ किसी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

चंडीगढ़ में संत कबीर कुटीर पर लोगों की समस्याएं सुनते हुए मुख्यमंत्री

कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने नव-नियुक्त कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उनके जीवन का महत्वपूर्ण अवसर है और उन्हें अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह भर्ती प्रक्रिया राज्य सरकार की पारदर्शिता और निष्पक्षता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

मानव संसाधन विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री पीसी मीणा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके विचार सभी कर्मचारियों को ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम केवल नियुक्ति पत्र वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सरकार की पारदर्शी भर्ती प्रणाली पर जनता के विश्वास का प्रतीक है।

इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति, प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारीगण और अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने न केवल नव-नियुक्त युवाओं में उत्साह का संचार किया, बल्कि प्रदेश में पारदर्शी और निष्पक्ष शासन व्यवस्था के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को भी मजबूती से प्रस्तुत किया।

समाचार सार

निजी एयरलाइंस का पायलट 814 ग्राम एमडीएमए के साथ गिरफ्तार

गुरुग्राम। सेक्टर-39 क्राइम ब्रांच ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। एक निजी एयरलाइंस के पायलट को 814 ग्राम एमडीएमए के साथ गिरफ्तार किया। बरामद मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है। आरोपी की पहचान अरशद अली अज्जू, 33 वर्ष निवासी कोझिकोड केरल के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी पिछले तीन साल से पायलट है और नोएडा से पांच लाख रुपये में एमडीएमए लाकर बेचता था। पहले वह खुद नशा करता था, बाद में मुनाफे के लिए बेचने लगा। पुलिस ने राजेंद्रा पार्क थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को रिमांड पर लेने की तैयारी की है, ताकि सप्लाई नेटवर्क का खुलासा किया जा सके।

हरियाणा विधानसभा के महिला युवा संवाद-2026 में एंजल अहलावत का चयन

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा में 31 जुलाई को आयोजित होने वाले महिला युवा संवाद-2026 के लिए एंजल अहलावत का चयन किया गया है। बहु-स्तरीय चयन प्रक्रिया में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद उन्हें सत्तापक्ष का प्रतिनिधित्व सौंपा गया है। इस मंच पर वह विकसित भारत-2047 के संदर्भ में महिला नेतृत्व, सशक्तिकरण और लोकतांत्रिक भागीदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखेंगी। कार्यक्रम में देशभर से चयनित युवा प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। एंजल अहलावत छात्र नेतृत्व में भी सक्रिय रही हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न जिम्मेदार भूमिकाएं निभाकर अपनी पहचान बना चुकी हैं।

लापरवाही पर कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा सख्त

सीवरेज और मैनहोल में गई कर्मचारी की जान तो नपेंगे अधिकारीः रणबीर गंगवा

- **7 निगरानी समितियों का गठन**
- **सुरक्षा नियमों की अनदेखी पर अधिकारियों की तय होगी जिम्मेदारी, कार्रवाई के निर्देश**
- **खुले मैनहोल और हादसों पर रोक के लिए कड़े आदेश, रिपोर्टिंग में देरी बर्दाश्त नहीं**

हरियाणा मेल ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री रणबीर गंगवा ने सीवरेज और मैनहोल से जुड़े कार्यों में होने वाली दुर्घटनाओं और लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाते हुए विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि सुरक्षा उपायों की अनदेखी के कारण किसी कर्मचारी की जान जाती है, तो संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंत्री रणबीर गंगवा ने इस दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए प्रदेशभर में निगरानी के लिए सात समितियों के गठन के निर्देश दिए हैं। प्रत्येक समिति में मुख्य अभियंता, संबंधित सर्कल के अधीक्षण अभियंता तथा मंडल के कार्यकारी अभियंता (एक्सईएन) शामिल होंगे। ये समितियां नियमित रूप से फील्ड का निरीक्षण करेंगी, सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा करेंगी और अपनी रिपोर्ट सीधे मुख्यालय को भेजेंगी, जिसे तुरंत मंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। निरीक्षण को निष्पक्ष और प्रभावी बनाने के लिए मुख्य अभियंताओं को उनके वर्तमान क्षेत्र से अलग सर्कलों की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बिना सभी आवश्यक सुरक्षा उपकरणों और नियमों का पालन किए किसी भी कर्मचारी को सीवरेज या मैनहोल में उतरने की अनुमति न दी जाए। मंत्री ने कहा कि हाल के दिनों में कुछ घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें ठेकेदारों और अधिकारियों की लापरवाही स्पष्ट दिखाई दी है। खुले मैनहोल के कारण भी हादसों की सूचनाएं मिली हैं, जिसे गंभीरता से लेते हुए उन्होंने सभी मैनहोल को सुरक्षित ढंग से बंद करने और उनकी नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मंत्री ने यह भी कहा कि कई मामलों में दुर्घटना के बाद समय पर प्रारंभिक रिपोर्ट, जांच रिपोर्ट और कार्रवाई रिपोर्ट मुख्यालय तक नहीं पहुंचती, जो गंभीर लापरवाही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में ऐसी स्थिति बर्दाश्त नहीं की जाएगी और हर घटना की जानकारी तुरंत मुख्यालय को भेजना संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी। उन्होंने दोहराया कि विभागीय स्तर पर जवाबदेही तय कर ही ऐसी घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है।

दीपेंद्र हुड्डा का संसद में सरकार पर तीखा हमला

बिल के नाम पर छात्रों को एक और जुमला दे रही है बीजेपी सरकारः दीपेन्द्र हुड्डा

- **सिंहासन डोला तो शिक्षा मंत्री का हुआ इस्तीफा**
- **कौन वो क्रूर सिंह था जिसने AK-47, पैलेट गन, आँसू गैस के गोले, और लाठियों में कीले लगाकर देश के नौजवानों पर बरसाने का काम किया**

हरियाणा मेल ब्यूरो

चंडीगढ़। कांग्रेस सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा के दौरान केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने पेपर लीक मामलों और छात्रों के साथ हुई कथित पुलिस बर्बरता को लेकर सरकार को कठघरे में खड़ा किया। हुड्डा ने कहा कि जिस परिस्थिति में यह बिल लाया गया, उससे साफ है कि सरकार का उद्देश्य युवाओं की आवाज दबाना था। उन्होंने आरोप लगाया कि जब सरकार को लगा कि सिंहासन डोल रहा है तब जल्दबाजी में बिल लाया गया, इस्तीफा हुआ और तत्परता दिखाने के लिए टास्क फोर्स का गठन कर दिया गया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर सही मायनों में कानून बनाना था तो प्रावधान होना चाहिए था कि पेपर लीक होने पर सबसे पहले शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें।

उन्होंने कहा कि देश का छात्र आज सबसे अधिक तनावपूर्ण जीवन जीने को मजबूर है और शिक्षा व्यवस्था एलिमिनेशन सिस्टम बन गई है। हुड्डा ने छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि पूरी दुनिया ने युवाओं पर हुई सख्ती देखी। उन्होंने महाराष्ट्र की छात्रा रिया अहीर का उदाहरण देते हुए कहा कि विरोध करने पर भी छात्रों को परेशान किया गया।

विधेयक की आलोचना करते हुए हुड्डा ने कहा कि इसमें नए प्रावधानों के नाम पर केवल कमेटियां और सजा बढ़ाने की बातें हैं, जबकि जमीनी स्तर पर कोई ठोस बदलाव नहीं है। उन्होंने बताया कि देश में फास्ट ट्रैक कोर्ट में ही लाखों मामले लंबित हैं और पेपर लीक मामलों में जांच एजेंसियां समय पर साक्ष्य तक जुटाने में विफल रही हैं। हुड्डा ने कहा कि जेन-जी के युवाओं ने साबित कर दिया है कि लोकतंत्र में असली ताकत जनता है। उन्होंने कहा कि युवाओं ने अहिंसक तरीके से अपनी आवाज उठाई और यह सरकार की विफलता तथा छात्रों की जीत का प्रतीक है।

संविदा महिला कर्मचारियों को साल में मिलेंगी 22 कैजुअल लीव

- **उच्च शिक्षा विभाग ने जारी की अधिसूचना**

हरियाणा मेल, एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने संविदा पर कार्यरत महिला कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए कैजुअल लीव (सीएल) की सुविधा बढ़ा दी है। उच्च शिक्षा विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए पात्र महिला संविदा कर्मचारियों को अब एक वर्ष में अधिकतम 22 दिन की कैजुअल लीव देने का निर्णय लिया है। इससे पहले यह सुविधा केवल 10 दिन तक सीमित थी। उच्च शिक्षा विभाग के महानिदेशक की ओर से जारी आदेश के अनुसार, पात्र महिला संविदा कर्मचारियों को हर माह एक अतिरिक्त कैजुअल लीव मिलेगी। यह सुविधा उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्यरत सभी पात्र महिला कर्मचारियों पर लागू होगी। विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों को आदेशों का तत्काल प्रभाव से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

इस सुविधा का लाभ महिला एक्सटेंशन लेक्चरर, क्लर्क, चपरासी, प्रयोगशाला परिचारक, पुस्तकालय परिचारक, डाटा एंट्री ऑपरेटर, कंप्यूटर ऑपरेटर, सफाई कर्मचारी सहित अन्य संविदा कर्मचारियों को मिलेगा। यह लाभ हरियाणा सरकार की ओर से समय-समय पर जारी नियमों और निर्देशों के अनुसार लागू रहेगा।

महानिदेशक कार्यालय ने प्रदेश के सभी सरकारी कॉलेजों के प्राचार्यों, एनसीसी इकाइयों के अधिकारियों और जिला व उपमंडल पुस्तकालयों के पुस्तकालयाध्यक्षों को आदेश भेजकर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा है।

सरकार के इस फैसले से उच्च शिक्षा विभाग में कार्यरत हजारों महिला संविदा कर्मचारियों को फायदा मिलेगा। अतिरिक्त अवकाश की सुविधा मिलने से महिला कर्मचारियों को नौकरी के साथ पारिवारिक जिम्मेदारियों का बेहतर तरीके से निर्वहन करने में सहायता मिलेगी। यह निर्णय महिला कर्मचारियों के लिए बेहतर और सुविधाजनक कार्य वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

हरियाणा सरकार ने अध्यापकों के तबादला अभियान का कार्यक्रम बदला

- **अब 11 अगस्त से शुरू होगी डाटा वेरिफिकेशन प्रक्रिया**

हरियाणा मेल, एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा शिक्षा विभाग ने ऑनलाइन शिक्षक ट्रांसफर ड्राइव-2026 का संशोधित शेड्यूल जारी कर दिया है। नए कार्यक्रम के अनुसार 11 अगस्त से शिक्षकों के व्यक्तिगत और सेवा संबंधी विवरण के सत्यापन की प्रक्रिया शुरू होगी। विभाग के प्रधान सचिव ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को संशोधित शेड्यूल के अनुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने बताया कि 23 जुलाई को जारी किए गए पहले कार्यक्रम में बदलाव करते हुए नया शेड्यूल जारी किया गया है। इसके तहत 11 अगस्त से 17 अगस्त तक सभी सरकारी स्कूलों के शिक्षक एमआईएस पोर्टल पर अपने रिकॉर्ड को अपडेट और सत्यापित करेंगे। शिक्षकों को निर्धारित समय में अपने विवरण की जांच कर उसे प्रमाणित करना होगा।

18 और 19 अगस्त को शिक्षकों का स्कोर और कार्यकाल विवरण जारी किया जाएगा। यदि किसी शिक्षक को इसमें आपत्ति होगी तो वह 20 से 24 अगस्त तक ऑनलाइन दावा दर्ज करा सकेगा। जिला स्तरीय समिति 25 से 31 अगस्त तक इन दावों पर विचार करेगी और 1 सितंबर को निर्णय जारी किए जाएंगे इसके बाद असंतुष्ट शिक्षक 2 से 4 सितंबर तक राज्य स्तरीय समिति के समक्ष आपत्ति दर्ज करा सकेंगे। समिति 5 से 7 सितंबर तक मामलों का निपटारा करेगी। 8 और 9 सितंबर को अंतिम स्कोर और टेन्योर सूची जारी की जाएगी, जिसके आधार पर स्थानांतरण प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

विभाग ने बताया कि कपल केस के लिए अंक प्राप्त करने हेतु अंडरटेकिंग का प्रारूप तैयार किया गया है।

नया टीचर ट्रांसफर ड्राइव-2026 का शेड्यूल

प्रोफाइल अपडेट व सत्यापन 11 से 17 अगस्त

स्कोर व टेन्योर प्रकाशित 18 से 19 अगस्त

दावा/आपत्ति दर्ज 20 से 24 अगस्त

जिला समिति का निर्णय 25 से 31 अगस्त

जिला समिति का निर्णय प्रकाशित 01 सितंबर

राज्य समिति में आपत्ति 02 से 04 सितंबर

राज्य समिति का निर्णय 05 से 07 सितंबर

अंतिम स्कोर व टेन्योर सूची 08 से 09 सितंबर

क्रियान्वयन

कुमारी सैलजा का सरकार पर सीधा हमला

कानून बनाना आसान, लागू करना असली चुनौतीः सैलजा

- **मानसिक स्वास्थ्य कानून के क्रियान्वयन पर हाई कोर्ट की टिप्पणी सरकार की प्रशासनिक विफलता को उजागर करती है**

हरियाणा मेल ब्यूरो

चंडीगढ़। सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव कुमारी सैलजा ने कहा है कि किसी भी लोकतांत्रिक सरकार की सफलता केवल नए कानून बनाने से नहीं, बल्कि उनके ईमानदार और प्रभावी क्रियान्वयन से तय होती है। उन्होंने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम, 2017 के लागू करने में वर्षों की देरी पर पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ प्रशासन से जवाब तलब किए जाने को गंभीर मुद्दा बताया। उन्होंने कहा कि अदालत की टिप्पणी यह स्पष्ट करती है कि कानून बनने के बावजूद उसका वास्तविक लाभ आम लोगों तक नहीं पहुंच रहा है।

सैलजा ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम, 2017 का उद्देश्य मानसिक रोगियों के अधिकारों की रक्षा करना और उन्हें सम्मानजनक उपचार उपलब्ध कराना था। यदि आठ वर्षों के बाद भी अदालत को सरकारों से यह पूछना पड़ रहा है कि कानून लागू क्यों नहीं हुआ, तो यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि शासन व्यवस्था की कमजोरी को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि यह समस्या केवल एक कानून तक सीमित नहीं है, बल्कि कई अन्य मामलों में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने 2023 में नारी वंदन अधिनियम पारित किया, लेकिन इसके प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में अपेक्षित प्रगति नजर नहीं आती। इसी तरह लोक परीक्षाएं (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 को बड़े दावों के साथ लागू किया गया था, ताकि पेपर लीक और परीक्षा माफिया पर सख्ती से रोक लगाई जा सके। इसके बावजूद देशभर में पेपर लीक और परीक्षा विवाद लगातार सामने आते रहे हैं, जिससे सरकार की नीयत और कार्यप्रणाली पर सवाल उठते हैं।

सैलजा ने कहा कि यदि इन कानूनों को शुरू से ही सख्ती और पारदर्शिता के साथ लागू किया जाता, तो लाखों विद्यार्थियों का भविष्य खतरे में नहीं पड़ता और बार-बार परीक्षाएं रद्द करने की नौबत नहीं आती। इससे युवाओं का व्यवस्था पर भरोसा भी कमजोर हुआ है। उन्होंने कहा कि केवल कानून बना देना और उसके बाद जिम्मेदारी से पीछे हट जाना सुशासन का उदाहरण नहीं हो सकता। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार द्वारा फास्ट-ट्रैक कार्रवाई और त्वरित न्याय के दावे किए जाते हैं, लेकिन व्यवहार में कई मामलों में न्यायिक और प्रशासनिक प्रक्रियाएं धीमी रहती हैं। ऐसे में अदालतों को हस्तक्षेप कर सरकारों से जवाब मांगना पड़ता है, जो लोकतंत्र के लिए चिंताजनक स्थिति है।

अंत में सैलजा ने कहा कि कांग्रेस का मानना है कि कानून जनता के हित और अधिकारों की रक्षा के लिए बनाए जाते हैं, न कि केवल प्रचार के लिए। इसलिए सरकार को चाहिए कि हर कानून के प्रभावी क्रियान्वयन, जवाबदेही और समयबद्ध समीक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करे, ताकि जनता को वास्तविक लाभ मिल सके और लोकतंत्र की विश्वसनीयता मजबूत हो।

कट्टरपंथी सांसद अमृतपाल की रिहाई की मांग पर चंडीगढ़ में आंदोलन

- **कई घंटे तक चला हंगामा**
- **चंडीगढ़ व पंजाब की सीमा पर पुलिस ने लाठीचार्ज करके रोका, प्रदर्शनकारी वाटर कैनन वैन पर चढ़े**

हरियाणा मेल, एजेंसी

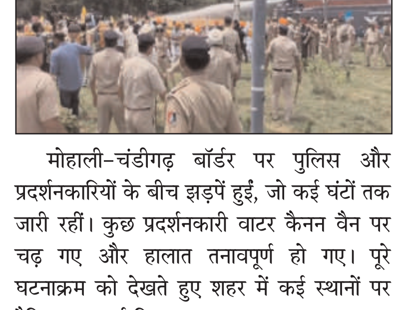

चंडीगढ़। देशद्रोह के मामले में असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद अमृतपाल सिंह की रिहाई की मांग को लेकर बुधवार को वारिस पंजाब दे पार्टी के कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने मोहाली के रास्ते चंडीगढ़ स्थित मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने वाटर कैनन और लाठीचार्ज कर उन्हें रोक दिया। इसके बावजूद कुछ प्रदर्शनकारी चंडीगढ़ सीमा में घुसने में सफल रहे, जिन्हें बाद में हिरासत में ले लिया गया।

मोहाली-चंडीगढ़ बॉर्डर पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं, जो कई घंटों तक जारी रहीं। कुछ प्रदर्शनकारी वाटर कैनन वैन पर चढ़ गए और हालात तनावपूर्ण हो गए। पूरे घटनाक्रम को देखते हुए शहर में कई स्थानों पर ट्रैफिक डायवर्ट किया गया।

पार्टी नेता मनप्रीत अयाली ने प्रदर्शन को शांतिपूर्ण बताया, जबकि अमृतपाल के वकील इमान सिंह खारा ने कहा कि एनएसए हटने के बावजूद उन्हें अन्य मामलों में जेल में रखा गया है।

मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक **ऋषि नारायण आचार्य** द्वारा स्वत्वाधिकारी शिवा पब्लिकेशन के लिए मैसर्स आर डी प्रिन्टर्स एंड पब्लिशर्स प्रा. लि., बी-48, सेक्टर-8, नोएडा गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) 201301 से मुद्रित तथा सी-2589, सुशांत लोक-1, चकरपुर गुरुग्राम हरियाणा 122001 से प्रकाशित। संपादकीय कार्यालयः द्वितीय तल आपका सिटी प्लाजा, सिविल लाईन रोड गुड़गांव। RNI No. HARHIN/2012/47672, फोन. 9990909797, Email: haryanamail.info@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत जिम्मेदार। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गुरुग्राम न्यायालय होगा।